

संक्षिप्त समाचार

यमुनोत्री धाम में सुरक्षा बलों ने चलाया स्वच्छता अभियान

उत्तरकाशी, एजेंसी। चारधाम यात्रा के दौरान यमुनोत्री धाम की स्वच्छता, धार्मिक गरिमा और प्राकृतिक सौंदर्य को बनाए रखने के उद्देश्य से शुक्रवार को पुलिस के नेतृत्व में विभिन्न सुरक्षा बलों ने संयुक्त रूप से स्वच्छता अभियान चलाया। इस दौरान स्नान घाटों, यमुना नदी के तटों और मंदिर परिसर के आसपास सफाई अभियान चलाकर नदी में प्रवाहित किए गए वस्त्र, प्लास्टिक को बाहर निकालकर सुरक्षित तरीके से निस्सारित किया गया। पुलिस अधीक्षक कमलेश उपाध्याय के निर्देशन में स्वच्छता ही सेवा संकल्प के तहत आयोजित इस अभियान में उत्तरकाशी पुलिस, एसडीआरएफ, आईआरबी, एटीएस, फायर सर्विस, होमगार्ड और पीआरडी के जवानों ने संयुक्त रूप से श्रमदान किया। जवानों ने धाम परिसर के विभिन्न हिस्सों में फैले कचरे को एकत्र कर साफ-सफाई की और पूरे क्षेत्र को स्वच्छ बनाने का संदेश दिया।

इसके साथ ही जवानों ने तीर्थयात्रियों को धाम की पवित्रता और स्वच्छता बनाए रखने के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण के प्रति भी जागरूक किया। वहीं, सुरक्षा बलों ने यात्रियों से अपील की कि वे धाम में स्वच्छता बनाए रखने में अपना सहयोग दें। कूड़ा केवल निर्धारित डस्टबिन में ही डालें तथा कपड़े, प्लास्टिक, पूजा सामग्री या अन्य अपशिष्ट यमुना नदी में प्रवाहित न करें।

कुपड़ा खड़ पर बैली ब्रिज नहीं हो

सका तैयार, मानसून में बढ़ी चिंता

बड़कोट, एजेंसी। आपदा के एक वर्ष बीतने के बाद भी कुपड़ा खड़ पर बन रहा 60 मीटर स्नान का बैली ब्रिज अभी तक भी तैयार नहीं हो सका है। निर्माण कार्य की धीमी गति के कारण क्षेत्र के तीन गावों के ग्रामीणों को आवागमन में भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। मानसून शुरू होने के साथ ही ग्रामीणों की चिंता और बढ़ गई है। पूर्व प्रधान शैलेन्द्र राणा ने बताया कि बैली ब्रिज का निर्माण कछुआ गति से चल रहा है। मजदूरी में ग्रामीणों को खड़ु पार कर आवाजाही करना पड़ रही है जबकि कई लोग आपदा में क्षतिग्रस्त मोटर पुल से जोखिम उठाकर आवागमन कर रहे हैं। इसका सबसे अधिक असर स्कूली छात्र-छात्राओं पर पड़ रहा है जिन्हें प्रतिदिन स्कूल आने-जाने में दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों ने बताया कि आपदा के बाद करीब 10 लाख रुपये की लागत से ट्रॉली भी लगाई गई थी लेकिन वह 10 दिन तक भी सुरक्षित आवाजाही सुनिश्चित नहीं कर सकी। स्थानीय निवासी महावीर पंवार, लोकेश चौहान, नैन सिंह राणा, सुनील आदि ने बताया कि कुपड़ा खड़ पर बन रहे बैली ब्रिज के निर्माण में अब तक केवल एक पिलर ही तैयार हो पाया है।

चलते ट्रक में लगी भीषण आग,

चालक ने कूदकर बचाई जान

ऋषिकेश, एजेंसी। देहरादून-हरिद्वार हाईवे पर बृहस्पतिवार देर रात चलते ट्रक में भीषण आग लगने से अफरा-ताफरी मच गई। चालक ने सूझबूझ दिखाते हुए समय रहते ट्रक से कूदकर अपनी जान बचाई। सूचना पर पहुंची पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीम ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। घटना में कोई जनहानि नहीं हुई, हालांकि आग की चपेट में आकर ट्रक पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। पुलिस के अनुसार, बृहस्पतिवार देर रात डायल-112 कंट्रोल रूम को सूचना मिली कि हरवाला और कुआंवाला के बीच एक ट्रक में आग लग गई है। हरवाला चौकी प्रभारी कमलेश गोड़ तत्काल अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंची। लक्ष्मण सिद्ध मंदिर के सामने देहरादून से हरिद्वार जा रहे ट्रक में आग की ऊंची लपटें उठ रही थीं। ग्राम गोलार थाना विजयगढ़ जिला अतीथीद (उत्तर प्रदेश) निवासी ट्रक चालक संजय कुमार ने बताया कि वह देहरादून से गाजियाबाद की ओर जा रहा था। हरवाला चौकी से आगे विंडलास रिवर वैली के पास अचानक ट्रक में शॉर्ट सर्किट होने से आग लग गई। आग फैलते ही उसने तत्काल ट्रक रोका और बाहर निकलकर अपनी जान बचाई। मौके पर पहुंची फायर ब्रिगेड की टीम ने पुलिस के सहयोग से काफी देर की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। आग से ट्रक को काफी नुकसान पहुंचा। चौकी प्रभारी ने बताया कि प्रथम दृष्टया आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट प्रतीत हो रहा है। मामले की जांच की जा रही है।

न्यायिक व्यवस्था में फेरबदल,

कई वरिष्ठ न्यायिक

अधिकारियों के तबादले

नैनीताल, एजेंसी। उत्तराखंड हाईकोर्ट ने राज्य की न्यायिक व्यवस्था में फेरबदल किए हैं, जिसके तहत कई वरिष्ठ न्यायिक अधिकारियों के तबादले और अतिरिक्त प्रभार सौंपने के आदेश जारी किए हैं. नैनीताल हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश के आदेश पर रजिस्ट्रार जनरल योगेश कुमार गुप्ता की ओर से जारी अधिसूचना के मुताबिक, पोड़ी गढ़वाल के पारिवारिक न्यायालय के प्रधान न्यायाधीश हरीश कुमार गोयल को देहरादून का नया जिला एवं सत्र न्यायाधीश नियुक्त किया गया है, जो तत्काल प्रभाव से अपना पदभार ग्रहण करेंगे. वहीं, हरीश कुमार गोयल के स्थान पर उत्तराखंड लोक सेवा आयोग (हरिद्वार) के कानूनी सलाहकार बृजेंद्र सिंह को पोड़ी गढ़वाल के पारिवारिक न्यायालय का प्रधान न्यायाधीश बनाने की सिफारिश राज्य सरकार को भेजी गई है. इस प्रशासनिक फेरबदल के तहत विशेष अदालतों के सुचारु संरचना के लिए कई न्यायाधीशों को महत्वपूर्ण अतिरिक्त प्रभार भी सौंपे गए हैं. इसके तहत नैनीताल के प्रथम अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश सजीव कुमार को नवसुलित अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायालय/विशेष न्यायालय (एनडीपीएस एक्ट, नैनीताल) का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है. इसी कड़ी में देहरादून के तीसरे अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश विवेक शर्मास्वव को अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायालय/विशेष न्यायालय-द्वितीय (एनडीपीएस एक्ट देहरादून) की कमान सौंपी गई है.

सीएम के रूप में धामी के 5 साल पूरे, 9 जुलाई को तोड़ देंगे एनडी तिवारी का रिकॉर्ड



देहरादून, एजेंसी। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी का बतौर सीएम रहते हुए 5 साल का कार्यकाल आज 4 जुलाई 2026 को पूरा होने जा रहा है. खास बात यह है कि 9 जुलाई को मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी, पूर्व सीएम दिवंगत एनडी तिवारी का रिकॉर्ड तोड़कर प्रदेश के पहले ऐसे मुख्यमंत्री बन जाएंगे, जिनका मुख्यमंत्री के तौर पर सबसे लंबा कार्यकाल रहा है. इन 5 सालों के दौरान जहां एक ओर राज्य सरकार ने तमाम बड़ी उपलब्धियां हासिल की हैं तो वहीं कई चुनौतियां भी सरकार के सामने आई हैं. इसी बीच नेतृत्व परिवर्तन की सुबुगाहट भी राजनीतिक गलियारों में देखने को मिली. हालांकि उनका ज्यादा असर सीएम धामी पर पड़ा नहीं है. इन सबके बीच कैसा रहा मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के पांच साल का कार्यकाल और उनके किस फैसलों की चर्चा देश भर में हुई, जिससे उन्हें एक नेशनल लीडर के तौर पर भी पहचान मिली. इसी को विस्तार से समझने की कोशिश करते हैं. बीजेपी के लिए आज का दिन बेहद खास: उत्तराखंड की भाजपा सरकार के लिए 4 जुलाई का दिन बेहद खास रहने है. क्योंकि, पुष्कर सिंह धामी भाजपा के पहले ऐसे मुख्यमंत्री बन गए, जिन्होंने बतौर मुख्यमंत्री 5 साल का

कार्यकाल पूरा कर लिया है. हालांकि ये कार्यकाल दो टर्म का है. मुख्यमंत्री धामी के अलावा उत्तराखंड में अभी तक सिर्फ दिवंगत एनडी तिवारी ही ऐसे मुख्यमंत्री रहे हैं, जो उत्तराखंड में एक ही टर्म में पांच साल मुख्यमंत्री रहे हैं. हालांकि अब इस लिस्ट में अगला नाम मुख्यमंत्री धामी का जुड़ने जा रहा है.

4 जुलाई 2021 को बने थे सीएम:

दरअसल, मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को 4 जुलाई 2021 को उत्तराखंड की कमान सौंपी

रेल यात्री ध्यान दें, 29 जुलाई तक संचालित होगी योगनगरी-

उदयपुर स्पेशल ट्रेन, इन स्टेशनों पर होगा ठहराव



एक्सप्रेस ट्रेन की संचालन अवधि को 30 जून से बढ़ाकर 29 जुलाई तक कर दिया गया है। गाड़ी संख्या 09609 उदयपुर सिटी से योगनगरी ऋषिकेश 7, 14, 21 और 28 जुलाई प्रत्येक मंगलवार को उदयपुर और गाड़ी संख्या 09610

योगनगरी ऋषिकेश से उदयपुर के लिए 8, 15, 22 और 29 जुलाई प्रत्येक बुधवार को दोनों ओर से 4 - 4 फेरे संचालित की जाएगी। ट्रेन को हरिद्वार, रुड़की, टपरी, रामपुर मनिहारन, शामली, पुरानी दिल्ली, दिल्ली कैंट, गुरग्राम, रेवाड़ी, राजगढ़, बांदीकुई, दौसा, गांधीनगर, जयपुर, फुलेरा, किशनगढ़, अजमेर, नसीराबाद, विजयनगर, मंडल, भीलवाड़ा, फतेहनगर, मावली, राणा प्रतापनगर रेलवे स्टेशनों पर ठहराव दिया गया है।

उपनल कर्मचारियों को एक मार्च से मिलेगा समान कार्य-समान वेतन का लाभ, सरकार ने हाईकोर्ट में दिया जवाब



नैनीताल, एजेंसी। प्रदेश के सरकारी विभागों में सालों से लगे उपनल (उत्तराखंड पूर्व सैनिक कल्याण निगम लिमिटेड) संविदा कर्मचारियों को नियमित करने का आदेश उत्तराखंड हाईकोर्ट पहले ही दे चुका है. फिर भी उपनल कर्मचारियों को अभी तक नियमित नहीं किया. इसके अलावा उन्हें चयनित वेतनमान नहीं दिए गए और उनको दिए गए वेतन से जीएसटी काटे जाने के खिलाफ दायर अवमानना याचिका पर आज 2 जुलाई को उत्तराखंड हाईकोर्ट में सुनवाई हुई. आज हुए सुनवाई के दौरान राज्य सरकार की ओर से कोर्ट के

सामने एक जुलाई 2026 का शासनादेश पेश किया गया, जिसमें कहा गया कि राज्य सरकार ने उपनल कर्मचारियों को नियमित करने के लिए कट ऑफ डेट 2018 से बढ़ाकर 15 अक्टूबर 2024 कर दी है, जो भी कर्मचारी इसमें आएंगे वे समान कार्य समान वेतन पाने के हकदार होंगे. इसका लाभ उन्हें एक मार्च 2026 से दिया जाएगा. इसके साथ ही सरकार की तरफ तीन फरवरी 2026 के आदेश भी पेश किया गया, जिसमें कहा गया है कि ये कर्मचारी नियमित कर्मचारियों की सेवा शर्तों की भांति अन्य लाभों की मांग नहीं

करेंगे, जो नियुक्ति होगी वह संविदा के आधार पर होगी. इस पर कोर्ट ने सरकार से स्पष्टीकरण करने को कहा है, जिस पर सरकार ने कोर्ट से एक सप्ताह का समय देने की मांग की गई, जिसे स्वीकार करते हुए कोर्ट ने मामले की सुनवाई के लिए 9 जुलाई की तिथि नियत की है. आज मामले की सुनवाई न्यायमूर्ती राकेश थपलियाल की एकलपीठ में हुई. पूर्व में हुई सुनवाई के दौरान कोर्ट ने राज्य सरकार से कहा था कि पहले इसे न्यूनतम वेतनमान दिया जाय. बता दें कि उपनल कर्मचारी संघ ने उच्च न्यायालय में अवमानना याचिका दायर कर कहा है कि नवंबर 2025 में कोर्ट की खंडपीठ द्वारा पारित आदेश का अनुपालन अभी तक राज्य सरकार ने नहीं किया, जबकि कोर्ट ने अपने आदेश में स्पष्ट किया था कि उपनल कर्मचारियों को पहले समान कार्य समान वेतन दिया जाय, उनके वेतन पर लगने वाले जीएसटी को न वसूला जाय और नियमितीकरण की प्रक्रिया अपनाई जाय. लेकिन इस आदेश पर अब तक राज्य सरकार की तरफ से कोई निर्णय नहीं लिया गया.

श्रद्धालुओं के लिए खुलेंगे गर्जिया देवी मंदिर के कपाट, 5 जुलाई से दर्शन शुरू होने की संभावना

रामनगर, एजेंसी। रामनगर स्थित प्रसिद्ध गर्जिया देवी मंदिर में श्रद्धालुओं के लिए जल्द ही दर्शन शुरू हो सकते हैं. सिंचाई विभाग, रामनगर के अधिशासी अभियंता अजय कुमार जॉन ने बताया है कि मंदिर के मुख्य टीले की सुरक्षा के लिए बंद किए गए कार्य को फिलहाल वर्षाकाल के कारण आगे नहीं बढ़ाया जा सकता. ऐसे में 5 जुलाई 2026 से मंदिर को श्रद्धालुओं के दर्शनार्थ खोले जाने की संभावना जताई गई है. अधिशासी अभियंता ने बताया कि इसको लेकर हमारे द्वारा एक पत्र उपजिलाधिकारी रामनगर गोपाल सिंह चौहान को लिखा गया है. रामनगर के विश्व प्रसिद्ध गर्जिया देवी मंदिर में दर्शन के इंतजार में बैठे लाखों श्रद्धालुओं के लिए राहत भरी खबर सामने आई है. सिंचाई विभाग रामनगर के सिंचाई अभियंता अजय कुमार जॉन ने बताया कि मंदिर को

आगामी 5 जुलाई से श्रद्धालुओं के लिए खोला जा सकता है. दरअसल मंदिर के मुख्य टीले की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए सिंचाई विभाग द्वारा सुरक्षा संबंधी कार्य किए जाने थे, इसी कारण मंदिर को 30 जून 2026 तक आम श्रद्धालुओं के लिए बंद रखा गया था, विभाग का उद्देश्य मंदिर परिसर और मुख्य टीले को सुरक्षित बनाना था. ताकि भविष्य में किसी भी प्रकार की दुर्घटना की आशंका न रहे. हालांकि अब मानसून और लगातार हो रही बारिश के चलते सुरक्षा कार्यों को आगे बढ़ाना संभव नहीं हो पा रहा है. सिंचाई विभाग के अधिशासी अभियंता ने बताया कि आगामी 5 जुलाई से श्रद्धालुओं के लिए खोल दिए जाएंगे और लोग एक बार फिर मां गर्जिया देवी के दर्शन कर सकेंगे. फिलहाल अंतिम निर्णय प्रशासन द्वारा लिया जाना बाकी है लेकिन सिंचाई विभाग की इस संसुति के बाद मंदिर खुलने की संभावना काफी समझे तो आगामी 5 जुलाई 2026 से

गर्जिया देवी मंदिर को श्रद्धालुओं के दर्शन के लिए खोला जा सकता है. विभाग ने इस संबंध में आवश्यक निर्णय लेने और आगे की कार्रवाई करने का अनुरोध भी किया है. गौरतलब है कि गर्जिया देवी मंदिर उत्तराखंड के प्रमुख धार्मिक स्थलों में से एक है जहां प्रतिदिन बड़ी संख्या में श्रद्धालु दर्शन के लिए पहुंचते हैं. मंदिर बंद होने के कारण श्रद्धालुओं को निराशा का सामना करना पड़ रहा था. अब विभाग उम्मीद जताई जा रही है कि प्रशासन की अंतिम अनुमति मिलते ही मंदिर के कपाट श्रद्धालुओं के लिए खोल दिए जाएंगे और लोग एक बार फिर मां गर्जिया देवी के दर्शन कर सकेंगे. फिलहाल अंतिम निर्णय प्रशासन द्वारा लिया जाना बाकी है लेकिन सिंचाई विभाग की इस संसुति के बाद मंदिर खुलने की संभावना काफी प्रबल मानी जा रही है. साल 2010 की

बाढ़ के बाद से ही गर्जिया मंदिर के टीले में दरारें आनी शुरू हो गई थीं, जो समय के साथ बढ़ती चली गई. इससे मंदिर की संरचना को खतरा पैदा हो गया था. इसके बाद सिंचाई विभाग द्वारा लगातार मरम्मत के प्रस्ताव भेजे गए और मई 2024 में पहले चरण का कार्य पूरा किया गया. फिलहाल दूसरे चरण का कार्य जारी है,जिसको लेकर फरवरी में भी कुछ दिनों के लिए मंदिर को बंद किया गया था. वहीं 10 मार्च से 30 अप्रैल तक पूर्ण रूप से बंद रखने के आदेश दिए गए थे, फिर इस अवधि को बढ़ाते हुए 30 जून तक बंद करने के निर्देश थे,लेकिन कार्य अभी हाई फ्लट ड लेवल (1888) तक नहीं पहुंच पाया है. बता दें कि गर्जिया मंदिर टीले के सुरक्षात्मक कार्य के लिए 12 करोड़ से टीले को नई जिंदगी मिल रही है. वहीं अब मानसून के बाद अक्टूबर में पुनः कार्य शुरू किया जाएगा.

झबरेड़ा, एजेंसी। बेहडेकी सैदाबाद गांव में कृष्को - कृष्क भारती को-ऑपरेटिव लिमिटेड ने सहकारिता सप्ताह के तहत पौधे वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम में पहुंचे सभी किसानों को छायादार पौधे निशुल्क वितरित किए गए। बृहस्पतिवार को कृष्को ने अंगीकृत ग्राम बेहडेकी सैदाबाद में भारत सरकार के सहकारिता मंत्रालय के 5 वर्ष पूर्ण होने पर सहकारिता सप्ताह के अंतर्गत पौधे वितरण एवं पौध रोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान कार्यक्रम के मुख्य अतिथि दजधारी राज्य मंत्री देशराज चंद्रवाल ने कहा कि पौध रोपण करने से वातावरण संतुलित रहता है। इसलिए हर नागरिक को एक पेड़ जरूर लगाना चाहिए। उन्होंने कहा कि पौधरोपण के साथ साथ रोपे गए पौधों की देखरेख उससे भी जरूरी है। बारिश का मौसम रोपाई का सही समय है। क्योंकि बरसात के दिनों में लगाए गए पौधे हरे भरे बने रहते हैं। उन्होंने किसानों एवं ग्रामीणों को फलदार पौधे वितरित किए और छायादार पौधे भी लगाए। कृष्को के राज्य विपणन प्रबंधक जबर सिंह ने किसानों को सहकारिता विभाग की जानकारी दी। उन्होंने किसानों को पर्यावरण को बचाने के लिए वृक्षों का महत्व भी बताया। कृष्को के फील्ड ऑफिसर अभिषेक पवार ने सहकारी विभाग व कृष्को के बारे में किसानों को जानकारी दी। इस मौके पर मनु दत्त त्यागी, विनय त्यागी, मोहन, दुष्यंत जगपाल, मनोज,शेखर, बांबी व आदेश आदि किसान मौजूद रहे।

गोवा का हेल्थ सिस्टम ध्वस्त, पंजाब से सीख लेकर 10 लाख का हेल्थ इंश्योरेंस दें सीएम- केजरीवाल

●पैनलड प्राइवेट अस्पतालों का मुग़तान 15 दिनों में करें, ताकि वे मरीजों के इलाज़ से इन्कार न करें- केजरीवाल

नई दिल्ली, प्रातः किरण संवाददाता

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने पंजाब सरकार से सीख लेकर गोवा के मुख्यमंत्री को भी अपने राज्य के लोगों को 10 लाख रुपए का हेल्थ इंश्योरेंस देने की मांग की है। उन्होंने कहा कि पंजाब में आम आदमी पार्टी की सरकार बिना शर्त हर परिवार को 10 लाख का हेल्थ इंश्योरेंस दे रही है। उसी तरह गोवा के हर परिवार को भी दिया जाए और सारी बीमारियों को कवर किया जाए। साथ ही, पंजाब की तरह गोवा में पैनलड प्राइवेट अस्पतालों



का भुगतान 15 दिनों में करें, ताकि अस्पताल मरीजों के इलाज से इन्कार न करें। उन्होंने कहा कि मंत्रियों और अमीरों की तरह गोवा का सबसे गरीब व्यक्ति भी अच्छे से अच्छे अस्पताल में इलाज कराने का हकदार है और यही आदर्श स्थिति है। अरविंद केजरीवाल ने गोवा के जर्जर स्वास्थ्य मॉडल को सामने रखते हुए कहा कि गोवा का पूरा हेल्थ सिस्टम ध्वस्त हो चुका है। हालात ये हैं कि गोवा का एकमात्र

सुपर स्पेशलिटी अस्पताल में भारी भीड़ है और बिना सिफारिश के बेड नहीं मिलते हैं। जबकि साउथ गोवा जिला अस्पताल में 193 पद खाली हैं, तो पोंडा के आईडी अस्पताल में मेडिकल उपकरण नहीं तक नहीं हैं। सरकार ने डीडीएसएसवाई योजना जरूर चलाई, लेकिन इससे गोवावासियों का मोह भंग हो चुका है। कुल 2.91 लाख परिवारों के कार्ड बने थे, लेकिन इसमें से 1.81 लाख

परिवारों ने कार्ड का इस्तेमाल बंद कर दिया है। आज 90 फीसद लोग गंभीर बीमारी होने पर प्राइवेट अस्पताल का खर्च नहीं उठा सकते। आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने कहा कि गोवा की स्वास्थ्य व्यवस्था पूरी तरह से ध्वस्त हो गई है। गोवा में दो तरह की स्वास्थ्य सेवाएं हैं। पहली, एक प्राइवेट और दूसरी सरकारी। अगर कोई गंभीर बीमारी हो जाए, तो लगभग 90 फीसद गोवा सरकारी स्वास्थ्य सेवाओं पर निर्भर करता है। प्राइवेट स्वास्थ्य सेवाएं इतनी ज्यादा जिला अस्पताल में 193 पद खाली हैं, तो पोंडा के आईडी अस्पताल में मेडिकल उपकरण नहीं तक नहीं हैं। सरकार ने डीडीएसएसवाई योजना जरूर चलाई, लेकिन इससे गोवावासियों का मोह भंग हो चुका है। कुल 2.91 लाख परिवारों के कार्ड बने थे, लेकिन इसमें से 1.81 लाख

की हिम्मत नहीं कर सकता। अगर हम मान लें कि गोवा की आबादी 18 लाख है, तो लगभग 16 लाख लोग सरकारी स्वास्थ्य सेवाओं पर निर्भर हैं और केवल 2 लाख लोग ही प्राइवेट अस्पतालों का खर्च उठा सकते हैं और शायद 2 लाख भी बहुत बड़ा आंकड़ा है। अरविंद केजरीवाल ने आगे कहा कि प्राइवेट अस्पताल बहुत सारे हैं, लेकिन सरकारी क्षेत्र में केवल एक सुपर स्पेशलिटी अस्पताल जीएमसी है। जीएमसी की हालत बहुत खराब है, वहां जरूरत से ज्यादा भीड़ होती है। अगर वहां बेड चाहिए, तो किसी की सिफारिश लगानी पड़ती है। डॉक्टर के पास जाओ तो वे दवाइयां लिख देते हैं, जिन्हें बाहर से खरीदना पड़ता है। दवाइयां महंगी होने के कारण ज्यादातर लोग उन्हें खरीद नहीं पाते। जीएमसी के बारे में जितना कम कहा जाए, उतना ही बेहतर है।

सिस्टम ने नहीं, भाजपा सरकार ने किया 650 करोड़ का दवा घोटाला- सौरभ भारद्वाज

●पिछले साल तत्कालीन डीजीएचएस डॉ. वंदना बग्गा ने आउटसोर्स लैब टेस्ट के टेडर में बड़ी खानियां उजागर की थीं- सौरभ भारद्वाज

नई दिल्ली, प्रातः किरण संवाददाता

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी ने दिल्ली में हुए 650 करोड़ रुपए के दवा घोटाले का क्रोनोलॉजी समझाते हुए साफ कर दिया है कि यह घोटाला सरकारी सिस्टम में नहीं, बल्कि भाजपा की रेखा गुप्ता सरकार ने जानबूझ कर की है। लेकिन मामला जनता के बीच आ गया तो अब सरकार सारा दोष सिस्टम पर डालने की कोशिश कर रही है। उन्होंने कहा कि पिछले साल तत्कालीन डीजीएचएस डॉ. वंदना बग्गा ने आउटसोर्स लैब टेस्ट के टेडर में बड़ी खानियां उजागर की थीं। यह टेडर सभी सरकारी अस्पतालों डिस्पेंसरियों और क्लीनिकों को सेवा प्रदान करता है। उन्होंने फाइल पर लिखा था कि टेडर को किसी विशेष



कर दिया तो उन्हें सस्पेंड कर दिया गया। इसके बाद डीजीएचएस डॉ. रति मक्कड़ पर दबाव डाला गया तो उन्होंने स्वेच्छिक सेवा निवृत्ति ले ली। फिर डॉ. वत्सला अग्रवाल डीजीएचएस बनीं और सरकार का 650 करोड़ का घोटाला सामने आ गया। शनिवार को आप के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने एक्स पर कहा कि साल 2025 में तत्कालीन डीजीएचएस डॉ. वंदना बग्गा ने आउटसोर्स लैब टेस्ट के टेडर में बड़ी खानियां उजागर की थीं। यह टेडर सभी सरकारी अस्पतालों डिस्पेंसरियों और क्लीनिकों को सेवा प्रदान करता है। उन्होंने फाइल पर लिखा था कि टेडर को किसी विशेष

वेंडर को फायदा पहुंचाने के लिए तैयार किया गया है। सौरभ भारद्वाज ने बताया कि तत्कालीन स्वास्थ्य सचिव डॉ. एसबी दीपक कुमार और विशेष सचिव दानिश ने उन पर इस टेडर को मंजूरी देने का दबाव डाला था। उन्होंने इस फर्जी टेडर को मंजूरी देने से इनकार कर दिया। इसके बाद तत्कालीन एलजी विनय सक्सेना ने उन्हें निलंबित कर दिया था। इससे बाद डॉ. रति मक्कड़ डीजीएचएस बनकर आईं। उन पर भी फर्जी टेडरों पर हस्ताक्षर करने और उन्हें मंजूरी देने का दबाव डाला गया। उन्होंने भी मंजूरी देने से मना कर दिया और इस दबाव से बचने के लिए स्वेच्छिक सेवानिवृत्ति ले ली। सौरभ भारद्वाज ने आगे बताया कि फिर मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता और एलजी ने डॉ. वत्सला अग्रवाल को डीजीएचएस के पद पर तैनात किया। और ठीक इसके बाद 650 करोड़ रुपए का स्वास्थ्य और दवा घोटाला सामने आया।

संक्षिप्त खबरें

अवैध कब्जों पर सख्ती, राजधानी के विकास का नया खाका तैयार

नई दिल्ली। राजधानी में अवैध कब्जों और अनधिकृत निर्माण के विरुद्ध अब और कठोर कार्रवाई की तैयारी की जा रही है। उपराज्यपाल तरनजीत सिंह संघु ने दिल्ली विकास प्राधिकरण की सलाहकार परिषद की बैठक में अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि अवैध कब्जों और अनधिकृत निर्माण के मामलों में किसी भी प्रकार की ढिलाई न बरती जाए तथा इनके विरुद्ध शुल्क सहनशीलता की नीति अपनाते हुए तत्काल कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। साथ ही आधुनिक तकनीक आधारित निर्णायकी व्यवस्था विकसित करने पर भी बल दिया गया, जिससे ऐसे मामलों की समय रहते पहचान कर प्रभावी कार्रवाई की जा सके। बैठक में राजधानी के भागी विकास की रूपरेखा, नागरिक सुविधाओं के विस्तार, शहरी नियोजन तथा आधारभूत ढांचे की अधिक सुदृढ़ बनाने पर विस्तृत विचार-विमर्श किया गया। तरनजीत सिंह संघु ने कहा कि दिल्ली का विकास समावेशी, टिकाऊ और भविष्य की आवश्यकताओं के अनुरूप होना चाहिए। उन्होंने कहा कि बदलती शहरी चुनौतियों का समाधान पारदर्शी व्यवस्था, आधुनिक तकनीक और विभिन्न विभागों के समन्वित प्रयासों से ही संभव है। बैठक के दौरान राजधानी की प्रमुख समस्याओं में आवास की कमी, अनधिकृत कॉलोनियां, झुग्गी-बस्तियां, यातायात-जाम, प्रदूषण तथा जल उपलब्धता को प्राथमिकता वाले विषयों के रूप में चिन्हित किया गया।

हर्ष फायरिंग मामले में भाजपा विधायक

राजू कुमार सिंह को 4 वर्ष की सजा

नई दिल्ली। दिल्ली की राउज एब्नेन्स अदालत ने वर्ष 2018 के हर्ष फायरिंग प्रकरण में बिहार के साहेबगंज से भारतीय जनता पार्टी के विधायक राजू कुमार सिंह को 4 वर्ष के कारावास की सजा सुनाई है। अदालत ने उन्हें गैर-इरादतन हत्या और शस्त्र अधिनियम से जुड़े अपराधों का दोषी ठहराते हुए पीड़ित परिवार को 25 लाख रुपये का मुआवजा देने का भी आदेश दिया। सजा 2 वर्ष से अधिक होने के कारण जनप्रतिनिधित्व अधिनियम के प्रावधानों के तहत उनकी विधायकी भी समाप्त हो गई है। अदालत के अनुसार यह घटना 31 दिसंबर 2018 और 1 जनवरी 2019 की मध्यरात्रि आयोजित नववर्ष समारोह के दौरान हुई थी। समारोह में की गई हर्ष फायरिंग के दौरान चली गोली से चिकित्सक डॉ. अर्चना गुप्ता की मृत्यु हो गई थी। मामले की सुनवाई के बाद अदालत ने राजू कुमार सिंह को गैर-इरादतन हत्या का दोषी माना। निर्णय सुनाते हुए अदालत ने कहा कि हर्ष फायरिंग देश में एक गंभीर सामाजिक समस्या बन चुकी है और इस प्रकार की लापरवाही निर्दोष लोगों का जान ले रही है।

सहकार से समृद्धि सहकारिता सप्ताह 2026 के अंतर्गत वृक्षारोपण अभियान का शुभारंभ



●ग्राम धूलसीरस, सेक्टर-24, द्वारका से रविन्द्र इन्द्राज सिंह ने किया अभियान का शुभारंभ

नई दिल्ली, प्रातः किरण संवाददाता

नई दिल्ली। सहकार से समृद्धि सहकारिता सप्ताह 2026 के अंतर्गत दिल्ली सरकार के समाज कल्याण एवं सहकारिता मंत्री रविन्द्र इन्द्राज सिंह ने ग्राम धूलसीरस, सेक्टर-24, द्वारका में आयोजित वृक्षारोपण अभियान का शुभारंभ किया। यह अभियान सहकारिता

विभाग द्वारा पर्यावरण संरक्षण, हरित आवरण (ग्रीन कवर) बढ़ाने तथा सामुदायिक सहभागिता को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से आयोजित किया गया। इस अवसर पर वार्ड द्वारका-सी की निगम पार्षद सुनीता रामनिवास फलवान सहित बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक, सहकारी संस्थाओं के प्रतिनिधि एवं विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे। इस अवसर पर सहकारिता मंत्री रविन्द्र इन्द्राज सिंह ने कहा कि वृक्षारोपण केवल पौधे लगाने का कार्यक्रम नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ, हरित और स्वस्थ वातावरण प्रदान करने का

संकल्प है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक नागरिक यदि पर्यावरण संरक्षण को अपना दायित्व मानते हुए एक पौधा लगाए और उसकी देखभाल करे, तो दिल्ली को अधिक हरित एवं प्रदूषण-मुक्त बनाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि सहकार से समृद्धि सहकारिता सप्ताह 2026 के अंतर्गत दिल्ली के विभिन्न क्षेत्रों में लगभग 10,000 पौधे लगाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। नरेला, द्वारका, रोहिणी सहित विभिन्न क्षेत्रों तथा वन विभाग द्वारा चिन्हित अन्य स्थानों पर भी इस अभियान के तहत पौधारोपण किया जाएगा। इस अभियान में अपनी संस्थाओं, स्थानीय नागरिकों, स्वयंसेवी संगठनों एवं विभागीय अधिकारियों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की जा रही है। मंत्री ने कहा कि दिल्ली सरकार ने इस वर्ष राजधानी में 70 लाख से अधिक पौधे लगाने का लक्ष्य निर्धारित किया है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि जनभागीदारी और विभिन्न विभागों के समन्वित प्रयासों से दिल्ली के हरित आवरण में उल्लेखनीय वृद्धि होगी तथा पर्यावरण संरक्षण को नई मजबूती मिलेगी।

बीसीटी वेंचर्स भारत के पहले एआई-नेटिव कंज्यूमर ब्रांड्स प्लेटफॉर्म के रूप में लॉन्च

नई दिल्ली, प्रातः किरण मनोज जैन



बीसीटी वेंचर्स, जो इनसाइट्स संग्रह, उत्पाद विकास और गो-टू-मार्केट तक पूरी वैल्यू चेन में एआई-नेटिव दृष्टिकोण अपनाने वाला एक कंज्यूमर ब्रांड्स प्लेटफॉर्म है, ने आज अपने आधिकारिक लॉन्च और 3-वन-4 कैपिटल के नेतृत्व में 42करोड़ के सीड निवेश की घोषणा की। कंपनी न्यूट्रिशन और वेलनेस क्षेत्र से शुरूआत करेगी और अपने तीन स्वाभिव्य वाले एआई इंजन-न्यूक्लियस, रेजेनेंस और मेरिटियन-की मदद से प्रोटोकॉल-आधारित उत्पादों, प्रैक्टिशनर-केन्द्रित

ऑडियंस और एआई-संचालित ग्रोथ सिस्टम्स के आधार पर स्केलेबल और लाभदायक ब्रांड्स का निर्माण करेगी। समय के साथ, कंपनी इसी ऑपरेटिंग मॉडल को अन्य कम-सेवा प्राप्त उपभोक्ता श्रेणियों में भी लागू करेगी, जहाँ विश्वसनीय शिक्षा, उत्पाद विशेषज्ञता और दोहराए जा सकने वाले प्रोद्योग्रेसट्रकर के माध्यम से श्रेणी-नेता ब्रांड्स बनाए जा सकते हैं। भारत का न्यूट्रिशन और वेलनेस सेवा प्राप्त उपभोक्ता श्रेणियों में भी

और बढ़ रहा है, जहाँ शहरी उपभोक्ता सामान्य एसकेयू-आधारित उत्पादों से हटकर प्रैक्टिशनर-समर्थित और प्रोटोकॉल-आधारित समाधानों को अपना रहे हैं। बीसीटी वेंचर्स इसी कम विकसित श्रेणी से शुरूआत करेगा, जहाँ उपभोक्ता दीर्घायु, रोकथाम और बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रीमियम भुगतान करने को तैयार हैं। कंपनी की स्थापना कश्यप वडापल्ली, के.वी. रविशेखर और अनुभव सोनयालिया ने की है। यह टीम उपभोक्ता ब्रांड निर्माण, डिजिटल ग्रोथ, ऑडियंस स्केलिंग, एम एंड ए अनुभव और सफल वेंचर एग्जिट जैसी विशेषज्ञताओं को साथ लाती है।

प्राकृतिक आपदाओं से मिलेगा त्वरित वित्तीय संरक्षण

नई दिल्ली, प्रातः किरण संवाददाता



नई दिल्ली। जलवायु परिवर्तन के बढ़ते प्रभाव और प्राकृतिक आपदाओं से होने वाले आर्थिक नुकसान को देखते हुए सार्वजनिक क्षेत्र की प्रमुख बीमा कंपनी ओरिएंटल इश्योरेंस कंपनी लिमिटेड ने सर्वत्र सुरक्षा नामक एक अभिनव पैरामीट्रिक बीमा पॉलिसी लॉन्च की है। यह पॉलिसी रिटेल और कमर्शियल दोनों वर्गों के ग्राहकों को प्राकृतिक आपदाओं तथा मौसम संबंधी जोखिमों से त्वरित वित्तीय सुरक्षा प्रदान करने के उद्देश्य से

तैयार की गई है। कंपनी के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक (सीएमडी) संजय जोशी ने बताया कि बदलते मौसमीय परिदृश्य और प्राकृतिक आपदाओं की बढ़ती घटनाओं के बीच ग्राहकों को ऐसी बीमा सुरक्षा की आवश्यकता

है, जो पारंपरिक बीमा की तुलना में अधिक तेज, पारदर्शी और प्रभावी है। इसी सोच के साथ सर्वत्र सुरक्षा पैरामीट्रिक पॉलिसी को विकसित किया गया है। यह योजना ग्राहकों को संकट की घड़ी में तत्काल वित्तीय सहायता उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। पारंपरिक बीमा योजनाओं में नुकसान का आकलन करने और क्लेम का निपटान करने में काफी समय लग सकता है, जबकि सर्वत्र सुरक्षा में भुगतान पूर्व निर्धारित मौसमीय या आपदा संबंधी संकेतकों के आधार पर स्वतः ट्रिगर हो जाता है। इससे ग्राहकों

को राहत राशि प्राप्त करने के लिए लंबी प्रक्रिया का इंतजार नहीं करना पड़ता। पैरामीट्रिक बीमा पारंपरिक बीमा मॉडल से अलग एक आधुनिक और तकनीक आधारित व्यवस्था है। इसमें वास्तविक नुकसान का सर्वेक्षण या मूल्यांकन करने के बजाय पहले से तय किए गए मापनीय संकेतकों (इंडेक्स) को आधार बनाया जाता है। उदाहरण के तौर पर यदि किसी क्षेत्र में वर्षा, तापमान, हवा की गति या अन्य मौसम संबंधी मानक तय सीमा से ऊपर या नीचे चले जाते हैं तो बीमा भुगतान स्वतः सक्रिय हो जाता है।

बुराड़ी के होनहार छात्र दक्ष घवाना को दैनिक जागरण प्रतिभा सम्मान-2026 से किया गया सम्मानित



नई दिल्ली, प्रातः किरण संवाददाता

नई दिल्ली। बुराड़ी, दिल्ली के निवासी दक्ष घवाना ने वर्ष 2026 की कक्षा 12वीं की परीक्षा में 91% अंक प्राप्त कर अपने परिवार, विद्यालय एवं क्षेत्र का नाम गौरवान्वित किया है। दक्ष ने रोजरी स्कूल, निरंकारी कॉलोनी,

दिल्ली में आयोजित किया गया, जहाँ सुश्री आयुषी, IAS ने दक्ष घवाना को प्रशस्ति-पत्र एवं सम्मान प्रदान कर उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर उपस्थित गणमान्य अतिथियों ने विद्यार्थियों को जीवन में निरंतर परिश्रम, अनुशासन एवं उत्कृष्टता की ओर अग्रसर रहने का संदेश दिया। दक्ष घवाना की इस उपलब्धि से बुराड़ी क्षेत्र में हर्ष एवं गर्व का वातावरण है। उनके इस उत्कृष्ट प्रदर्शन ने अन्य विद्यार्थियों को भी शिक्षा के क्षेत्र में बेहतर प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित किया है। दक्ष घवाना ने अपनी सफलता का श्रेय अपने माता-पिता, शिक्षकों एवं विद्यालय के सहयोगपूर्ण वातावरण को दिया। उनके इस सम्मान पर परिवार, विद्यालय एवं क्षेत्रवासियों ने उन्हें बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

नई दिल्ली, प्रातः किरण मनोज जैन



उद्देश्य बालक का चरित्र निर्माण होना ही चाहिए ताकि वह जीवन संघर्ष की आंच में तपकर समाजसेवा की ओर अग्रसर

दिल्ली सिविल डिफेंस के पूर्व बस मार्शलों ने किया विधानसभा

अध्यक्ष के निजी आवास का घेराव

पूर्वोत्तर रेलवे

भारत के राष्ट्रपति की ओर से वरिष्ठ मण्डल यात्रिक इंजीनियर/इंफ्रान्फ्रम. फ्रेट एवं डीएम/लॉन्ग, पूर्वोत्तर रेलवे, लखनऊ द्वारा, निम्नलिखित कार्य हेतु सिंगल बिडसिस्टम आधारित खुली ई-निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं।

निविदा सूचना संख्या एवं कार्य का नाम: 02-2026-Mech-FRT-DM, सरलाई, इंदिरावन, इस्तराशन एण्ड कमीशनिंग ऑफ शॉवर स्ट्रेटींग अर्रैजमेंट विद्य शोड एश पर आरडीएसओ ड्राइंग डब्ल्यू.डी.04007-एस-01 (हैंडग्रेडेड विद्य ए वाटर रिसाइकलिंग सिस्टम) ऑन टनकी बेसिस एट आरओएच डिपो गोडा इन्क्लूडिंग मटेरियल सरलाई, अनुमानित लागत (रु० में): ₹ 34,81,000/- अग्रिम धनराशि (रु० में): ₹ 69,600/-, निविदा की अवधि - 08 महीना।

निविदा प्रपत्र अपलोड करने की अंतिम तिथि एवं समय 27.07.2026, 15.00 बजे तक एवं यह ई-निविदा दिनांक 27.07.2026 को 15.00 बजे के बाद खोली जायेगी। इस ई-निविदा से सम्बंधित विस्तृत जानकारी, न्यूनतम अर्हताएं तथा नियम एवं शर्तें, पूर्वोत्तर रेलवे की वेबसाइट www.reps.gov.in पर उपलब्ध है। निविदाकार ई-निविदा प्रपत्र को अपलोड करने से पूर्व इस ई-निविदा सूचना से सम्बंधित शुद्धि पत्र (यदि कोई हो) की वेबसाइट पर सज्ञान में लेना सुनिश्चित करें।

वरिष्ठ मण्डल यात्रिक इंजीनियर/इंफ्रान्फ्रम, फ्रेट एवं डीएम/लॉन्ग, मुजफ्फर/यात्रिक-49 लखनऊ

गाहियों की फर्कों व पावदान पर कदापि यात्रा न करें।

नई दिल्ली। दिल्ली सिविल डिफेंस के पूर्व बस मार्शलों के सब्र का बांध अब टूटने लगा। सरकार और राजनीतिक दलों के दिए गए महज 60 दिनों में पक्की नौकरी के भरोसे को बीते जब लगभग डेढ़ वर्ष से अधिक हो गए तो न्याय की आस छोड़ चुके सैकड़ों दिल्ली सिविल डिफेंस के पूर्व बस मार्शलों ने शनिवार को दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष विजेन्द्र गुप्ता के निजी आवास का घेराव किया। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि अब यह लड़ाई सिर्फ रोजगार की नहीं, बल्कि उनके आत्मसम्मान की है। प्रदर्शन में मुकेश पाल सिंह, नरेंद्र कुमार राय, विनोद कुमार पाल, आदित्य, रूबी, उर्मिला, कुप्रांशकर, पारस ठाकुर राजीव लाकड़ा, शिवम मोर्य, रोहित डीलर सहित बड़ी संख्या में महिला व पुरुष बस मार्शल मौजूद रहे।

मानेसर में खाली प्लॉट में कचरा फेंकने पर लगोगा जुमाना

नगर निगम आयुक्त ने दिए निर्देश, खुले में फूड़ा फेंकने वालों पर भी होगी कार्रवाई

प्रातः किरण संवाददाता

गुरुग्राम । जिले में नगर निगम मानेसर के संयुक्त आयुक्त पुनीत कुमार ने सफाई व्यवस्था में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं करने की चेतावनी दी है। उन्होंने कहा कि सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग करने वालों, खुले में कूड़ा फेंकने वालों और खाली प्लॉटों में कचरा डालने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। शनिवार को सफाई विंग के अधिकारियों और कर्मचारियों की बैठक में संयुक्त आयुक्त ने यह निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि यदि किसी खाली प्लॉट में कचरा पाया जाता है, तो संबंधित भू-स्वामी को नोटिस जारी कर नियमानुसार जुमाना लगाया जाए। सार्वजनिक स्थानों पर कूड़ा फेंकने वालों के साथ-

फरीदाबाद कोर्ट के पास वकीलों की बिल्डिंग में लगी आग

शॉर्ट सर्किट की आशंका, एसी में धमाके के बाद भड़की, दस्तावेज-रिकॉर्ड जला

प्रातः किरण संवाददाता

फरीदाबाद । के सेक्टर-12 स्थित जिला कोर्ट के पास बनी वकीलों की बिल्डिंग में शुक्रवार दोपहर अचानक आग लगने से अफरा-तफरी मच गई। आग बिल्डिंग की 5वीं मंजिल पर बने चेंबर नंबर 552 में लगी। शुरूआती जानकारी के अनुसार आग बिजली के तारों में हुए शॉर्ट सर्किट से शुरू हुई। तारों के पास टेबल पर रखी कागजी फाइलों में पहले आग लगी और फिर धीरे-धीरे पूरे चेंबर में फैल गई। चेंबर में बड़ी संख्या में फाइलें, कानून की किताबें और अन्य सामान रखा हुआ था, इसलिए आग तेजी से भड़क गई। आग की लपटें कुछ ही देर में पूरे चेंबर में फैल गई और वहां लगे विंडो एसी तक पहुंच गईं। एसी में आग लगने के बाद उसमें तेज धमाका हुआ, जिससे आग और ज्यादा फैल गई। आग की

मंत्री का केक काटने को लेकर पार्षद-प्रतिनिधि भिड़े

रेवाड़ी में आगे खड़े होने पर

धक्का-मुक्की हुई, दूसरे

पार्षदों ने बीच बचाव किया

रेवाड़ी। हरियाणा के रेवाड़ी में स्वास्थ्य मंत्री आरती राव के जन्मदिन पर केक कटिंग समारोह से पहले जिला पार्षद और एक प्रतिनिधि के बीच विवाद हो गया। शुक्रवार को जिला परिषद की बैठक 6.30 करोड़ रुपए की ग्रांट के वितरण के लिए बुलाई गई थी। बैठक खत्म होने के बाद मंत्री को जन्मदिन मनाने के लिए केक काटा जाना था। बताया जा रहा है कि आगे आकर खड़े होने को लेकर कहासुनी शुरू हुई, जो देखते ही देखते विवाद में बदल गई। स्थिति बिगड़ती देख अन्य पार्षदों ने बीच-बचाव कर दोनों पक्षों को तब तक फाने का प्रयास किया। इस पूरी घटना का वीडियो शनिवार को सामने आया। शुक्रवार को ढहऊरेस्ट हाउस में जिला परिषद की बैठक हुई, जिसमें जिला परिषद चेयरमैन मनोज यादव, वाइस चेयरपर्सन नीलम रायपुर, उनके पति अनिल रायपुर, मनीष जीवन हितेशी, सुरेंद्र मांडिया, पार्षद और नरेश यादव समेत अन्य सदस्य मौजूद थे। बैठक के बाद वेटिंग हॉल में स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव के जन्मदिन पर केक कटिंग का कार्यक्रम रखा गया था। इसी दौरान ग्रांट के वितरण को लेकर कुछ पार्षदों की चेयरमैन से बहस हो गई। विवाद बढ़ने पर कुछ पार्षद वेटिंग हॉल छोड़कर बाहर निकल गए। पार्षद मनीमरा और सुरेंद्र मांडिया बाहर से अपने घर चले गए। इसके बाद अन्य लोग दोबारा केक कटिंग कार्यक्रम में शामिल होने के लिए वेटिंग हॉल पहुंच गए। आरोप है कि इसी दौरान पार्षद प्रतिनिधि भूपेंद्र खोला भी वहां

फरीदाबाद में आज से MATET-2026 परीक्षा

14 केंद्रों पर कई सुरक्षा इंतजाम, फोटोस्टेट दुकानें और कोपिंग सेंटर रहेंगे बंद

प्रातः किरण संवाददाता

फरीदाबाद । में आज से 14 सेंटरों पर हरियाणा अध्यापक पात्रता परीक्षा (एचएट)-2026 आयोजित किया जा रही है। शनिवार दोपहर 3 बजे से शाम 5:30 बजे तक पीजीटी (लेवल-3) की परीक्षा होगी। हई 5 जुलाई को सुबह 10 बजे से 12:30 बजे तक टीजीटी (लेवल-2) और दोपहर 3 बजे से शाम 5:30 बजे तक पीआरटी (लेवल-1) की परीक्षा आयोजित की जाएगी। फरीदाबाद शहर के अलग-अलग हिस्सों में परीक्षा के लिए 14 सेंटर बनाए गए हैं। जिसमें सूरजकुंड इंटरनेशनल स्कूल, सेक्टर-39, दयालबाग, डीएवी सेंटनरी कॉलेज,



साथ कचरा ढोने में इस्तेमाल होने वाले वाहनों को भी जब्त करने के आदेश दिए गए। पुनीत कुमार ने अधिकारियों और कर्मचारियों से नगर निगम क्षेत्र को स्वच्छ और सुंदर बनाए रखने के लिए पूरी जिम्मेदारी से कार्य करने को कहा। उन्होंने यह भी सुनिश्चित करने को कहा

कि सभी सहायक सफाई निरीक्षकों के पास सिंगल यूज प्लास्टिक के खिलाफ चालान करने के लिए पीओएस मशीन उपलब्ध हो। प्रतिबंधित प्लास्टिक के उपयोग पर नियमित अभियान चलाकर कार्रवाई की जाए। बैठक के दौरान, संयुक्त आयुक्त ने सभी सफाई निरीक्षकों को

को अपने-अपने क्षेत्रों में अवैध रूप से संचालित सब्जी मंडियों की सूची तैयार करने के निर्देश दिए। उन्होंने बताया कि निगम जल्द ही एक विशेष अभियान चलाकर ऐसी अवैध मंडियों के खिलाफ कार्रवाई करेगा। इसके अतिरिक्त, उन्होंने सफाई निरीक्षकों को

गुरुग्राम नगर निगम के चार कर्मचारी बर्खास्त

अवकाश गलत इस्तेमाल किया, जीपीएस स्पूफिंग तकनीक का दुरुपयोग, अफसरों को भेजे फॉटो

प्रातः किरण संवाददाता

गुरुग्राम। नगर निगम ने तकनीकी धोखाधड़ी और नियमों के उल्लंघन के आरोप में चार अनुबंधित कर्मचारियों की सेवाएं तत्काल प्रभाव से समाप्त कर दी हैं। ये कर्मचारी हरियाणा कौशल रोजगार निगम (HKRN) के माध्यम से कार्यरत थे। निगम प्रशासन ने इस मामले में सख्त रुख अपनाया है। निगम कमिश्नर प्रदीप दहिया ने बताया कि बर्खास्त किए गए कर्मचारियों में से दो स्वच्छता शाखा (सेनिटेशन ब्रांच) से और दो संपत्ति कर शाखा (प्रॉपर्टी टैक्स ब्रांच) से हैं। संपत्ति कर शाखा के कर्मचारियों पर स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर (SOP) का पालन न करने और नियमों के उल्लंघन के गंभीर आरोप हैं। तकनीकी हेराफेरी का चौकाने वाला मामला स्वच्छता

एक्टर चंद्रचूड़ की कोटी के बाहर बुलडोजर से कब्जा हटाया

गुरुग्राम में DTP का एक्शन,

अग्निजेता बोले-और कुछ तो नहीं

टूटेगा, अफसरों ने हाथ भी मिलाए

प्रातः किरण संवाददाता

गुरुग्राम । में टाउन प्लानिंग डिपार्टमेंट की ओर से शुक्रवार को पॉशा इलाके डीएलएफ (DLF) में इलीगल कंस्ट्रक्शन के खिलाफ बड़े स्तर पर अभियान शुरू कर दिया है। टीम ने अभियान के पहले ही दिन एरिया में कई इलीगल कंस्ट्रक्शन को ढहाया। इस दौरान अफसरों



का कड़ा रुख देखने को भी मिला, जब प्रसिद्ध फिल्म स्टार रहे चंद्रचूड़ सिंह की कोटी (R20/5) के बाहर भी नियमों के उल्लंघन के चलते

SIR पर कांग्रेस हाई लेवल कमेटी पर बरसे मंत्री गोयल

बोले- पहले जनता को गुमराह करना बंद करे विपक्ष,

फरीदाबाद सेक्टर-10 में कार्यों का शुभारंभ

प्रातः किरण संवाददाता

फरीदाबाद। हरियाणा के कैबिनेट मंत्री विपुल गोयल ने एसआईआर (स्पेशल इंटेसिव रिवीजन) को लेकर कांग्रेस द्वारा हाई लेवल कमेटी गठित किए जाने पर तीखी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार और मुख्यमंत्री लगातार एसआईआर प्रक्रिया को लेकर बैठकें कर रहे हैं, ताकि मतदाता सूची का पुनरीक्षण पूरी पारदर्शिता और सुचारु रूप से संपन्न हो सके। वहीं कांग्रेस इस मुद्दे पर केवल राजनीति करने में लगी हुई है। कांग्रेस के 4 लोग कमेटी बना लेते हैं? फरीदाबाद के सेक्टर-10 में संश्लेषिक ट्रैक, पार्कों के नवीनीकरण और अन्य विकास कार्यों के लोकार्पण कार्यक्रम में पहुंचे विपुल गोयल ने कांग्रेस पर तंज कसते हुए कहा कि हूकग्रिस के चार लोग बैठकर हाई लेवल कमेटी बना लेते हैं, लेकिन जनता के हितों से उनका कोई संरोकार नहीं है।ह् उनहीने कहा कि विपक्ष को बेवजह भ्रम फैलाने के बजाय लोकतांत्रिक प्रक्रिया में सहयोग करना चाहिए। कैबिनेट मंत्री ने प्रदेशवासियों से



अपील करते हुए कहा कि एसआईआर के तहत निर्धारित समय सीमा 15 जुलाई तक अपने फॉर्म अवश्य भर्जें। उन्होंने कहा कि मतदाता सूची में नाम दर्ज कराना प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी है। एक जिम्मेदार नागरिक वही कहलाता है, जो अपने मतदान के अधिकार का उपयोग करने के लिए समय पर अपना नाम मतदाता सूची में दर्ज कराता है। इस अवसर पर विपुल गोयल ने सेक्टर-10 में संश्लेषिक ट्रैक, पार्कों के सौंदर्यीकरण और अन्य विकास कार्यों का लोकार्पण किया। कार्यक्रम के दौरान स्थानीय लोगों ने उनका फूल-मालाओं



शाखा में तकनीकी हेराफेरी के चौकाने वाले मामले सामने आए हैं। बर्खास्त कर्मचारियों में वसीम और सोनू शामिल हैं। वसीम ने सफाई से जुड़ी शिकायतों के निपटारे में गड़बड़ी करते हुए कूड़े की समस्याओं को मौके पर सुलझाने के बजाय, आर्टिफिशियल

फरीदाबाद के सोतई में डंपिंग यार्ड का विरोध

ग्रामीणों की मंत्री राजेश नागर से तत्काल रोकने की मांग; बोले-स्वास्थ्य पर बुरा असर पड़ेगा

प्रातः किरण संवाददाता

फरीदाबाद । बल्लभगढ़ क्षेत्र के सोतई गांव में प्रस्तावित कूड़ा डंपिंग यार्ड को लेकर एक बार फिर ग्रामीणों का विरोध तेज हो गया है। शनिवरा को सोतई सहित आसपास के कई गांवों के लोग एकजुट होकर हरियाणा सरकार में राज्य मंत्री राजेश नागर से मिले और डंपिंग यार्ड के निर्माण को तत्काल रोकने की मांग की। ग्रामीणों ने कहा कि यदि यहां डंपिंग यार्ड बनाया गया तो आसपास के दर्जनों गांवों के लोगों को प्रदूषण, बदबू और स्वास्थ्य संबंधी गंभीर समस्याओं का सामना करना पड़ेगा। ग्रामीणों ने मंत्री को बताया कि करीब पंद्रह पहले भी नगर निगम द्वारा इसी स्थान पर कूड़ा डंपिंग यार्ड बनाने की प्रक्रिया शुरू की गई थी। उस समय ग्रामीणों के लगातार विरोध के बाद सरकार ने मामले का



संज्ञान लेते हुए डंपिंग यार्ड को वहां से हटाने के निर्देश दिए थे। लेकिन अब एक बार फिर उसी स्थान पर निर्माण की तैयारी शुरू कर दी गई है, जिससे ग्रामीणों में भारी नाराजगी है। डंपिंग यार्ड बनने से लोगों को होगी परेशानी ग्रामीणों का कहना है कि डंपिंग यार्ड बनने से क्षेत्र की जलवायु और पर्यावरण बुरी तरह प्रभावित होगा। इसके अलावा भूजल प्रदूषित होने, दुर्गंध फैलने और संक्रामक बीमारियां का खतरा भी बढ़ जाएगा। उन्होंने सरकार से मांग की कि डंपिंग यार्ड को आबादी से दूर किसी उपयुक्त स्थान पर स्थापित किया जाए,

ताकि लोगों के स्वास्थ्य और पर्यावरण पर कोई प्रतिकूल प्रभाव न पड़े। मंत्री बोले- इस बारे में सीएम से बात करेंगे राज्य मंत्री राजेश नागर ने ग्रामीणों को आश्वस्त करते हुए कहा कि उनकी मांग उचित है और सरकार तक उनकी बात पहुंचाई जाएगी। उन्होंने कहा कि वह बनने से क्षेत्र की जलवायु और पर्यावरण बुरी तरह प्रभावित होगा। इसके अलावा भूजल प्रदूषित होने, दुर्गंध फैलने और संक्रामक बीमारियां का खतरा भी बढ़ जाएगा। उन्होंने सरकार से मांग की कि डंपिंग यार्ड को आबादी से दूर किसी उपयुक्त स्थान पर स्थापित किया जाए,

गुरुग्राम में बलेनो ने ग्राफिक डिजाइनर उड़ाया

टक्कर लगते ही सिर खंभे से

टकराया; युवक को रोड पर ही

छेड़ कार लेकर भागे

प्रातः किरण संवाददाता

गुरुग्राम। हरियाणा के गुरुग्राम में एक हाई स्पीड बलेनो कार ने ग्राफिक डिजाइनर को कुचल दिया। इसके बाद आरोपी कार ड्राइवर ग्राफिक डिजाइनर को गाड़ी के पास से दूर हटाकर मौके से फरार हो गया। डिजाइन काफी देर तक मौके पर ही तड़पता रहा। इस घटना का एक वीडियो भी सामने आया है, इसमें ग्राफिक डिजाइनर और एक युवक रोड किनारे खड़े थे। इसी दौरान सामने से एक टेम्पेरी नंबर की गाड़ी ने दोनों को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि ग्राफिक डिजाइनर कई फीट हवा में उछलकर दूर जाकर गिरा। ग्राफिक डिजाइनर की गंभीर हालत में गुरुग्राम के मेडिकेयर हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया है। जहां कब तक उसका इलाज चल रहा है। वहीं दूसरे युवक को इलाज के बाद

पलवल में 20 हजार का इनामी बदमाश

विदेश पिस्टल, हेरोइन और

MDMA ड्रग्स बरामद; गुरुग्राम

एसटीएफ ने की कार्रवाई

प्रातः किरण संवाददाता

गुरुग्राम । स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) की सेंट्रल यूनिट ने पलवल जिले के उटावड़ थाना क्षेत्र से 20 हजार रुपए के इनामी बदमाश धन सिंह उर्फ काजू को गिरफ्तार किया है। आरोपी के पास से हेरोइन, एमडीएमए ड्रग्स, एक मेड इन चाइना पिस्टल और जिंदा कारतूस बरामद किए गए हैं। एसटीएफ गुरुग्राम के जांच अधिकारी संदीप कुमार ने बताया कि उन्हें सूचना मिली थी कि एक बदमाश भारी मात्रा में मादक पदार्थ और अवैध हथियारों के साथ उटावड़ थाना के मलाई गांव के पास मौजूद है। सूचना के आधार पर एसटीएफ ने तुरंत कार्रवाई करते हुए मौके पर दबिश दी और आरोपी धन सिंह उर्फ काजू को दबोच लिया। हेरोइन, एमडीएमए ड्रग्स और अवैध हथियार बरामद तलाशी के दौरान उसके पास से 277 ग्राम हेरोइन, 12 ग्राम एमडीएमए ड्रग्स, एक मेड इन चाइना पिस्टल, दो



मैगजीन और 6 जिंदा कारतूस मिले। आरोपी धन सिंह उर्फ काजू ग्राहम पट्टी, होडल का निवासी है। उसके खिलाफ विभिन्न थानों में हत्या, हत्या के प्रयास, आर्म्स एक्ट और लड़ाई-झगड़े सहित करीब 15 मुकदमे दर्ज हैं। 20 हजार का इनाम घोषित था जांच अधिकारी ने बताया कि जनवरी 2025 में आरोपी के खिलाफ शहर थाना पलवल में बीएनएस और आर्म्स एक्ट की विभिन्न धाराओं के तहत एक मुकदमा दर्ज किया गया था। इस मामले में फरार होने के कारण पुलिस ने उसकी गिरफ्तारी पर 20 हजार रुपए का इनाम घोषित किया था। गिरफ्तारी के बाद आरोपी को जिला पुलिस के हवाले कर दिया गया है। उटावड़ थाना में उसके खिलाफ एनडीपीएस और आर्म्स एक्ट की धाराओं में नया मामला दर्ज किया गया है।

गुरुग्राम में रोड रेज का वीडियो

गुरुग्राम। के ओल्ड दिल्ली रोड सेक्टर-22 इलाके में रोड रेज का मामला सामने आया है।मामूली कहासुनी के बाद कुछ युवकों के बीच विवाद इतना बढ़ गया कि एक युवक पर ईंट से हमला कर दिया गया। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।वायरल वीडियो में देखा जा सकता है कि तीन से चार युवक सड़क के बीचों-बीच आपस में झगड़ रहे हैं। विवाद किस बात पर शुरू हुआ, यह अभी स्पष्ट नहीं है। इसी दौरान, एक युवक ने जमीन से ईंट उठाकर दूसरे युवक के सिर और शरीर पर कई बार किए।मार्पीट से बाधित हुआ यातायात ईंट के हमले से घायल युवक सड़क पर गिर गया और लहलुहान हो गया। यह पूरी घटना व्यस्त सड़क पर दिनदराई हुई। कई वाहन वहां से गुजरते रहे और यातायात भी बाधित हुआ, लेकिन किसी भी राहगीर ने बीच-बचाव करने या घायल की मदद करने का प्रयास नहीं किया। हमलावर घटना को अंजाम देकर मौके से फरार हो गए। घायल युवक की स्थिति और घटना के संबंध में पुलिस के आधिकारिक बयान का इंतजार है।

फरीदाबाद फ़ाइम ब्रांच टीम ने एक आरोपी पकड़ा

फरीदाबाद । जिले के गांव सिरोही-बीजोपुर रोड पर स्कॉर्पियो से युवक को कुचलकर हत्या का प्रयास करने के मामले में क्राइम ब्रांच सेक्टर 56 व धौज थाना की टीम ने एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस की जांच के मुताबिक दो युवकों के बीच हुई कहासुनी के बाद झगड़ा हो गया। जिसमें एक पक्ष की तरफ से स्कॉर्पियो से युवक को टक्कर मारी। इसका एक वीडियो भी सामने आया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। पुलिस प्रवक्ता यशपाल ने जानकारी देते हुए बताया कि ये पूरा मामला 11 जुलाई की शाम का है। पुलिस के मुताबिक गांव सिरोही के रहने वाले साद्वीक उर्फ शहबाज और गांव धौज निवासी वसीम के बीच में किसी बात को लेकर कहासुनी के बाद झगड़ा हो गया। इसके बाद वसीम ने अपने भतीजे तहसीम व अपने भाइयों को झगड़े की सूचना दी थी। जिस पर तहसीम, अपने चाचा असलम व अन्य के साथ स्कॉर्पियो गाड़ी व मोटरसाईकल पर मौका पर पहुंचा और साद्वीक उर्फ शहबाज को जान से मारने की नीयत से उस पर गाड़ी चढ़ा दी और मौका से भाग गया था। मकान की दीवार भी टूटकर गिरी टक्कर लगते ही आरोपी कई फीट दूर जाकर गिरा। आरोपियों ने टक्कर मारकर पास के ही एक मकान की दीवार भी गिरा दी। इस वारदात में युवक को गंभीर चोट लगी है। आसपास के लोगों ने उसे अस्पताल में भर्ती कराया, जहां गंभीर हालत में उसका इलाज चल रहा है पुलिस ने आरोपी को पकड़ा सुत्रों की माने तो आरोपी स्कॉर्पियो सवारों का शक था कि युवक ने उम्भक को उनके ठिकाने की सूचना दी है। हालांकि पुलिस ने ऐसी किसी भी जानकारी से इंकार किया है। पुलिस का कहना है कि दोनों के बीच में हुई आपसी कहासुनी के बाद इस घटना को अंजाम दिया गया।

देश दुनिया की ताजा तारीन खबरें

पढ़ने के लिए लॉग ऑन करें

@Pratahkiran

www.pratahkiran.com

नई दिल्ली, रविवार, 05 जुलाई, 2026



योजनाओं की दूरी से ग्रामीण जीवन की बढ़ती मुश्किलें

प्रियंका कुमारी

भारत में समय-समय पर ऐसी अनेक योजनाएं शुरू की जाती हैं जिनका उद्देश्य आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों तक बुनियादी सुविधाएं पहुंचाना है। स्वच्छ ईंधन, पेंशन, शिक्षा, स्वास्थ्य, आवास और सामाजिक सुरक्षा जैसी योजनाएं केवल सुविधाएं नहीं हैं, बल्कि समान-जनक जीवन की आधारशिला भी हैं। लेकिन जब इन योजनाओं की जानकारी, प्रक्रिया या लाभ जरूरतमंद लोगों तक पूरी तरह नहीं पहुंच पाता, तब सबसे अधिक असर उन परिवारों पर पड़ता है जिनके पास पहले से ही संसाधनों की कमी होती है। दूर-दराज के ग्रामीण इलाकों में रहने वाले लोगों के लिए योजनाओं का काजज पर होना और जीवन में उसका असर महसूस होना, दोनों अलग-अलग अनुभव बन जाते हैं। गरीबी दूरी रोजगार के संघर्ष को और कठिन बना देती है। बिहार के मुजफ्फरपुर जिले के मुसहरी प्रखंड से लगभग 18 किलोमीटर दूर स्थित नारी गांव इसकी एक झलक प्रस्तुत करता है। करीब 250 से अधिक घरों वाले इस गांव में अनुसूचित जाति, अन्य पिछड़ा वर्ग और अपरचक्षित समुदाय के परिवार रहते हैं। अधिकांश लोग विहाड़ी मजदूरी, खेत-हल कार्य, छोटे-मोटे श्रम या स्वरोजगार के सहारे अपने परिवार का पालन-पोषण करते हैं। दिन भर की मेहनत से जितनी आमदनी होती है, उसी से घर का खर्च चलता है। ऐसे में यदि किसी सरकारी योजना का लाभ समय पर मिल जाए तो वह परिवार की जिंदगी में बड़ा बदलाव ला सकता है। लेकिन जब जानकारी अपूर्ण हो, कागजी प्रक्रिया पूरी न हो पाए या आवेदन बार-बार अधुरा रह जाए, तब योजनाएं लोगों की उम्मीद बनने के बजाय उनके लिए एक अधूरा सपना बन जाती हैं। गांव के कई परिवार आज भी उज्जवला योजना का पूरा लाभ नहीं प्राप्त कर सके हैं। परिणामस्वरूप उन्हें लकड़ी के चुल्हे नहीं ही खाना बचना पड़ता है। रसोई में उठने वाला धुआं केवल आंखों में जलन या खांसी तक सीमित नहीं रहता, बल्कि धीरे-धीरे सांस संबंधी समस्याओं का कारण भी बन सकता है। घर के भीतर घंटों तक धुएँ के बीच खाना बनाने का सबसे अधिक असर उन लोगों पर पड़ता है जो रसोई में सबसे ज्यादा समय बिताते हैं। यह केवल ईंधन का सवाल नहीं, बल्कि स्वास्थ्य, समय और गरिमा से जुड़ा विषय भी है। मानसून आने के बाद यह कठिनाई और बढ़ जाती है। बारिश में लकड़ियाँ गीली हो जाती हैं, जिससे उन्हें जलाना आसान नहीं होता। कई बार भोजन तैयार करने में घंटों लग जाते हैं और कई बार चूल्हा जल ही नहीं पाता। ऐसे दिनों में परिवारों को कम भोजन में काम चलाना पड़ता है या फिर बिना भोजन किए रात बितानी पड़ती है। जिन परिवारों की रोजी-रोटी पहले ही अनिश्चित हो, उनके लिए यह स्थिति और भी चुनौतीपूर्ण बन जाती है। एक साधारण-सी सुविधा की अनुपलब्धता पूरे परिवार की दिनचर्या, स्वास्थ्य और बच्चों के पोषण तक को प्रभावित करती है। गांव के 40 वर्षीय शिव कुमार ठाकुर बताते हैं कि उन्होंने उज्जवला योजना का लाभ पाने के लिए कई बार आवेदन किया, लेकिन हर बार कागजात में किसी न किसी कमी की बात कहकर प्रक्रिया आगे नहीं बढ़ सकी। उनके लिए सबसे बड़ी परेशानी यह है कि आखिर कौन-सा दस्तावेज अधूरा है और उसे कैसे पूरा किया जाए, इसकी स्पष्ट जानकारी उन्हें नहीं मिल पाती। सीमित आवेदों वाले परिवार के लिए बार-बार कार्यालयों के चक्कर लगाना भी आसान नहीं होता। एक दिन काम छूटने का मतलब उस दिन की मजदूरी का नुकसान होता है, जो सीधे घर के खर्च पर असर डालता है। गांव की 55 वर्षीय नीलम देवी की कहानी भी इसी वास्तविकता को सामने लाती है। उनकी पत्नी बच्चीयाँ हैं और उनके पति दैनिक मजदूरी करते हैं। परिवार की आय इतनी नहीं है कि सभी जरूरतें आसानी से पूरी हो सकें जैसा उन्हें पछा गया कि सरकार द्वारा गरीब परिवारों और लड़कियों की शिक्षा के लिए चलाई जा रही योजनाओं के बारे में उन्हें क्या जानकारी है, तो उन्होंने सहजता से कहा कि उन्हें ऐसी किसी योजना की जानकारी नहीं है। उनका नाम केवल राशन कार्ड में दर्ज है और उस के माध्यम से मिलने वाली सुविधा तक ही उनकी पहुंच है। इसके अतिरिक्त किसी ने उन्हें अन्य योजनाओं की जानकारी नहीं दी और न ही वे कभी उन तक पहुंच सकीं। यह स्थिति बताती है कि केवल योजना शुरू कर देना पर्याप्त नहीं होता, बल्कि उसकी जानकारी हर उस व्यक्ति तक पहुंचाना भी उतना ही जरूरी है जिसके लिए वह बनाई गई है।

वृक्षों की छाँव में पुराख्यान और विज्ञान का संगम

डॉ. मनोरमा मिश्रा

चित्रचलितानी धूप में आज अपने कॉलेज से वापस मेट्रो से आई तो मेट्रो स्टेशन के नजदीक घर होने के कारण पैदल ही घर की तरफ चलने लगी। कसूर्य की तरकश से निकले तीरी की भाँति गर्मी सीधे मस्तिष्क को भेद करती थीं मूग नेन धर-उपर खींच को ललाश कर ही रहे थे जैसे कि अचानक नजदीक ही तीन पेड़ दिखाई पड़े। पास जाने पर देखा कि वल्ल वृक्ष, पीपल का वृक्ष और। पेड़ वृक्ष तीनों एक दूसरे का हाथ पकड़ कर खड़े जैसे कहें हैं वही ये देखती हम न तोड़ेंगे राहगीरों का साथ हम न छोड़ेंगे पड़ोस नजदीक पहुँचने पर थोड़ी राहत महसूस हुई वृक्ष लगाने वाले को दिल की सहजराइयों से बारम्बार धन्यवाद दे रही थी कि अचानक अपने बाबा जी कि बातें याद आई जो अकसर ही शिव महापुराण का उच्छरण देकर स्वयं भी पहुँच लगते और लोगों को वृक्ष लगाने की प्रेरणा देते थे उनका कन्या था शिव महापुराण में प्रकृति और पेड़ों को साक्षात् भगवान शिव का रूप और औ जीवन का आधार माना गया है। इसके अनुसार, वृक्षारोपण को पुत्र के समान दर्जा दिया गया है और यह मनुष्य को जन्म-जन्मांतर तक पुण्य और मोक्ष प्रदान करता है तडागेषु च तीर्थेषु वनेषुपूजनेषु च। रोपयेत् सुकृती तलावा-पुत्रा-इव परिपालयेत्।। जो व्यक्ति पुण्ड्र का भागी बना चाहता है, उसे इन पाँच पेड़ों के बखान किया करते थे-- वट, आंवला, बेलपत्र, पीपल और शमी जिन्हें वो पांच वृक्ष कहते थे जिनके वो धार्मिक, आध्यात्मिक और औषधीय गुणों का वर्णन करते थे साथ ही यह भी प्रतिपादित विषय पुराण में है। पांच वृक्षों को छाँव को अत्यंत पवित्र माना गया है इन वृक्षों के नीचे बैठकर जो व्यक्ति भगवान शिव का नाम (ममः शिवाय वा ॐ नमः शिवाय) जपता है, उसे सिद्धियों और अक्षय पुण्य की क्रांति होती है। साथ ही साथ दादा जी इन पेड़ों की उत्पत्ति के पवित्र पौराणिक कथाओं का भी पढ़ते रहते थे जैसे कि वल्ल वृक्ष के बारे में बताते थे कि स्कंद पुराण के अनुसार, बेलपत्र की उत्पत्ति देवी पार्वती के पसिने की बूँदों से मानी जाती है। एक बार देवी के पसिने से पसिने की कुछ बूँदें मंदराचल पर्वत पर गिरीं, जिससे बेल (बिल्व) का पेड़ उत्पन्न हुआ। इस वृक्ष में माँ पार्वती के विभिन्न दिव्य रूपों का वास माना जाता है। बेल के मूल (जूड़) में भगवान शिव, तनों में माँ गिरिजा, शाखाओं में महेश्वरी, पत्तियों में माँ पार्वती और फलों में काल्यायनी देवी का वास माना होता है इसके साथ ही दादा जी बेल पत्र की संरचना के विषय में बताते थे कि बेलपत्र में एक डंठल पर तीन पत्तियाँ होती हैं। इन तीन पत्तियों को त्रिवेद (ब्रह्म, विष्णु और महेश) का प्रतीक माना जाता है। कुछ मान्यताओं में यह भगवान शिव की तीन आँखें (त्रिनेत्र) का भी प्रतीतिधत्व करती हैं। साथ ही साथ दादी जी के याद करते हुए कहते थे आपकी दादी शिव जी की पूजा प्रतिदिन करती थी और शिव लिंग पर बेल पत्र चढ़ाती थी उसका कारण दादा जी ने बताया कि समुद्र मंथन के समय निकले विष को शिव जी ने पीया था विष के प्रभाव और अत्यधिक गर्मी को शांत करने के लिए देवताओं ने भगवान शिव को बेलपत्र अर्पित किया था, क्योंकि इसकी तासीर बेहद ठंडी होती है। यही कारण है कि यह पीपल जी को अत्यंत प्रिय है। उसी समय एक बुजुर्ग रिश्ते वाले चच्चा शिव पेड़ के पेड़ के नीचे खड़े ससवारी का इंतजार कर रहे थे उसी समय मुझे अपनी ओर एकदम देखते हुए बोले बिल्विया पिछले 40 साल से ये पेड़ मेरा एकमात्र सहारा है मैं हर मौसम की मार से बचने एवं रिक्शा खींचते हुए अपना थकान को मिटाने के लिए यह शरण लेता हूँ यह पीपल का वृक्ष त्रिवेदों का संगम है रिश्ते वाले चच्चा ने बताया कि उनके गुरु श्री राधारमण ने पीपल वृक्ष संबंधित दादा पौराणिक कथा बताई थी कि हिन्दू धर्म ग्रंथों और पुराणों (जैसे पद्म पुराण और स्कन्द पुराण) के अनुसार, पीपल के वृक्ष की उत्पत्ति भगवान विष्णु के अंश से हुई है और इसे उनका साक्षात् रूप माना जाता है।

विचारमंथन

थकी हुई वर्दी, टूटता हुआ मन

फिर भी यह दुखद घटना पुलिस बल में मानसिक तनाव, कार्य-संस्कृति और मनोवैज्ञानिक सहयोग का आवश्यकता पर गंभीर प्रश्न खड़े करती है। यह केवल एक व्यक्ति की त्रासदी नहीं, बल्कि उस व्यवस्था का आईना भी है, जहाँ कर्तव्य निर्माण-निभाते-निभाते कई बार इंसान स्वयं अपने भीतर हारने लगता है। हमारे समाज में पुलिस की छवि अक्सर अधिकार, शक्ति और कठोरता से जुड़ी रही है। आम नागरिक मान लेते हैं कि पुलिसकर्मी भावनाओं से परे होते हैं, उन्हें दर्द नहीं होता, वे कमी नहीं टूटते। यही सबसे बड़ी भूल है। पुलिसकर्मी भी उसी समाज के सदस्य हैं। वे भी किसी के बेटे-बेटे, पति-पत्नी, माता-पिता और मित्र होते हैं। उन्हें भी अपनों की चिंता होती है, आर्थिक ज़िम्मेदारियाँ होती हैं, स्वास्थ्य संबंधी समस्याएँ होती हैं और भावनात्मक सहारे की आवश्यकता होती है। अंतर केवल इतना है कि वे अपने दुख को अक्सर धीरे के नीतर छिपाकर सामान्यता सीख जाते हैं। पुलिस सेवा का वास्तविक स्वरूप फिल्मों और धारावाहिकों से बिल्कुल अलग है। अफ़िकांश पुलिसकर्मियों को दिन कब शुरू होता है और कब समाप्त, इसका कोई निश्चित समय नहीं होता। आठ घंटे की इयूटी का सिद्धांत व्यवहार में शायद ही कभी पूरी तरह लागू दिखाई देता है। त्योहार हों, चुनाव हों, वीआईपी दौरे हों, घटना-प्रदर्शन हों, प्राकृतिक आपदाएँ हों या अपराध की गंभीर घटनाएँ—हर स्थिति में सबसे पहले पुलिस को ही तैनात किया जाता है।



कि सी भी देश की कानून-व्यवस्था का

पुलिस होती है। जब कोई अपराध होता है, दुर्घटना घटती है, दंगा भड़कता है, प्राकृतिक आपदा आती है या किसी नागरिक को तत्काल सहायता की आवश्यकता होती है, तो सबसे पहले जिले की सामने दिखाई देती है। समाज उससे हर समय तयार, अनुशासित, निष्पक्ष और संवेदनशील रहने की अपेक्षा करता है। लेकिन विडंबना यह है कि जो व्यवस्था पूरे समाज को सुरक्षा का भरोसा देती है, उसी व्यवस्था के भीतर काम करने वाले पुलिसकर्मियों की मानसिक सुरक्षा और भावनात्मक आवश्यकताओं पर सबसे कम ध्यान दिया जाता है। बाहर से रोबदार दिखने वाली वदी के भीतर भी एक संवेदनशील मन धड़कता है, जो लगातार बढ़ते तनाव, कार्यभार, पारिवारिक दूरियों और संस्थागत दबावों के बीच धीरे-धीरे टूटना चला जाता है। हाल ही में पुलिस इस्पेक्ट्रल श्रवण कुमार बिश्नोई की आत्महत्या

की खबर ने पूरे समाज को स्तब्ध कर दिया। किसी भी आतमहत्या के पीछे के कारणों का जितना निष्पत्ति केवल अधिकारिक जाँच से ही संभव है, इसलिए किसी निष्कर्ष पर पहुँचाना घटना नहीं होगा। फिर भी यह दुःख घटना पुलिस बल में मानसिक तनाव, कार्य-संस्कृति और मनोवैज्ञानिक सहयोग की आवश्यकता पर गंभीर प्रश्न खड़े करती है। यह केवल एक व्यक्ति की त्रासदी नहीं, बल्कि उस व्यवस्था का आईना है, जहाँ कर्तव्य निभाते-निभाते कई बार इतना स्वयं अपने भीतर हारने लगता है। हमारे समाज में पुलिस की छवि अक्सर अधिकार, शक्ति और कठोरता से जुड़ी रही है। आम नागरिक मान लेते हैं कि पुलिसकर्मियों भावनाओं से परे होते हैं, उन्हें दर्द नहीं होता, वे कभी नहीं टूटते। यही सबसे बड़ी भूल है। पुलिसकर्मियों की उसी समाज के सदस्य हैं। वे भी किसी के बेटे-बेटी, पति-पत्नी, माता-पिता और मित्र होते हैं। उन्हें भी अग्रणी की चिंता होती है, आर्थिक जिम्मेदारियाँ होती हैं,

व्यास्थ्य संबंधी समस्याएँ होती हैं और भावनात्मक सहारे की आवश्यकता होती है। अंतर केवल इतना है कि वे अपने दुख को अक्सर वहीं के भीतर छिपाकर रखना सीख जाते हैं। पुलिस सेवा का वास्तविक स्वरूप फिल्मों और धारावाहिक से बिल्कुल अलग है। अधिकांश पुलिसकर्मियों का दिन दुख शुरू होता है और कब समाप्त, इसका कोई निश्चित समय नहीं होता। आठ घंटे की ड्यूटी का सिद्धांत व्यवहार में शादय ही कहीं पूरी तरह लागू दिखाई देता है। लोहार हों, नुहाव हों, चौबीसी दौरे हों, घटना-प्रदर्शन हों, प्राकृतिक आपदाएँ हों या अपराध की गंभीर घटनाएँ—हर स्थिति में सबसे पहले पुलिस को ही तैनात किया जाता है। कई बार लगातार चौबीस-चौबीस घंटे तक ड्यूटी करनी पड़ती है। पर्याप्त समय, नियमित भोजन और पारिवारिक सम्बन्धन जैसे जीवन में विवासावरण पाते हैं। विषयभर के मनोवैज्ञानिक शोध बताते हैं कि लगातार नौद की कार्यभार, अत्यधिक कार्यभार और भावनात्मक तनाव किसी भी व्यक्ति

मानसिक स्वास्थ्य को गंभीर रूप से
भावित करते हैं। पुलिसकर्मी प्रशिक्षित
होना, आत्महत्या, सड़क दुर्घटनाओं,
रेल्वे हिंसा, यौन अपराधों और अन्य
सामाजिक घटनाओं का सामना करते हैं।
मानस्य नागरिक जन दृश्यों को केवल
माामान्य में देखते हैं, पुलिस उठने
व्यवस्थित रूप से झेलती है। ऐसे अनुभव
धैर्य-धीरे मन पर गहरे घाव छोड़ते हैं।
देते समय पर भावनात्मक सहयोग न
होता, तो यही दबाव अवसाद, चिंता,
अवधिचिड़पेन और कई बार आत्मघात
व्यवस्थाओं तक पहुँच सकता है। पुलिस
व्यवस्था की आंतरिक संरचना भी
कई बार तनाव को बढ़ा देती है। वरिष्ठ
पुलिस अधिकारियों का दबाव, समयबद्ध
परिणाम देने की अपेक्षा, राजनीतिक
स्तक्षेप, संसाधनों की कमी और
नगर पर जवाबदेही अधीनस्थ
कर्मचारियों के मानसिक बोझ को कई
बार बढ़ा देती है। अनुशासन किसी
ही सुरक्षा बल की आवश्यकता है,
लेकिन अनुशासन और मानवीय
तत्त्वों के बेवतनशिला का संतुलन भी उतना
ही आवश्यक है। यदि अधीनस्थ

मंचारी अपनी समस्याएँ खुलकर प्रकट करने से डरने लगे, तो तनाव के तहत ही भीतर विस्फोटक रूप ले लीं। परिवारिक जीवन भी तनाव सेवा को सबसे बड़ी कीमत देता है। पुलिसकर्मी अपने बच्चों साथ समय नहीं बिता पाते, माता-पिता को बीमारी में उपस्थित नहीं हो लेते और कई बार परिवारिक समारोहों में शामिल नहीं हो पाते। लगातार अनुपस्थिति से परिवारों में भावनात्मक तनाव बढ़ने लगती है। कई पुलिसकर्मी अपने व्यक्तित्व तनाव को परिवार से छुपाते हैं ताकि घर वाले चिंतित न हों, जबकि परिवार अपनी समस्याएँ इससे इसलिए नहीं कह पाता कि ये तनाव ही बहुत तनाव में है। यह मौन-धरोरे मानसिक अकेलेपन में बदल जाता है। समाज भी इस समस्या पर पूरी गंभीरता से नहीं समझता। ब पुलिस कोई गलती करती है, आलोचना होना स्वाभाविक है। वास्तविक ही लोकतंत्र का आवश्यक घटक है। लेकिन हर पुलिसकर्मी को बल के कठोर, अवैधेदनशील या भ्रष्ट

लेना न्यायसंगत नहीं है। हज़ारों नक्सली समीत संसंधनों और संसंधन के दबाव के बीच ईमानदारी से जीवन जी ज़िम्मेदारियों निभाते हैं। वे भी मान और संवेदनशील व्यवहार के धरकरी हैं। सबसे चिंताजनक बात यह है कि पुलिस सभ में मानसिक स्थिति को लेकर ख़ुलापन आज भी व्याप्त नहीं है। यह क्यों कमचारी के ज़िम्मेदारि सहायता लेना समझते तो कई बार उसे कमजोरी समझा जाता है। परिणामस्वरूप अनेक बार अपने भीतर की पीड़ा को वर्षों तक दबाए रखते हैं। वे मुस्कुराते, ड्यूटी करते हैं, लेकिन भीतर टूटते रहते हैं। मानसिक स्वास्थ्य ख़ुशी किसी भी संस्था के लिए एक चरमस्थान स्थिति होती है। अब हमें क्या लेना संवेदना व्यक्त करने का है, बलिको सुधारों का है। हमें सबसे पहले पुलिससुधारी के कार्य यथासंभव मानवीय बनाए जाने चाहिए। पर्याप्त ट्राफ़िक को नियुक्ति कार्यभार का न्यायसंगत वितरण जा जाए।

युद्ध का जन्म कहाँ से होता है?

आज पश्चिम एशिया का परिदृश्य इसी सत्य का प्रत्यक्ष प्रमाण प्रस्तुत कर रहा है। वर्षों के तनाव, संघर्ष, प्रतिबंध, सैन्य अभियानों और कूटनीतिक टकरावों के बाद जब राष्ट्र वार्ता की मेज पर बैठते हैं और किसी समझौते पर हस्ताक्षर करते हैं, तब एक महत्वपूर्ण प्रश्न जन्म लेता है कि क्या वास्तव में किसी की जीत हुई? और यदि हुई तो उसकी कीमत क्या रही? पश्चिम एशिया लंबे समय से वैश्विक राजनीति का सबसे संवेदनशील क्षेत्र रहा है। तेल संसाधनों की प्रचुरता, सामरिक महत्व, धार्मिक विविधता और महाशक्तियों की प्रतिस्पर्धा ने इस क्षेत्र को लगातार संघर्षों के केंद्र में बनाए रखा है। इराक युद्ध, सीरिया का गृहयुद्ध, यमन संकट, इजरायल-फिलिस्तीन संघर्ष और ईरान से जुड़े विवादों ने इस क्षेत्र को दशकों तक अस्थिर रखा है। लाखों लोगों ने अपने घर छोड़े, हजारों परिवार बिखर गए और संपूर्ण पीढ़ियाँ युद्ध के भय के बीच बड़ी हुई हैं। जब किसी समझौते या युद्धविराम की घोषणा होती है, तब दुनिया राहत की सांस लेती है। किंतु उस राहत के पीछे छिपे आँकड़े भयावह होते हैं। कितनी जानें चली गई? कितनी अर्थव्यवस्थाएँ तबाह हुई? कितने बच्चों का भविष्य अंधकारमय हो गया? ये प्रश्न अक्सर राजनीतिक घोषणाओं की चमक में दब जाते हैं।



ला लसा, महत्वाकांक्षा, कट्टरता और असुरक्षा के

रथ पर सवार अहेकारों जब अपनी चरम अवस्था को प्राप्त करता है, तब इतिहास के पन्नों पर युद्ध की इबारत लिखी जाती है। मानव सभ्यता के आरंभ से लेकर आधुनिक परमाणु युग तक लालभग प्रत्येक युद्ध के मूल में यही चार तत्व दिखाई देते हैं। कभी साम्राज्य विस्तार की महत्वाकांक्षा, कभी संस्थानों पर कब्जे की लालसा, कभी वैचारिक कट्टरता और कभी सुरक्षा को लेकर उत्पन्न असुरक्षा। इन सबका सम्मिलित परिणाम युद्ध के रूप में सामने आता है। युद्ध का आरंभ चाहे किसी सीमा विवाद से हो, किसी धार्मिक मतभेद से, किसी आर्थिक हित से या किसी राजनीतिक संघर्ष से, लेकिन उसका अंत सदैव मानवता के धर्मों के साथ होता है। युद्ध किसी राष्ट्र को विजेता और किसी को पराजित घोषित कर



डॉ. भारत प्रकाश सुनेजा

बीजारोपण से वृक्षारोपण की प्रक्रिया केवल पौधे लगाने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह पयावरोपण संरक्षण और सुसंस्कृत मानव निर्माण की ओर अद्धत एवं प्रेरणादायी यात्रा है। जिस प्रकार एक छोटा-सा बीज अंकुरित होकर समुप, धैर्य और सतत पोषण के माध्यम से एक विशाल वटवृक्ष का रूप धारण करता है, उसी प्रकार श्रेष्ठ एवं नैतिक गुणों से परिपूर्ण व्यक्ति

सकता है, परंतु वास्तव में उसकी सबसे बड़ी कौमल आम नागरिक चर्चा को है। सैनिकों की शहादत, बच्चों की अनाथता, महिलाओं का असुरक्षित जीवन, उड़ते नगर और चरमराती अर्थव्यवस्थाएँ युद्ध की वास्तविक पहचान हैं। आज पश्चिम एशिया का परिदृश्य इसी सत्य का प्रत्यक्ष प्रमाण प्रस्तुत कर रहा है। वर्षों के तनाव, संघर्ष, प्रतिबंध, सैन्य अभियानों और कूटनीतिक टकरावों के बाद जब राष्ट्र वारा की मेज पर बैठते हैं और किसी समझौते पर हस्ताक्षर करते हैं, तब एक महत्वपूर्ण प्रश्न जन्म लेता है कि क्या वास्तव में किसी की जीत हुई? और यदि हुई तो उसकी कीमत क्या रही? पश्चिम एशिया लंबे समय से वैश्विक राजनीति का सबसे संवेदनशील क्षेत्र रहा है। तेल संसाधनों की प्रचुरता, सामरिक महत्व, धार्मिक विविधता और महाशक्तियों की प्रतिस्पर्धा ने इस क्षेत्र को लगातार

परिषद् के क्षेत्र में बनाए रखा है। इराक युद्ध, सीरिया का गृहयुद्ध, यमन संकट, इजरायल-फिलिस्तीन संघर्ष और ईरान युद्ध जैवों के इस क्षेत्र को दशकों तक अस्थिर रखा है। लाखों लोगों ने अपने घर छोड़े, हजारों परिवार अलग हो गए और संपूर्ण परिस्थितियों का भय के बीच बड़ी हुई है। जब किसी मानवश्रृंखला या युद्धविपरीत की घोषणा होती है, तब दुनिया राहत की सांस लेती है। किंतु उस राहत के पीछे छिपे अर्थकट भयावह होते हैं। किन्ती जानें अर्थकट गिरी गई? किन्ती अर्थव्यवस्थाएँ नष्ट बनी हुई? किन्ती बच्चों का भविष्य अधकारमय हो गया? ये प्रश्न अक्सर राजनैतिक घोषणाओं की चमक में दब जाते हैं। मानव इतिहास ने जीत और हार की जो परिभाषा गढ़ी है, वह मुख्यतः सैन्य और राजनैतिक युद्धाभिनयों पर आधारित रही है। संयुक्त राष्ट्र पर अधिक शक्ति प्राप्त करने, विरोधी की सैन्य क्षमता को नष्ट

पर देना या उसे राजनीतिक समझौते
लिए विवश कर देना विजय माना
जा रहा है। किन्तु आधुनिक युग में यह
एथिकोण अधूरा प्रतीत होता है। यदि
किसी राष्ट्र को अपनी विजय के लिए
हज़ारों नागरिकों की जान गंवानी पड़े,
सर्वशक्तिाली खर्च करने पड़ें और
शत्रुओं तक सामाजिक तनाव झेलना
पड़े, तो क्या उसे वास्तविक विजय
मंजूर जा सकता है? इस प्रश्न पर यदि
होर्डे राष्ट्र युद्ध हार भी जाए, परंतु
सबसे कीमती संवेदनाएँ जीवित रहे,
सबसे सामाजिक एकाग्रता बनी रहे और
यह पुनर्निर्माण की क्षमता रखता हो, तो
यह पूर्णतः पराजित कलाएगा? सैन्य
समर्थन आज आवश्यकता है किन्तु
वज्रय और पराजय को केवल सैन्य
एथिकोण से नहीं, बल्कि मानवीय
एथिकोण से भी देखा जाए। जब किसी
राष्ट्र की चर्चा होती है, तो अक्सर
मानवनाश, हथियारों और रणनीतियों का
तनाव होती है। लेकिन युद्ध का सबसे

आ और सबसे दुखद पक्ष मानव पीड़ा है। एक सैनिक की शहादत केवल एक व्यक्ति की मृत्यु नहीं होती है, वह एक राष्ट्र के सपनों का अंत होती है। क बनबारी केवल एक इमारत को नहीं गिराती, वह पीढ़ियों की स्मृतियों पर आशंकाओं की भी ध्वस्त कर देती है। युद्ध के कारण लाखों लोग शरणार्थी बन जाते हैं। वे अपनी मातृभूमि छोड़ने विवश होते हैं। उनके लिए सीमा पार करना केवल नक्शों की रेखाएँ नहीं, बल्कि जीवन और अस्तित्व का प्रश्न बन जाती हैं। युद्ध बच्चों से उनका जीवन छीन लेता है। स्फूर्तों की जगह शरण शिविर, खेल के मैदानों की जगह कब्रदाना और सपनों की जगह थप उनके जीवन का हिस्सा बन जाते हैं। यदि हार की बात की जाए, तो वास्तव में सबसे बड़ी हार इन्हीं निर्दोष लोगों की होती है जिनका युद्ध से कोई प्रत्यक्ष संबंध नहीं होता है। युद्ध मानव्य जीवन को ही प्रभावित नहीं करता है, बल्कि

वक अर्थव्यवस्था को भी गहरे स्तर पर झकझोर देता है। जब किसी क्षेत्र में अर्थव्यवस्था बढ़ता है, तो ऊर्जा आपूर्ति में बाधा पड़ती है। तेल और गैस को भी हमने वृद्धि होती है। पैरिक्लम में वृद्धि है। 'हैंगडा' वैश्विक स्तर पर फैलती है। युद्ध के कारण निरक्षरता है, व्यापारिक मार्ग बाधित होते हैं और विकास परियोजनाएँ रुक जाती हैं। संसधानों का उपयोग शिक्षा, स्वास्थ्य और आधारभूत संरचना के निर्माण में होना चाहिए, वे हथियारों पर सैन्य अभियानों पर खर्च नहीं होना चाहिए। इतिहास गवाह है कि युद्धों के बाद पुनर्निर्माण की लागत अक्सर जीत की लागत से भी अधिक होती है। शहर वर्षों में बनते हैं, वे कुछ दिनों में बनवायीं नष्ट हो जाते हैं। उन्हें खड़ा करने में दशकों लग जाते हैं। इस प्रकार युद्ध केवल वर्तमान को नष्ट करके भविष्य को भी नुकसान पहुँचाता है।



बीजारोपण से वृक्षारोपण : सुसंस्कृत मानव निर्माण की एक प्रेरणादायी जीवनयात्रा



डॉ. भारत प्रकाश सुनेजा

बीजारोपण से वृक्षारोपण की प्रक्रिया केवल पीछे लगाने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह पर्यावरण संरक्षण और सुसंस्कृत मानव निर्माण की एक अद्भुत एवं प्रेरणादायी यात्रा है। जिस प्रकार एक छोटा-सा बीज अंकुरित होकर समय, धैर्य और सतत पोषण के माध्यम से एक विशाल वटवृक्ष का रूप धारण करता है, उसी प्रकार श्रेष्ठ एवं नैतिक गुणों से परिपूर्ण व्यक्ति

का निर्माण भी संस्कारों, अनुशासन और संतत आत्म-विकास की प्रक्रिया से होता है। मानव निर्माण की यह यात्रा व्यक्ति के जीवन में संस्कारों और संहिताओं के बीजारोपण से आरम्भ होती है तथा समाज की फल, छाया और संरक्षण प्रदान करने वाले वृक्ष के समान एक परिवर्ध, उत्तरदायी एवं सुसंस्कृत व्यक्तित्व के निर्माण तक पहुँचती है। यह लेख बीजारोपण से वृक्षारोपण की प्रक्रिया के दार्शनिक एवं व्यावहारिक आयामों को मानवीय मूल्यों से युक्त व्यक्तित्व निर्माण के संदर्भ में समझने और प्रस्तुत करने का विनम्र प्रयास है। सुसंस्कृत मानव निर्माण की यात्रा के मुख्य सोपान:

मानवीय मूल्यों से युक्त तथा नैतिक गुणों से परिपूर्ण एक सुसंस्कृत व्यक्ति को निर्माण ठीक उसी प्रकार होता है, जैसे एक छोटा-सा बीज क्रमशः रूपश्रृंखला होकर एक विशाल वटवृक्ष का रूप धारण करता है। बीजोपरोपन से वृक्षारोपण की प्रक्रिया की भाँति सुसंस्कृत मानव निर्माण की यात्रा भी मनुमानुशार, अनेक सोपानों से होकर गुजरती है, जो व्यक्ति के चरित्र, विचार और आचरण को नई दिशा प्रदान करती है। संस्कार और शिक्षा - गम्भाधान से विद्यार्भ तक (बीजोपरोपन): यह चरण सुसंस्कृत मानव निर्माण की प्रक्रिया में बीजोपरोपन के समान है। जिस

कार एक छोटे से बीज को उपयुक्त मृदा में रोपकर जल, पोषण और सन्तानोद्धार प्रदान किया जाता है ताकि वह स्वस्थ रूप से विकसित हो सके, उसी प्रकार बालकों के मन में नैतिक शिक्षा, अनुशासन, संवेदनशीलता और यावर्णिक के प्रति प्रेम तथा सामाजिक उत्तरदायित्व के बीज बोने जाते हैं। और आगे चलकर उनके व्यक्तित्व को निदेशा देते हैं। अहंकार का विकास (अकुरुषण): जिस प्रकार एक बीज को (किशुर) वृक्ष बनने के लिए मृदा में बोना जाता है, वही वृक्ष बनने में वर्तमान स्वरूप का त्याग कर मृदा में विलीन होना पड़ता है, उसी प्रकार एक सुसंस्कृत मानव भी अपने अहंकार, स्वार्थ तथा संकीर्णताओं को त्याग देता है।

परिपालन कर, निस्वार्थ भाव से गिराया, राष्ट्र और प्रकृति की सेवा के एक स्वर्ण को समर्पित करता है। यही कृषय व्यक्ति को आत्मकेन्द्रितता से भर उठाकर लोककल्याण और अन्तर्जीवन के मार्ग पर अग्रसर करती है। कर्म और अनुशासनः अनुयोग (पौधे का विकास) : जिस प्रकार एक पौधा निरंतर पोषण, धैर्य और अनुकूल प्रयासों के माध्यम से विकास प्राप्त होकर सुदृढ़ वृक्ष रूप धारण करता है, उसी प्रकार नव जीवन में भी उसी कर्म, अनुशासन और समर्पण, सफलता या आत्मविकास की आधारशिला पौधे की यह विकास-यात्रा हमें

कृपा का त्याग कर निरंतर
मम, आत्मानुत्थान और पुरुषार्थ
मार्ग पर अग्रसर होता है। यही
योग उसे जीवन के प्रत्येक क्षेत्र
में कुशलता प्राप्त करने तथा समाज
के हित उद्योगों एवं उत्तरदायी
कार्य बनने की दिशा प्रदान करता
है। समाजकारिता और आत्मनिर्भरता
- यत्र नर्सरी और पोषण।
अभियान के अंतर्गत घरों में
योग्यता या बेकार पद वस्तुओं
को दूध की थैलियों, तेल की खाली
थैली, प्लास्टिक की बोतलों तथा
पुनः उपयोग योग्य सामग्री
को कर बीजों का रोपण एवं पौधों
की रोपण किया जाता है।



संक्षिप्त खबरें

बीएचयू परिसर में बनेगा हाईटेक फायर स्टेशन

वाराणसी। पूर्वांचल के सबसे बड़े शैक्षणिक एवं चिकित्सा संस्थान बीएचयू में जल्द ही अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस नया फायर स्टेशन स्थापित किया जाएगा। इसके लिए कैंसर अस्पताल के पीछे करीब एक एकड़ भूमि विह्ति कर ली गई है। अग्निशमन विभाग और बीएचयू प्रशासन के बीच इस परियोजना को लेकर सैद्धांतिक सहमति बन चुकी है। अब विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार कर शासन को भेजी जाएगी। स्वीकृति मिलते ही निर्माण कार्य शुरु होगा। यह केंद्र तैयार होने के बाद वाराणसी का छठवां फायर स्टेशन होगा। नए फायर स्टेशन के शुरू होने से बीएचयू परिसर के साथ-साथ दक्षिणी वाराणसी के घनी आबादी वाले इलाकों को बड़ी राहत मिलेगी। अधिकारियों के अनुसार इस परियोजना का सीधा लाभ करीब पांच से सात लाख लोगों को मिलेगा।

जुलाई के अंतिम सप्ताह से शुरू होगा दालमंडी सड़क निर्माण कार्य

वाराणसी। शहर की बहुप्रतीक्षित दालमंडी सड़क चौड़ीकरण परियोजना अब तेजी से आगे बढ़ रही है। शुक्रवार को भी प्रशासन और लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) की संयुक्त कार्रवाई लगातार जारी रही। सड़क चौड़ीकरण के दायरे में आने वाले कई वार्मिक और निजी निर्माणों के चिह्नित हिस्सों को हटाया गया, जबकि पहले से ध्वस्त किए गए भवनों का मलबा हटाने का कार्य भी पूरे दिन चलता रहा। अधिकारियों का कहना है कि अगले दो सप्ताह में अतिक्रमण हटाने और मलबा साफ करने का कार्य पूरा कर लिया जाएगा। इसके बाद जुलाई के अंतिम सप्ताह से सड़क निर्माण शुरू कर दिया जाएगा। मस्जिदों के चिह्नित हिस्सों पर जारी रही कार्रवाई शुक्रवार को निसारन मस्जिद, रंगौले शाब मस्जिद, अली रजा मस्जिद, संगमरमर मस्जिद और मिर्जा करीमुल्लाह बेग मस्जिद के सड़क चौड़ीकरण की जद में आने वाले चिह्नित हिस्सों को हटाने का कार्य जारी रहा। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि केवल वहीं हिस्से हटाए जा रहें हैं जो परियोजना की सीमा में आ रहे हैं। इसके साथ ही पहले गिराए गए 54 मकानों का मलबा भी जैसीबी और अन्य मशीनों की सहायता से हटाया गया ताकि सड़क निर्माण के लिए भूमि पूरी तरह खाली कराई जा सके। जुलाई के अंतिम सप्ताह से शुरू होगा निर्माण पीडब्ल्यूडी अधिकारियों के अनुसार, अगले दो सप्ताह के भीतर सभी चिह्नित निर्माणों को हटाने और मलबा साफ करने का काम पूरा कर लिया जाएगा। विभाग ने सड़क निर्माण के लिए टेंडर प्रक्रिया भी शुरू कर दी है। यदि निर्धारित समयसीमा के अनुसार कार्य पूरा हुआ तो जुलाई के अंतिम सप्ताह से दालमंडी में बैनरड सड़क का निर्माण शुरू हो जाएगा।

17.4 मीटर चौड़ी होगी नई सड़क दालमंडी चौड़ीकरण योजना के तहत पूरे मार्ग को आधुनिक स्वरूप दिया जाएगा। परियोजना के अनुसार, कुल 17.4 मीटर चौड़ाई में सड़क, फुटपाथ और जल निकासी व्यवस्था विकसित की जाएगी।

पासपोर्ट सेवा केंद्र पर बसपा नेता से हुआ अमरद व्यवहार

वाराणसी। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) के नेता और पूर्व प्रत्याशी सुभाष चंद्र माझी ने शनिवार को वाराणसी पासपोर्ट सेवा केंद्र के कुछ कर्मचारियों के अभद्र व्यवहार से नाराज होकर विदेश मंत्री को पत्र लिखकर शिकायत की है और साथ ही घटना की जांच एवं कठोर कार्रवाई की मांग की है। वाराणसी मंडल के बसपा नेता सुभाष चंद्र माझी ने बताया कि वह स्वयं अपने पासपोर्ट संबंधी कार्य से वाराणसी पासपोर्ट सेवा केंद्र गए थे। वहाँ कर्मचारियों द्वारा उनके साथ और महिलाओं के साथ अमरद, असमानजनक एवं भेद-पेशेवर व्यवहार किया। उन्होंने शिष्ट भाषा का प्रयोग नहीं किया और सम्मानपूर्वक बातचर्चे के बजाय कठोरता तथा आपत्तिजनक भाषा का प्रयोग किया।ऐसा व्यवहार पासपोर्ट सेवा केंद्र जैसे महत्वपूर्ण सरकारी संस्थान में अत्यंत निंदनीय है। और नागरिकों के अधिकारों के विरुद्ध है। विदेश मंत्री और क्षेत्रीय पासपोर्ट अधिकारी को पत्र लिखकर शिकायत के संबंध में उन्होंने बताया कि इस पूरे प्रकरण की निष्पक्ष फ़ौरन के लिए विदेश मंत्री और क्षेत्रीय पासपोर्ट अधिकारी को पत्र लिखा हूँ।

नई कंपनी की जमीनी हकीकत उजागर करते गली-मोहल्लों में लगे गंदगी के ढेर

प्रातः किरण संवाददात

लोनी। नगर पालिका परिषद क्षेत्र के वार्ड 41 में स्थित मुलाब नागरिक कॉलोनी के गली-मोहल्ले वारक पालिका के उस संकल्प की पोल खोलते नजर आ रहे है जो उन्होंने नई कंपनियों के साथ हुए अनुबंध के दौरान क्षेत्रीय साफ-सफाई को लेकर किया था। इस दौरान नगर पालिका अध्यक्ष, अधिशासी अधिकारी एवं नई कंपनी के ऑनर भी मौके पर मौजूद थे। गौरतलब हो कि क्षेत्र के यह हालत तब है जब नगर पालिका विभाग द्वारा पूर्व में भी स्वच्छ भारत अभियान के अंतर्गत प्रेश्र में अपना तीसरा स्थान होने का दावा किया गया था। जबकि मौजूदा हालातों पर गौर करें तो कॉलोनी में गंदगी से अटी खड़ी नालियां व बहाल गलियां खुद ही नई कंपनी के कारनामों और अपनी दुर्दशा की कहानी बयां कर रही हैं। कीचड़ व अन्य गंदगी से अटी

बिजनौर में चूहा एवं छछूंदर नियंत्रण के लिए विशेष अभियान शुरू

प्रातः किरण संवाददाता अनीश त्यागी

बिजनौर। संचारी रोग नियंत्रण अभियान-2026 (द्वितीय चरण) के तहत जनपद बिजनौर में 1 जुलाई से 31 जुलाई तक चूहा एवं छछूंदर नियंत्रण का विशेष अभियान चलाया जा रहा है। कृषि विभाग की ओर से यह अभियान जिले की सभी 1123 ग्राम पंचायतों में संचालित किया जा रहा है, जिसका उद्देश्य चूहों एवं छछूंदर के कारण फैलने वाले संचारी रोगों की रोकथाम के साथ-साथ किसानों की फसलों और अनाज की सुरक्षा सुनिश्चित करना है। जिला कृषि रक्षा अधिकारी जसवीर सिंह

यदि हम पृथ्वी को स्वस्थ रखने के लिए काम करते हैं तो पृथ्वी हमें स्वस्थ रखती है: मांगें राम चौहान

प्रातः किरण संवाददाता, नादिर त्यागी

मुरादाबाद। प्रकृति एक जीवित प्रणाली है। जब हम उसे घाव देते हैं, तो वह घाव अंततः हमारे शरीर और आत्मा पर आकर लगते हैं। इसके विपरीत, जब हम पृथ्वी को चंगाई प्रदान करते हैं, तो वह हमें शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक रूप से चंगाई लौटाती है। यह कोई कल्पनिक भवना नहीं, बल्कि विज्ञान और अनुभव दोनों द्वारा सिद्ध सत्य है।आज विश्व स्तर पर जलवायु परिवर्तन, प्रदूषण, वन कटाई और जैव विविधता का ह्रास पृथ्वी के घाव हैं। इन घावों का प्रभाव हम पर पड़ रहा है—सांस की बीमारियाँ बढ़ रही हैं, तनाव और अवसाद आम हो गए हैं, प्राकृतिक आपदाएँ लगातार हो रही हैं। लेकिन जो समुदाय और व्यक्ति पृथ्वी को होल करने में जुटे हैं, उन्हें प्रकृति अद्भुत उपहार दे रही है।वन रोपण इसका

संगठन की मजबूती से ही 2027 में मिलेगी जीत : हनी फैसल

प्रातः किरण संवाददाता अनीश त्यागी

बिजनौर। समाजवादी पार्टी की जिला इकाई की मासिक बैठक शनिवार को जिला कार्यालय पर जिलाध्यक्ष हनी फैसल की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक में संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत बनाने, आगामी संगठनात्मक कार्यक्रमों की तैयारियों तथा शिक्षक एमएलसी चुनाव को लेकर विधान सभा चुनाव में जीत के लिए मजबूत संगठन और कार्यकर्ताओं की सक्रिय भागीदारी सबसे महत्वपूर्ण होगी। हनी फैसल ने भाजपा सरकार पर पीडीए समाज के लोगों के उथीड़न का आरोप लगाते हुए कहा कि प्रदेश की जनता अब सरकार की नीतियों को समझ चुकी है और आने वाले चुनाव में इसका जवाब देगी। उन्होंने बताया कि 8 जुलाई को उत्तर प्रदेश विधान परिषद में नेता प्रतिपक्ष लाल बिहारी यादव के बिजनौर आमगन पर उनका भव्य स्वागत किया जाएगा। इसके बाद राज मिलन बैक्वेट हॉल में शिक्षक एमएलसी चुनाव के संबंध में आयोजित बैठक में वे कार्यकर्ताओं को संबोधित करेंगे। बैठक के दौरान बाल लक्खी शाह बंजारा की जयंती भी श्रद्धापूर्वक मनाई गई। नेताओं और कार्यकर्ताओं ने उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर

आठ जुलाई को वाराणसी आएंगे सीएम योगी

प्रातः किरण संवाददाता

वाराणसी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ 8 जुलाई (बुधवार) को वाराणसी के व्यापार केंद्र से प्रदेश के शिक्षकों के लिए मुख्यमंत्री शिक्षक कैशलेस चिकित्सा योजना का शुभारंभ करेंगे। इस योजना के तहत बेसिक एवं माध्यमिक शिक्षा विभाग के पात्र शिक्षकों, शिक्षामित्रों, अनुदेशकों, रसोइयों, कस्टूरबा गांधी बालिका विद्यालय (केजीबीवी) की वार्डन, विषय विशेषज्ञों तथा उनके आश्रित परिवार के सदस्यों को कैशलेस चिकित्सा सुविधा का लाभ मिलेगा। इसी कार्यक्रम में मुख्यमंत्री नए शैक्षिक सत्र के लिए विद्यार्थियों को ड्रेस, जुता-मोजा, स्कूल बैग और अन्य आवश्यक सामग्रियों खरीदने हेतु डीबीटी (प्रत्यक्ष लाभ अंतरण) की राशि भी जारी



तेवतिया ने बताया कि चूहे और छछूंदर केवल फसलों को नुकसान नहीं पहुंचाते, बल्कि इनके माध्यम से स्क्रब टायफस जैसी गंभीर बीमारियाँ भी फैल सकती हैं। ऐसे में किसानों और आम नागरिकों को



सबसे स्पष्ट उदाहरण है। जब हम जंगलों को पुनर्स्थापित करते हैं, तो पेड़ कार्बन सोखते हैं, ऑक्सीजन देते हैं और वायु को शुद्ध करते हैं। परिणामस्वरूप हमारे फेफड़े स्वस्थ रहते हैं, रक्तास रोग कम होते हैं। जंगल न केवल हवा ठंडी करते हैं बल्कि वर्षा का चक्र भी संतुलित रखते हैं। इससे सूखा और बाढ़ जैसी आपदाएँ घटती हैं, जिससे हमारी फसलें और घर सुरक्षित रहते हैं। नदियों को साफ करना पृथ्वी को होल करने का दूसरा महत्वपूर्ण कार्य है। जब हमें गाँव, यमुना या स्थानीय नदियों से कच्चा और प्रदूषण हटाते हैं, तो जल शुद्ध होता है। यह शुद्ध जल

उद्योग एवं कॉर्पोरेट जगत से साझेदारी को सुदृढ़ करेगा काशी हिन्दू विश्वविद्यालय का सीएसआर प्रकोष्ठ

प्रातः किरण संवाददाता

वाराणसी। उत्तर प्रदेश के वाराणसी स्थित काशी हिन्दू विश्वविद्यालय (बीएचयू) ने उद्योग एवं कॉर्पोरेट जगत के साथ संस्थागत सहयोग को सुदृढ़ बनाने तथा कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) से जुड़े प्रयासों को नई दिशा देने के लिए सीएसआर प्रकोष्ठ की स्थापना की है। यह पहल शिक्षा जगत और कॉर्पोरेट क्षेत्र के बीच प्रभावी सहभागिता को सुदृढ़ बनाने, कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व से जुड़े प्रयासों को जहां गति देगी। वहीं, समाज एवं राष्ट्र की सेवा के प्रति विश्वविद्यालय की प्रतिबद्धता को और सशक्त करते हुए राष्ट्रीय एवं वैश्विक स्तर पर उसकी प्रतिष्ठा को नई ऊँचाइयों तक भी ले जाएगी। इस कार्य के लिए विश्वविद्यालय प्रशासन ने प्रो. निर्मल डे, मृदा विज्ञान एवं कृषि रसायन विभाग, शिक्षा निवाज संस्थान से निरीक्षण के दो वर्ष की अवधि के लिए सीएसआर प्रकोष्ठ का प्रथम आचार्य प्रभारी नियुक्त किया है। यह ज्ञानकारी विश्वविद्यालय के जनसमर्क अधिकारी ने दी है। उन्होंने बताया कि यह प्रकोष्ठ उद्योग एवं कॉर्पोरेट संस्थानों के साथ समन्वय स्थापित करने के साथ-साथ अनुसंधान, शिक्षा, स्वास्थ्य, ग्रामीण विकास,

उनके आदर्शों को याद किया। बैठक का संचालन जिला महासचिव धनंजय सिंह यादव ने किया। इस अवसर पर राष्ट्रीय सचिव शेख सुलेमान, विधायक स्वामी ओमवेश, विधायक रामअवतार सैनी, पूर्व जिलाध्यक्ष राशिद हुसैन सहित पार्टी के अनेक पदाधिकारी एवं बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

करींगे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस योजना की घोषणा पिछले शिक्षक दिवस पर की थी। इसके बाद शासन स्तर पर आवश्यक तैयारियां पूरी करते हुए योजना को लागू करने की प्रक्रिया तेज की गई। बेसिक शिक्षा विभाग का ऑनलाइन पोर्टल पहले ही लाइव किया जा चुका है, जिस पर अब तक 7.89 लाख से अधिक लाभार्थियों का विवरण दर्ज किया जा चुका है। वहीं माध्यमिक शिक्षा विभाग के लिए भी शुक्रवार से पोर्टल शुरू कर दिया गया है और शिक्षकों का ऑनलाइन पंजीकरण आरंभ हो गया है। राज्य स्वास्थ्य एजेंसी (साचीज) की मुख्य कार्यकारी अधिकारी अर्चना वर्मा के अनुसार योजना के संचालन को पूरी तरह डिजिटल और पारदर्शी बनाया गया है। बेसिक शिक्षा विभाग के शिक्षकों द्वारा पोर्टल पर

दर्ज किए गए विवरण का सत्यापन संबंधित खंड शिक्षा अधिकारी (बीईओ) करेंगे, जबकि अंतिम अनुमोदन जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी (बीएसए) द्वारा किया जाएगा। इसके बाद लाभार्थियों का डेटा राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण (एनएचए) के बेनिफिशरी आइडेंटिफिकेशन सिस्टम (बीआईएस) पोर्टल से जोड़ा जाएगा। इसी प्रकार माध्यमिक शिक्षा विभाग में शिक्षकों के आवेदन का सत्यापन संबंधित विद्यालय के प्रधानाचार्य तथा अंतिम अनुमोदन जिला विद्यालय निरीक्षक (डीआईओएस) करेंगे। आधार आधारित ई-केवाईसी पूरी होने के बाद शिक्षक अपना डिजिटल हेल्थ कार्ड डाउनलोड कर सकेंगे और सूचीबद्ध अस्पतालों में कैशलेस उपचार की सुविधा का लाभ उठा सकेंगे।

पात्रों में किया जाए, ताकि चूहों को भोजन उपलब्ध न हो सके। खेतों की मेड़ों, झाड़ियों और कूड़े के ढेरों की नियमित सफाई तथा निरीक्षण करने से भी इनकी संख्या नियंत्रित की जा सकती है। आवश्यकता पड़ने पर चूहेदानी और कृषि विभाग द्वारा अनुशंसित चूहामार दवाओं का वैज्ञानिक तरीके से प्रयोग करने की सलाह दी गई है। कृषि विभाग ने चूहा नियंत्रण के लिए छह दिवसीय वैज्ञानिक कार्ययोजना भी जारी की है। इसके अंतर्गत सक्रिय बिलों की पहचान, बिना विष वाले चारे का प्रयोग, निर्धारित मात्रा में विषयुक्त चारा रखने, मृत चूहों का सुरक्षित

नाबालिक ने बच्ची को ले जाकर बनाया हवस का शिकार

प्रातः किरण संवाददाता

लोनी। ट्रॉनिका सिटी थाना क्षेत्र की एक बस्ती में रहने वाली नाबालिक लड़की के साथ दुष्कर्म होने का प्रकरण प्रकाश में आया है। पुलिस में घटना के मामले में रिपोर्ट दर्ज कर आरोपित को गिरफ्तार कर लिया है। प्राप्त जानकारी के मुताबिक घटना के मामले में स्थानीय थाने पर तहरीर देते हुए वादी ने बताया है कि उसकी पुत्री जब घर के बाहर खेल रही थी, इसी को देखते हुए बाल अपहरण उसे बहला फुसलाकर अपने साथ ले गया और वहां ले जाकर उसने लड़की के

उद्योग एवं कॉर्पोरेट जगत से साझेदारी को सुदृढ़ करेगा काशी हिन्दू विश्वविद्यालय का सीएसआर प्रकोष्ठ

प्रातः किरण संवाददाता

वाराणसी। उत्तर प्रदेश के वाराणसी स्थित काशी हिन्दू विश्वविद्यालय (बीएचयू) ने उद्योग एवं कॉर्पोरेट जगत के साथ संस्थागत सहयोग को सुदृढ़ बनाने तथा कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) से जुड़े प्रयासों को नई दिशा देने के लिए सीएसआर प्रकोष्ठ की स्थापना की है। यह पहल शिक्षा जगत और कॉर्पोरेट क्षेत्र के बीच प्रभावी सहभागिता को सुदृढ़ बनाने, कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व से जुड़े प्रयासों को जहां गति देगी। वहीं, समाज एवं राष्ट्र की सेवा के प्रति विश्वविद्यालय की प्रतिबद्धता को और सशक्त करते हुए राष्ट्रीय एवं वैश्विक स्तर पर उसकी प्रतिष्ठा को नई ऊँचाइयों तक भी ले जाएगी। इस कार्य के लिए विश्वविद्यालय प्रशासन ने प्रो. निर्मल डे, मृदा विज्ञान एवं कृषि रसायन विभाग, शिक्षा निवाज संस्थान से निरीक्षण के दो वर्ष की अवधि के लिए सीएसआर प्रकोष्ठ का प्रथम आचार्य प्रभारी नियुक्त किया है। यह ज्ञानकारी विश्वविद्यालय के जनसमर्क अधिकारी ने दी है। उन्होंने बताया कि यह प्रकोष्ठ उद्योग एवं कॉर्पोरेट संस्थानों के साथ समन्वय स्थापित करने के साथ-साथ अनुसंधान, शिक्षा, स्वास्थ्य, ग्रामीण विकास,

सपा की मासिक बैठक में मिशन-2027 और शिक्क निर्वाचन चुनाव की रणनीति पर मंथन

प्रातः किरण संवाददाता

अमरोहा। समाजवादी पार्टी के जिला कार्यालय पर शनिवार को जिला अध्यक्ष मस्तराम सिंह यादव की अध्यक्षता में पार्टी की मासिक बैठक आयोजित हुई। बैठक में आगामी शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र चुनाव एवं मिशन-2027 को लेकर संघटनात्मक रणनीति पर चर्चा की गई। जिला अध्यक्ष मस्तराम सिंह यादव ने बताया कि 8 जुलाई को विदेरिया वेंकट हॉल, नौगांव सादात रोड, अमरोहा में विधान परिषद में नेता प्रतिपक्ष एवं शिक्षक विधायक लाल बिहारी यादव शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र के प्रत्याशी हाजी दानिश अख्तर

कांवड़ यात्रा की तैयारियों को लेकर डीएम-एसपी ने की पीस कमेटी की बैठक

कांवड़ मार्ग गङ्गामुक्त, प्रदूषणमुक्त व सुरक्षित बनाने के निर्देश, श्रद्धालुओं की सुविधा पर रहेगा विशेष फोकस

प्रातः किरण संवाददाता

अमरोहा। कांवड़ यात्रा-2026 को शांतिपूर्ण, सुरक्षित एवं व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के उद्देश्य से शनिवार को कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी डॉ. निरिन गोड़ की अध्यक्षता एवं पुलिस अधीक्षक लखन सिंह यादव की मौजूदगी में पीस कमेटी की बैठक आयोजित एवं पुलिस अधिकारियों, शिविर आयोजकों तथा पीस कमेटी के सदस्यों के साथ कानून-व्यवस्था, सुरक्षा, यातायात प्रबंधन और श्रद्धालुओं की सुविधाओं को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। जिलाधिकारी ने कहा कि सभी विभाग समय रहते अपनी तैयारियां पूरी करें ताकि कांवड़ियों को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। उन्होंने अधिकारियों को कांवड़

निस्तारण तथा बिलों को पुनः बंद करने जैसी प्रक्रियाएं शामिल हैं। अभियान के दौरान रासायनिक दवाओं का प्रयोग करते समय दस्ताने पहनने, दवाओं को बच्चों एवं पालतू पशुओं की पहुंच से दूर रखने, खाद्य सामग्री को सुरक्षित रखने तथा मृत चूहों को नंगे हाथों से न छूने की सलाह भी दी गई है। जिला कृषि रक्षा अधिकारी ने सभी किसानों एवं नागरिकों से अपील की है कि वे इस अभियान में सक्रिय सहयोग करें, ताकि संचारी रोगों की रोकथाम के साथ-साथ स्वस्थ, सुरक्षित और स्वच्छ वातावरण का निर्माण किया जा सके।

नाबालिक ने बच्ची को ले जाकर बनाया हवस का शिकार



साथ बलात्कार किया है। पुलिस का कहना है कि घटना के मामले में वादी की तहरीर पर रिपोर्ट दर्ज कर आरोपित लड़के को गिरफ्तार कर उसे बाल सुधार ग्रह भेज दिया गया है।

लोनी तिराहे से हटाई मजार तो अन्य दो स्थानों पर चला पीला पंजा



प्रातः किरण संवाददात

लोनी। शनिवार को प्रशासन ने जहां लोनी तिराहे के निकट बनी एक मजार को हटवा दिया, वहीं दूसरी ओर अन्य दो स्थानों पर हुए अतिक्रमण को भी पीले पंजे की मदद से ध्वस्त करा दिया गया। इस कार्रवाई के दौरान भारी पुलिस बल तैनात रहा। पुलिस प्रशासनिक अधिकारियों की मौजूदगी में हुई उक्त कार्रवाई के दौरान किसी भी अनहोनी घटना के मध्यनजर ने सक्रिय सहयोग करें, ताकि संचारी रोगों की रोकथाम के साथ-साथ स्वस्थ, सुरक्षित और स्वच्छ वातावरण का निर्माण किया जा सके।

महिला ने लगाया अज्ञात लोगों द्वारा मकान पर फायरिंग करने का आरोप, पुलिस जांच में जुटी

लोनी। लोनी थाना क्षेत्र अंतर्गत न्यू विकास नगर कॉलोनी में रहने वाली एक महिला ने बीती रात अपने मकान पर अज्ञात लोगों द्वारा अंधाधुंध फायरिंग करने के मामले में थाने पर शिकायत दी है। पुलिस घटना की तह तक पहुंचने के लिए जांच पड़ताल में जुटी है। न्यू विकास नगर कॉलोनी में रहने वाली राजेश देवी कश्यप नेबी स्वराजेंद्र कश्यप ने बीती रात पुलिस को सूचना दी थी, कि अज्ञात हमलावरों ने उसके मकान पर आकर अंधाधुंध फायरिंग की है। सूचना मिलते ही मय पुलिस बल घटना स्थल पर पहुंचे थाना प्रभारी घटना के मामले की गहनता के साथ जांच करने में जुट गए। पुलिस के मुताबिक जिस मकान पर फायरिंग हुई है उसमें वादि्या राजेश देवी, उनके दो बेटे व तीन बेटियां रहती है। वहीं एसीपी लोनी का कहना है कि पुलिस इस मामले की तह तक जाने के लिए हर एंगल पर काम कर रही है। प्रथम दृष्टा यह मामला संदिग्ध प्रतीत हो रहा है।

एलएलबी प्रथम सेमेस्टर की उतर पुस्तिकाओं के निरीक्षण को लेकर विश्वविद्यालय के निर्देश जारी

प्रातः किरण संवाददाता अनीश त्यागी

मुरादाबाद/बिजनौर। गुरु जम्भेश्वर विश्वविद्यालय, मुरादाबाद ने विधि संकाय के एलएलबी (त्रि-वर्षीय) प्रथम सेमेस्टर की मुल्यांकित उतर पुस्तिकाओं के निरीक्षण (इंस्पेक्शन) की प्रक्रिया को लेकर सभी संबद्ध विधि महाविद्यालयों से प्राचार्यों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए हैं। परीक्षा नियंत्रक द्वारा जारी पत्र के अनुसार, विश्वविद्यालय ने सभी संबद्ध महाविद्यालयों से निरीक्षण के इच्छुक छात्र-छात्राओं की समेकित सूची निर्धारित प्रोफार्मा पर हाई एवं सॉफ्ट कॉपी के रूप में 8 जुलाई 2026 तक विश्वविद्यालय कार्यालय में उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं। विश्वविद्यालय ने स्पष्ट किया है कि उक्त सूची 8 जुलाई को शाम 5 बजे तक हर हाल में जमा

कराई जाए। निर्धारित समय के बाद प्राप्त होने वाले प्रार्थना पत्रों अथवा अभिलेखों पर कोई विचार नहीं किया जाएगा। विश्वविद्यालय प्रशासन ने यह भी निर्देशित किया है कि उतर पुस्तिकाओं के निरीक्षण के दौरान संबंधित छात्र-छात्राओं एवं उनके अभिभावकों के साथ संबंधित महाविद्यालय के प्रबंधक की उपस्थिति भी अनिवार्य होगी। इससे निरीक्षण प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी एवं सुव्यवस्थित बनाया जा सकेगा। विश्वविद्यालय ने बताया कि इस संबंध में पूर्व में जारी अन्य दिशा-निर्देश यथावत प्रभावी रहेंगे तथा सभी महाविद्यालयों से उनका शत-प्रतिशत पालन सुनिश्चित करने को कहा गया है। परीक्षा नियंत्रक ने सभी संबद्ध संस्थानों से निर्धारित समयसीमा के भीतर आवश्यक औपचारिकताएं पूरी करने का आग्रह किया है।

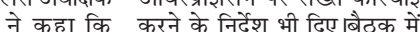
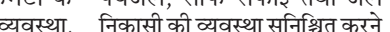
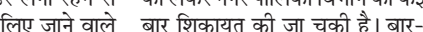
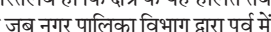
हैं। उन्होंने रोजगार, शिक्षा, स्वास्थ्य, कानून व्यवस्था एवं किसानों के मुद्दों को उठाते हुए कहा कि मिशन-2027 की सफलता के लिए सभी से संगठन को मजबूत करना होगा और जनसंपर्क अभियान तेज करना होगा। शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र के सपा प्रत्याशी हाजी दानिश अख्तर ने कहा कि जिन शिक्षकों के मतदाता सूची में नाम अभी तक दर्ज नहीं हुए हैं, उनके वोट बनवाने का अभियान चलाया जाए। उन्होंने कार्यकर्ताओं से अपने पक्ष में अधिक से अधिक समर्थन जुटाने की अपील की। उन्होंने कहा कि समाजवादी सरकार के कार्यकाल में आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे, डायल-100, 1090



मार्गों का संयुक्त निरीक्षण कर सभी कमियां तत्काल दूर करने, सड़कों को गड़बूझ करने, पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था, बैरिकेडिंग, रिफ्लेक्टर, पेयजल, साफ-सफाई तथा जल निकासी की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। प्रमुख मंदिरों पर सीसीटीवी कैमरे, पीए सिस्टम और निर्बाध विद्युत आपूर्ति भी सुनिश्चित करने को कहा गया। डॉ. गोड़ ने अधिकारियों को नियमित रूप से पीस कमेटी की बैठकें आयोजित करने और शिविर संचालकों व धार्मिक नेताओं से लगातार संवाद

बनाए रखने के निर्देश दिए। उन्होंने सोशल मीडिया पर अफवाहों से बचने और किसी भी संदिग्ध सूचना की तत्काल पुलिस को जानकारी देने की अपील की। पुलिस अधीक्षक लखन सिंह यादव ने कहा कि कांवड़ मार्गों एवं शिविरों में पर्याप्त सुरक्षा का आह्वान किया जा रहा है। बैठक में सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएं तथा महिलाओं के लिए अलग शौचालय की व्यवस्था अनिवार्य रूप से की जाए। उन्होंने अग्निशमन विभाग को आपात स्थिति से निपटने के लिए पूरी तैयारी रखने तथा प्रमुख स्थलों पर स्पष्ट साइन

बोर्ड लगाने के निर्देश दिए। साथ ही कांवड़ मार्ग पर स्थित ढाबों, होटल और रेस्टोरेंटों पर खाद्य पदार्थों के ओवरप्राइसिंग पर सख्त कार्रवाई करने के निर्देश भी दिए।बैठक में मुख्य विकास अधिकारी अश्वनी कुमार मिश्र, अपर जिलाधिकारी (न्यायिक) धीरेन्द्र प्रताप सिंह, अपर पुलिस अधीक्षक अखिलेश भदौरिया, उपजिलाधिकारी, पुलिस क्षेत्राधिकारी, विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं पीस कमेटी के सदस्य मौजूद रहे।





समय के साथ बदल रही हैं टीवी की कहानियां, अब मनोरंजन के साथ समाज को जागरूक करना भी जरूरी

टीवी अभिनेत्री ईशा सिंह इन दिनों अपने नए सीरियल ‘जुही मुई’ को लेकर चर्चा में हैं। इस सीरियल में वह एक ऐसी लड़की का किरदार निभा रही हैं, जो ऑटिज्म से जुड़ी चुनौतियों के बीच अपने सपनों को पूरा करने की कोशिश करती है। इसी बीच ईशा सिंह ने टेलीविजन की बदलती कहानियों, दर्शकों की नई पसंद और समाज से जुड़े विषयों पर अपनी राय पेश की। उन्होंने कहा कि आज के समय में केवल मनोरंजन करना ही काफी नहीं है, बल्कि शो के जरिए लोगों को जागरूक करना भी उतना ही जरूरी हो गया है। आईएनएस से बात करते हुए ईशा सिंह ने कहा, ‘‘समय के साथ टीवी की दुनिया तेजी से बदल रही है। पहले जहां सीरियल्स में केवल पारिवारिक रिश्तों और मनोरंजन पर ज्यादा ध्यान दिया जाता था, वहीं अब ऐसे विषयों की भी जगह मिल रही है जो समाज के लिए बेहद महत्वपूर्ण हैं। आज के दर्शक पहले से ज्यादा जागरूक हैं और वे ऐसी कहानियां देखना पसंद करते हैं, जिनसे उन्हें कुछ नया सीखने को मिले। यही वजह है कि निर्माता और लेखक भी अब ऐसे विषय चुन रहे हैं जो लोगों को सोचने पर मजबूर

करें और समाज में सकारात्मक बदलाव लाने का काम करें।’’ उन्होंने कहा, ‘‘आज की युवा पीढ़ी टेलीविजन की कहानियों को नई दिशा देने में बड़ी भूमिका निभा रही है। अब वही शो ज्यादा पसंद किए जाते हैं, जिनमें मनोरंजन के साथ मैसेज भी हो। आखिरकार टीवी पर वही दिखाया जाता है जिसे दर्शक देखना चाहते हैं। अगर लोगों की पसंद बदलती है तो कार्यक्रमों की कहानियां भी बदलना स्वाभाविक है, इसलिए आज ऐसे विषयों पर काम किया जा रहा है जो समाज के अलग-अलग वर्गों से जुड़े हों और लोगों के बीच जागरूकता बढ़ा सकें।’’ ईशा ने कहा, ‘‘टीवी केवल मनोरंजन का माध्यम नहीं है, बल्कि यह समाज को सही दिशा दिखाने का एक जरिया भी है। अगर किसी शो के जरिए लोगों को किसी सामाजिक विषय के बारे में जानकारी मिलती है, तो उसका असर लाखों परिवारों तक पहुंच सकता है। ऐसे शोज लोगों की सोच बदलने और संवेदनशील विषयों को समझने में मदद करते हैं। इसलिए कलाकारों और कार्यक्रम बनाने वालों की जिम्मेदारी पहले से कहीं ज्यादा बढ़ गई है।’’

यशराज-पोशम पा पिव्चर्स की ‘मुपापा’ का हिस्सा बने आयुष्मान

आयुष्मान खुराना ने अपने करियर में कई लीक से हटकर फिल्मों की हैं। वह ऐसी ही एक फिल्म ‘मुपापा’ का हिस्सा बनने वाले हैं, इससे बॉलीवुड के दो बड़े प्रोडक्शन हाउस मिलकर बनाएंगे। जानिए, कब रिलीज होगी आयुष्मान खुराना की यह फिल्म? फिल्म ‘मुपापा’ को यश राज फिल्म्स और पोशम पा पिव्चर्स मिलकर बना रहे हैं, यह इन दोनों प्रोडक्शन हाउस का पहला कोलेबोरेशन है। यह

मिलकर ‘मुपापा’ नाम की फिल्म बना रहे हैं। इसमें आयुष्मान खुराना लीड रोल में हैं। मेकर्स के मुताबिक ‘मुपापा’ काफी अलग जॉनर की फिल्म है। इसे समीर सक्सेना निर्देशित करेंगे। वह अब तक ‘ट्रिपलिंग’, ‘ये मेरी फैमिली’ और ‘परमानेंट रूममेट्स’ जैसी सीरीज बना चुके हैं। साथ ही जितेंद्र कुमार स्टारर फिल्म ‘जादूगर’ का निर्देशन भी वह कर चुके हैं।



कंगना रनौत ने पूरी की अगली फिल्म ‘क्वीन 2’ की शूटिंग

कंगना रनौत अपनी हाल ही में रिलीज हुई फिल्म ‘भारत भाग्य विधाता’ को लेकर चर्चा में हैं। यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर बहुत अच्छा नहीं कर सकी। इस बीच उनकी अपकमिंग फिल्म ‘क्वीन 2’ को लेकर नई अपडेट आई है। खबर है कि कंगना ने अपनी मशहूर फिल्म ‘क्वीन’ के बहुप्रतीक्षित सीक्वल ‘क्वीन 2’ की शूटिंग पूरी कर ली है। एक्टर-फिल्ममेकर ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरीज पर यह जानकारी दी। उन्होंने कास्ट और क्यू के साथ शूटिंग खत्म होने का जश्न मनाते हुए एक फोटो शेयर की। फोटो में रनौत को फिल्म की टीम के साथ देखा गया। शूटिंग पूरी होने के साथ ही, यह प्रोजेक्ट अब पोस्ट-प्रोडक्शन स्टेज में है।

कब रिलीज हुई ‘क्वीन’?

मेकर्स ने अभी तक इस फिल्म की आधिकारिक रिलीज डेट का एलान नहीं किया है। ‘क्वीन 2’ में कंगना रनौत के मशहूर किरदार ‘रानी’ की वापसी हो रही है। दर्शकों ने फिल्म ‘क्वीन’ को काफी प्यार दिया था। 2014 में रिलीज हुई ओरिजिनल ‘क्वीन’ का निर्देशन विकास बहल ने किया था और इसे समीक्षकों से खूब तारीफ मिली थी।

क्या है फिल्म की कहानी

फिल्म में कंगना रनौत ने रानी मेहरा का किरदार निभाया था। रानी दिल्ली की एक ऐसी लड़की थी, जिसे हमेशा घर की चारदीवारी में रखा गया था। जब उसका मंगेतर (राजकुमार राव) शादी तोड़ देता है, तो वह अकेले ही हनीमून पर निकल पड़ती है। यूरोप की अपनी यात्रा के दौरान, रानी का आत्मविश्वास बढ़ता है, वह आजादी को अपनाती है और खुद को नए सिर से खोजती है।



अपनी क्षमताओं को लेकर इनसिक्वोर हैं अभिषेक बच्चन

अभिषेक बच्चन ने हाल ही में फिल्म इंडस्ट्री में 26 साल पूरे किए हैं। उनकी पहली फिल्म ‘रिफ्युजी’ 2000 में रिलीज हुई थी और इसी फिल्म से करीना कपूर ने भी एक्टिंग की दुनिया में कदम रखा था। हाल ही में एक बातचीत में अभिषेक ने अपने सफर को याद किया और बताया कि कैसे इतने साल में एक एक्टर के तौर पर उनका आत्मविश्वास बढ़ा है।

अब कैमरे के सामने मैं कम्फर्टबल हूं

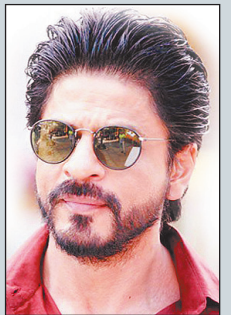
अभिषेक ने एक एक्टर के तौर पर खुद में आए सबसे बड़े बदलाव के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि बस एक ही बदलाव आया है कि अब मैं ज्यादा कम्फर्टबल महसूस करता हूं। मुझे लगता है कि जब मैंने शुरुआत की थी, तो थोड़ी असहजता थी। लेकिन अब कैमरे के सामने मैं ज्यादा कम्फर्टबल रहता हूं। जब आप जैसे हैं वैसे ही रहते हैं और खुद में सहज महसूस करते हैं, तो आपको उन फैसलों के बारे में स्पष्टता मिलती है जो आपको लेने होते हैं। आज मैं बहुत स्पष्ट हूँ या यूँ कहूँ कि पिछले पांच से सात साल से कि किसी खास समय पर मुझे क्या नहीं करना है। करियर की शुरुआत में बहुत उत्साह होता है और काम मिलेगा या नहीं, इसे लेकर असुरक्षा भी होती है। इसलिए जो भी काम मिलता है, आप उसे कर लेते हैं।

किसी दूसरे एक्टर से कभी नहीं हुआ इनसिक्वोर

अभिषेक ने उन इनसिक्वोरिटीज के बारे में भी बात की जिनका सामना अवसर एक्टरों को करना पड़ता है। उन्होंने बताया कि उन्हें अपने साथियों की सफलता को लेकर कभी असुरक्षा महसूस क्यों नहीं हुई। उन्होंने कहा कि मैं विलयर होता हूँ कि मुझे यह नहीं करना है। इसका मतलब है कि मैं निश्चित रूप से यह करना

चाहता हूँ। इसलिए इसमें बहुत ज्यादा पक्का इरादा होता है और यह एक तरह की परिपक्वता और शांति से आता है। मुझे लगता है कि इससे आपके काम में भी मदद मिलती है। अब हम हर जगह नहीं भटकते। मैं कभी भी इस बात को लेकर इनसिक्वोर एक्टर नहीं रहा कि ‘वह क्या कर रहा है’। अपनी क्षमताओं को लेकर इनसिक्वोर, हाँ। मुझे लगता है कि सभी एक्टर इस बात को लेकर इनसिक्वोर होते हैं कि ‘क्या मैं यह कर पाऊंगा?’

शाहरुख के साथ ‘किंग’ में नजर आएंगे अभिषेक



अपने 26 साल के करियर में अभिषेक ने कई यादगार फिल्मों दी हैं, जिनमें ‘गुरु’, ‘ब्लफमास्टर’, ‘बटो और बबली’, ‘धूम’ फ्रैंचाइजी, ‘युवा’ और अन्य शामिल हैं। इन दिनों अभिषेक शाहरुख खान की आगामी फिल्म ‘किंग’ की शूटिंग में व्यस्त हैं। इस मच अवेटेड फिल्म में अभिषेक विलेन के रोल में नजर आएंगे। इस फिल्म में एक बड़ी स्टारकास्ट नजर आएगी, जिसमें शाहरुख और अभिषेक के अलावा सुहाना खान, दीपिका पादुकोण, अनिल कपूर, जैकी श्राफ, अरशद वारसी, राघव जुयाल, जयदीप अहलावत, अक्षय ओबेरॉय और रानी मुखर्जी सरीखे कई नाम शामिल हैं।



मेरे लिए ‘शेखर टुनाइट’ एक तरह से इंकलाब है

शेखर सुमन इस वक़्त अपने शो ‘शेखर टुनाइट’ को लेकर सुखियों में हैं, जो गर्द उड़ा रहा है और काफी पसंद किया जा रहा है। इसमें वह राजनीतिक और सामाजिक मुद्दों पर बेबाकी से बोलते हैं। शेखर ने इंटरव्यू में निडरता, सरकार से सवाल पूछने, आज की कॉमेडी और स्टैंडअप कॉमेडियंस पर बात की। आज जब सिस्टम या सरकार के खिलाफ बोलना आसान नहीं रहा, क्या शेखर को डर नहीं लगता? इस पर वह कहते हैं, ‘हां, आज लोगों में बहुत डर हो गया है, पर आपको डरना क्यों चाहिए? आप कोई गुनाह थोड़ी कर रहे हैं? किसी को गाली थोड़ी दे रहे हैं। मैं हमेशा कहता हूँ कि आपकी भाषा सभ्य होनी चाहिए। आप प्रधानमंत्री से चाहे जितने तीखे सवाल करें, मगर उनके पद की गरिमा बहुत जरूरी है। हम जब मोदी जी के बारे में बोलते हैं तो उनकी गरिमा का पूरा ध्यान रखते हैं, पर जहां वो गलत हैं, वहां उंगली भी दिखाएंगे क्योंकि हमने उन्हें चुना है। अब जो शीर्ष पर है, उनकी जिम्मेदारी बन जाती है। हमें लोगों से भी जबरदस्त प्रतिक्रिया भी मिली है।’

टीवी चैनल्स में ऐसा शो करने का दम नहीं

इस शो को लाने की चुनौतियों और ‘मूवर्स एंड शेखर्स’ के 14 साल के लंबे अंतराल के सवाल पर

वह बताते हैं, ‘हर चीज का एक वक़्त होता है। जब समय आता है तो चीजें अपने आप हो जाती हैं। मैं बहुत चीजों में व्यस्त था। मैंने एक फिल्म अकेडमी खोली है। मेरे नाटक ‘साहिर अमृत’ के 125 शो किए। मेरी इस साल 4 फिल्में/सीरीज आ रही हैं। उनकी शूटिंग थी तो यह शो आगे-पीछे हो रहा था, पर हमारे सुपुत्र अध्ययन ने कहा लोगों का बहुत प्रेशर है और अब इसे करना ही है। तब मैंने कहा कि पहले तो इसकी परिभाषा बदली जाए कि यह कॉमेडी शो नहीं है।’

मेरे लिए ‘शेखर टुनाइट’ यह शो से परे है

‘मेरे लिए यह एक तरह से इंकलाब है। यह एक लम्हा है जो मैं अपनी ऑडियंस के साथ गुजारता हूँ। उनके साथ देश की सामाजिक-राजनीतिक बातें करता हूँ। मेरे लिए यह शो से परे है। चुनौती ये थी कि इसे लाया किस प्लेटफॉर्म पर जाए क्योंकि किसी चैनल में इतना दम नहीं है कि ऐसा शो कर सके। वहां सब कायर बैठे हैं। उनका ज्ञान जीरो है। ओटीटी में भी अब वही चलन आ रहा है कि यह मत कहिए, वो मत कहिए तो मैं ऐसे बेवकूफों के आधीन काम नहीं कर सकता। इसलिए हमने यूट्यूब को चुना, जहां पूरी आजादी को अपनाती है और खुद को नए सिर से खोजती है।’

हिंदुस्तान में हास्य छिछोरा हो चुका है

वहीं, मौजूदा टीवी और स्टैंडअप कॉमेडी को लेकर उनका कहना है, ‘मैंने खुद को और अपने शो को हास्य से बहुत दूर रखा है। मैं पहले जब कॉमेडी शो जज भी करता था तो लोग कहते थे कि आप हंसते क्यों नहीं? मैंने कहा कि आप बेवकूफी कर रहे हैं तो मुझे हंसी नहीं आ रही है। मैं हास्य से बहुत दूर हूँ क्योंकि हिंदुस्तान में हास्य बहुत ही छिछोरा हो चुका है। वह अब बस लड़का लड़की बनकर, एक्टरों की

नकल करके होता है। हास्य की गरिमा ही खत्म हो गई।

अध्ययन अब पीछे मुड़कर नहीं देखेगा

शेखर के शो के क्रिएटर और डायरेक्टर उनके बेटे अध्ययन सुमन हैं, जिनके लिए कभी शेखर ने फिल्म ‘हार्टलेस’ डायरेक्ट और प्रड्यूस की थी। बकील शेखर, ‘एक पिता के तौर पर यह बहुत गर्व और खुशी की बात है। मेरे लिए यह बहुत ही खूबसूरत साझेदारी है। जिस तरह उसने मुझे शो के प्रोमो में पेश किया वो बहुत ही क्लासी था।’

अध्ययन 19 की उम्र में स्टार बन जाता तो भटक जाता

‘वह 19 साल की उम्र में बहुत बड़ा सितारा बन जाता तो शायद भटक जाता। तब उनमें वह मैच्योरिटी नहीं थी लेकिन तकलीफ, निराशा, असफलता आपकी जिंदगी को और पुख्ता बनाता है, तो अब वो जो इंसान बना है, उसकी समझ इतनी खूबसूरत हो गई कि वो जो काम करता है, वो बहुत कमाल करता है। यहां से वो पीछे मुड़कर नहीं देखेगा। उसे रोकने के लिए दुनिया में पलतय होना जरूरी है, तो हम सबके लिए यह बड़ी खुशी की बात है। पहले मैं कभी फिक्रमंद होता था कि वह नहीं कर पा रहा। मैंने फिल्म भी बनाई तो मेरी पत्नी ने अभी बड़े प्यार से मेरा गाल सहलाया और कहा कि देखो, मेरे बेटे ने तुम्हारा सारा कर्ज उतार दिया।’





200000 से ज्यादा सस्ती मिल रही चांदी; रिकॉर्ड हाई से 46% टूटी

नई दिल्ली, एजेंसी। चांदी की कीमतों में आई ऐतिहासिक तेजी के बाद अब उतनी ही बड़ी गिरावट देखने को मिल रही है। जनवरी 2026 में चांदी की कीमत अपने ऑल टाइम हाई पर पहुंच गई थी। उस समय चांदी का भाव प्रति किलो 4,40,000 रुपये तक चला गया था। इसके बाद



चांदी में ऐसी गिरावट आई कि अभी तक संभल नहीं पाई है। अपने पीक से चांदी इस समय प्रति किलो 2 लाख रुपये से ज्यादा गिर गई है। यानी इसमें 45 फीसदी से ज्यादा की गिरावट आई है। एमसीएक्स पर शुक्रवार को चांदी का भाव प्रति किलो 2,37,499 रुपये पर बंद हुआ। ऐसे में चांदी का भाव अपने ऑल टाइम हाई के मुकाबले 2,02,501 रुपये नीचे आ गया है। यानी चांदी में 46 फीसदी की गिरावट आई है। हालांकि पिछले कुछ समय से इसमें उतार-चढ़ाव बना हुआ है, लेकिन कीमतों में बहुत ज्यादा सुधार नहीं हुआ है। चांदी केवल एक कीमती धातु नहीं है, बल्कि इसका 50% से 60% उपयोग उद्योगों (चौर ऊर्जा, इलेक्ट्रिक वाहन और इलेक्ट्रॉनिक्स) में होता है। 13-4 गुना दाम बढ़ने के बाद उद्योगों ने

अभी और गिरावट की आशंका

कुछ एक्सपर्ट्स के मुताबिक चांदी में अभी और गिरावट आ सकती है। फिलहाल एकमुश्त बड़ी खरीदारी से बचना चाहिए। जुलाई के महीने में महंगाई की चिंताओं और ऊंची ब्याज दरों के कारण चांदी पर दबाव बना रह सकता है। ऐतिहासिक रूप से अगस्त का महीना चांदी के लिए बहुत अच्छा रहता है।

एक्सचेंजों द्वारा मार्जिन बढ़ाए गए, जिससे निवेशकों ने बड़े पैमाने पर मुनाफावसूली की। अमेरिका-ईरान संघर्ष के कारण निवेशकों ने सुरक्षित निवेश के रूप में अमेरिकी डॉलर और ट्रेजरी बॉन्ड्स का रुख किया।

डीए हाइक पर सबसे बड़ा अपडेट!

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय कर्मचारियों और पेंशनभोगियों के लिए इस महीने महंगाई भत्ता को लेकर बड़ी खुशखबरी आ सकती है। हाल के महंगाई आंकड़ों और ऑल इंडिया कंज्यूमर प्राइस इंडेक्स फॉर इंडस्ट्रियल वर्कर्स के ट्रेंड को देखते हुए उम्मीद जताई जा रही है कि सरकार जल्द ही 3% से 4% तक बढ़ाने का एलान कर सकती है। हालांकि, अंतिम फैसला जून 2026 के आंकड़ों और केंद्रीय कैबिनेट की मंजूरी के बाद ही होगा।

गौरतलब है कि केंद्र सरकार ने अप्रैल 2026 में महंगाई भत्ते में 2% की बढ़ोतरी की थी, जिसे 1 जनवरी 2026 से लागू किया गया। इसके बाद केंद्रीय कर्मचारियों और पेंशनर्स का 58% से बढ़कर 60% हो गया। महंगाई भत्ता कर्मचारियों के वेतन का वह हिस्सा होता है, जिसका उद्देश्य बढ़ती महंगाई के असर को कम करना है। इसका लाभ करीब 50 लाख केंद्रीय कर्मचारियों और 65 लाख पेंशनभोगियों, जिनमें रेलवे और रक्षा क्षेत्र के कर्मचारी भी शामिल हैं, को मिलता है। अब सभी की नजर जून 2026 के आंकड़ों पर

टिकी है। उपलब्ध सरकारी आंकड़ों के अनुसार, मार्च 2026 में 149.1, अप्रैल में



149.9 और मई में 150.8 रहा। यदि जून में भी यह सूचकांक इसी रफ्तार से बढ़कर लगभग 151.7 तक पहुंचता है, तो 12 महीने का औसत करीब 148.63 रहने का अनुमान है। इसी आधार पर की गणना करने पर महंगाई भत्ता लगभग 63.7% निकलता है। चूंकि वर्तमान में 60% है, इसलिए इसमें करीब

बढ़ोतरी 3% या 4% हो सकती है। केंद्र सरकार के कर्मचारियों का महंगाई भत्ता 7वें वेतन आयोग द्वारा तय किए गए फॉर्मूले के अनुसार निकाला जाता है। इसमें पिछले 12 महीनों के औसत का इस्तेमाल किया जाता है। बढ़ती महंगाई के साथ बढ़ता है और उसी के अनुसार संशोधन किया जाता है।

यही कारण है कि महंगाई बढ़ने पर कर्मचारियों में भी बढ़ोतरी देखने को मिलती है।

महंगाई के ताजा आंकड़े क्या कहते हैं

सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, अप्रैल 2026 में खुदरा महंगाई दर 3.48% रही, जबकि खाद्य महंगाई 4.20% दर्ज की गई। अगर आने वाले महीनों में महंगाई नियंत्रित रहती है, तो में बढ़ोतरी सीमित रह सकती है। लेकिन, मौजूदा ट्रेंड से फिलहाल 3-4% बढ़ने की संभावना मजबूत दिखाई दे रही है।

7वें वेतन आयोग में अब तक कितनी बार बढ़ा

7वें वेतन आयोग के दौरान अब तक 10 बार महंगाई भत्ते में बढ़ोतरी की जा चुकी है। इनमें सबसे बड़ी बढ़ोतरी जुलाई 2021 में हुई थी, जब 11% का इजाफा किया गया था। इसके बाद अधिकांश बार 2% से 4% के बीच ही बढ़ोतरी देखने को मिली।

अंतिम फैसला कब होगा

हालांकि, अनुमानित आंकड़े 3-4% बढ़ोतरी की ओर इशारा कर रहे हैं, लेकिन अंतिम निर्णय केंद्रीय मंत्रिमंडल ही लेगा। सरकार जून 2026 के अंतिम आंकड़ों की समीक्षा करने के बाद बढ़ोतरी को मंजूरी दे सकती है। यदि ऐसा होता है, तो करोड़ों कर्मचारियों और पेंशनर्स की सैलरी और पेंशन में एक बार फिर बढ़ोतरी देखने को मिलेगी। मौजूदा आर्थिक संकेतों और ट्रेंड को देखते हुए केंद्रीय कर्मचारियों के लिए इस महीने 3% से 4% बढ़ोतरी की उम्मीद काफी मजबूत मानी जा रही है। हालांकि, आधिकारिक घोषणा होने तक कर्मचारियों को थोड़ा इंतजार करना होगा।

जो इस चेंज को समझेगा, वही राज करेगा, ' आइडिया पर इतना भरोसा कि छोड़ी नौकरी, आज करोड़ों में खेल रहे

● आइडिया पर भरोसा करके उन्होंने रास्ता बदलने का रिस्क लिया

नई दिल्ली, एजेंसी। भरत कालिया गुरुग्राम के रहने वाले हैं। उन्होंने अच्छी सैलरी वाली नौकरी छोड़कर अपना खुद का कारोबार खड़ा कर दिया है। अपने आइडिया पर भरोसा करके उन्होंने रास्ता बदलने का रिस्क लिया। होम एप्लायंसेज के क्षेत्र में सालों से कोई बड़ा तकनीकी बदलाव न होता देख उन्हें यह विचार आया। 2015 में उन्होंने अपने स्टार्टअप की नींव रखी। इसका नाम लाइफ्लॉग ऑनलाइन है। आज यह एक बेहद सफल डिजिटल-फर्स्ट (डायरेक्ट-टू-कंज्यूमर) ब्रांड बन चुका है। ग्राहकों की जरूरतों को समझकर हर महीने यह ब्रांड करोड़ों रुपये की कमाई कर रहा है। आइए, यहां भरत कालिया की सफलता के सफर के बारे में जानते हैं। टीम मैनेजर के पद पर काम कर रहे थे। उन्होंने महसूस किया कि मोबाइल और टीवी के उलट होम एप्लायंसेज (घरेलू उपकरण) के क्षेत्र



छोटे शहरों और ग्रामीण इलाकों के उपभोक्ता बेहतर जीवन स्तर तो चाहते थे। लेकिन, बाजार में उपलब्ध उत्पाद उनकी जेब और जरूरत के हिसाब से डिजाइन नहीं थे। इसी कमी को दूर करने के लिए भरत कालिया ने अपनी कॉर्पोरेट नौकरी को अलविदा कहा।

अपनाया यह खास मॉडल

भरत कालिया की स्ट्रैटेजी पूरी तरह से 'कस्टमर-बैकवर्ड्स' मॉडल पर आधारित थी। इसका उद्देश्य ग्राहकों की समस्याओं को गहराई से समझना, बिचौलियों को हटाकर सीधे उन तक पहुंचना और बेहद चुस्त सप्लाई चेन बनाना था। कंपनी ने अपने सफर की शुरुआत मिक्सर ग्राइंडर से की थी। अपने बिजनेस को तेजी से बढ़ाने के लिए उन्होंने 'एसट-लाइट मैन्यूफैक्चरिंग मॉडल' अपनाया। कंपनी अपनी फेक्ट्रियां खुद खरीदने के बजाय उन्हें लीज पर लेती है, जहां अन्य उद्यमी विशेष रूप से केवल उनके स्टार्टअप के लिए ही उत्पाद बनाते हैं। बिचौलियों के न होने और इस मॉडल की वजह से कंपनी अपने ग्राहकों को पारदर्शी और बेहद प्रतिस्पर्धी कीमतों पर सामान उपलब्ध कराने में सफल रही। भरत कालिया ने एक इंटरव्यू में कहा था, 'आज

का युवा ग्राहक सिर्फ सामान नहीं खरीदता, वह रेंटिंग्स और रिव्यू के जरिए फैसलों में हिस्सा लेता है। जो ब्रांड इस बदलाव को समझेगा, वही भविष्य पर राज करेगा।' उनके स्टार्टअप ने 60 से 90 दिनों का एक तेज 'प्रोडक्ट डेवलपमेंट साइकिल' तैयार किया है। यह ऑनलाइन मिलने वाले ग्राहकों के रिव्यू और रेटिंग्स के डेटा पर काम करता है। शुरुआत में बूटस्ट्रेड (खुद के फंड) से चलने वाली इस कंपनी ने साल 2019 में 'टैंगलिन वेंचर पार्टनर्स' से 40 करोड़ रुपये की सीरीज-ए फंडिंग जुटाई। वजह यह थी कि बैंकों से वॉर्किंग कैपिटल लोन मिलना काफी चुनौतीपूर्ण था। कोरोना के दौरान जब घरों में जाकर सर्विस देना असंभव हो गया, तब कंपनी ने डिजिटल कंटेंट के जरिए ग्राहकों को खुद से इंस्टॉलेशन और सर्विसिंग करना सिखाया।

ऑयल प्रोडक्शन बढ़ने के बावजूद महंगा हुआ क्रूड

इससे एक महीने पहले यह हर रोज महज 3.3 बैरल का प्रोडक्शन हो रहा था

नई दिल्ली, एजेंसी। क्रूड ऑयल एक्सपोर्ट करने वाले देशों के संगठन है ओपेक। इसके 11 सदस्य देशों ने जून में हर रोज 19.43 बैरल क्रूड का प्रोडक्शन किया। इससे एक महीने पहले यह हर रोज महज 3.3 बैरल का प्रोडक्शन हो रहा था। लेकिन यह सामान्य से अभी भी काफी कम है। न्यूज एजेंसी रायटर ने इस बारे में खबर दी है। इस खबर के आने के बाद भी शुक्रवार को इंटरनेशनल क्रूड मार्केट में कच्चा तेल थोड़ा महंगा हो कर बंद हुआ। हालांकि, भारत में पेट्रोल-डीजल बेचने वाली सरकारी कंपनियों ने शनिवार, 04 जुलाई 2026, को भी दाम में कोई बदलाव नहीं किया। अपने यहां 25 मई 2026 के बाद दाम में कोई बदलाव नहीं हुआ है।

मई 2026 में 4 बार बढ़े हैं दाम। पश्चिम बंगाल समेत 5 राज्यों में विधानसभा चुनाव खत्म होने के बाद ही पेट्रोलियम कंपनियां इस साल मई में चार बार दाम बढ़ा चुकी है। ऐसा महज 11 दिनों में हुआ था। सरकारी पेट्रोलियम कंपनियों ने सबसे पहले 15 मई 2026 को पेट्रोल 3 रुपये और डीजल 3.29 पैसे महंगा किया था। इसके बाद 19 मई को पेट्रोल 87 पैसे



मई 2026 को पेट्रोल 2.61 रुपये और डीजल 2.71 रुपये महंगा किया था। उसके बाद दाम में कोई बदलाव नहीं हुआ है।

4 महानगरों में पेट्रोल का दाम: तेल कंपनियों की तरफ से मिली जानकारी के अनुसार दिल्ली में आज पेट्रोल 102.12

111.21 रुपये और चेन्नई में 107.77 रुपये है। इन देशों ने बीते महीने हर रोज 19.43 बैरल क्रूड का प्रोडक्शन किया। इससे एक महीने पहले मतलब कि मई 2026 में हर रोज महज 3.3 बैरल का प्रोडक्शन हो रहा था। इसके बाद भी

शुक्रवार को इंटरनेशनल क्रूड मार्केट में कच्चा तेल थोड़ा महंगा हो कर ही बंद हुआ। इस सप्ताह शुक्रवार को कारोबार की समाप्ति पर स्टैंडर्ड माने जाने वाला 0.45% या 0.32 डॉलर महंगा होते हुए 72.12 डॉलर प्रति बैरल पर चला गया। अमेरिकी भी 0.13 फीसदी या 0.09 डॉलर प्रति बैरल बढ़ कर 68.78 डॉलर प्रति बैरल पर बंद हुआ।

नायरा ने घटा दिया पेट्रोल-डीजल के दाम

भारत में पेट्रोल-डीजल की रिटेल बिक्री करने वाली सबसे बड़ी प्राइवेट पब्लिक रिटेलर नायरा एनर्जी ने तीन दिन पहले ही, यानी एक जुलाई 2026 से दोनों ईंधनों के दाम घटा दिए हैं। कंपनी ने पेट्रोल की कीमत में 5 रुपये और डीजल में 3 रुपये प्रति लीटर की कटौती की है। भारत की सरकारी तेल कंपनियां कब दाम घटाएंगी, इसका जवाब केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी की तरफ से आया है।

डीजल की कीमत क्या है

सरकारी ऑयल कंपनियों के मुताबिक बुधवार को दिल्ली में डीजल का प्रति लीटर दाम 95.20 रुपये है। कोलकाता में यह 99.02 रुपये, मुंबई में 97.83 रुपये और चेन्नई में 99.55 रुपये प्रति लीटर है। कच्चे तेल की कीमत में हाल में काफी बढ़ोतरी हुई है। ईरान युद्ध शुरू होने के बाद यह करीब 50 फीसदी महंगा हो गया है। न्यूज एजेंसी रायटर के एक सर्वे के अनुसार क्रूड ऑयल एक्सपोर्ट करने वाले देशों के संगठन के 11 सदस्य देशों ने जून में प्रोडक्शन बढ़ाया है।

पर फैलाए जा रहे नैरेटिव को लेकर भी बात कही। केंद्रीय मंत्री ने स्पष्ट किया कि श्व20 ईंधन (20% इथेनॉल मिश्रित पेट्रोल) से चलने वाले वाहनों के माइलेज में होने वाली गिरावट बेहद

इंश्योरेंस कवर पर असर नहीं

उन्होंने यह भी कहा कि वाहन बीमा को लेकर भी स्थिति पूरी तरह साफ है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि बीमा कंपनियों ने पहले ही स्पष्ट कर दिया है कि श्व20 ईंधन के इस्तेमाल से गाड़ी के इंश्योरेंस कवरेज पर कोई असर नहीं पड़ेगा। पेट्रोलियम मंत्री ने बताया कि उनके मंत्रालय ने इथेनॉल मिश्रण के पूरे सफर और दुनिया के अन्य देशों में इसके इस्तेमाल को लेकर 15 पन्नों का एक विस्तृत नोट तैयार किया है। यह नोट जनता की सभी आशंकाओं और सवालों के जवाब देगा। भ्रामक वीडियो, बुनिंदा तरीके से एडिट की गई विलुप और सनसनीखेज पोस्ट शेयर की जा रही हैं। इनका एकमात्र उद्देश्य वाहन मालिकों के मन में श्व20 ईंधन को लेकर डर पैदा करना है। पुरी टैस्टिंग के बाद लिया गया फैसला: पुरी ने कहा कि भारत ने पेट्रोल में 20 प्रतिशत इथेनॉल मिलाने का फैसला सभी संबंधित पक्षों, जैसे (सोसाइटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैनुफैक्चरर्स) और (ऑटोमोटिव रिसर्च एसोसिएशन ऑफ इंडिया) से गहन विचार-विमर्श और टैस्टिंग के बाद ही लिया है।

सेनहाइज़र के प्रीमियम हेडफ़ोन, माइक्रोफ़ोन और साउंडबार की रेंज पर बेहतरीन ऑफ़र

भोपाल, एजेंसी। सेनहाइज़र, ऑडियो इनोवेशन में ग्लोबल लीडर, ने 4 जुलाई 2026 से शुरू होने वाले अमेज़न प्राइम डे के 10वें एडिशन के तहत अपने प्रीमियम ऑडियो प्रोडक्ट्स पर शानदार ऑफ़र की घोषणा की है। ग्राहक न्यूट्रिड यूएसबी माइक्रोफोन पर 40% तक की छूट का लाभ उठा सकते हैं, जिनमें एचडी 630, एचडी 490 प्रो प्लस, प्रोफाइल वायरलेस 1-चैनल सेट और 2-चैनल सेट, मोमेंटम टर्न वायरलेस 4, प्रोफाइल यूएसबी माइक्रोफोन और मोमेंटम 4 वायरलेस स्पेशल एडिशन जैसे प्रोडक्ट्स शामिल हैं। ग्राहक नो-कॉस्ट ईएमआई विकल्पों के साथ-साथ चुनिंदा बैंक कार्ड पर अतिरिक्त छूट का भी लाभ उठा सकते हैं, जिससे यह बेहतरीन कीमत पर

सेनहाइज़र के मशहूर ऑडियो परफ़ॉमेंस का अनुभव करने का एक शानदार मौका बन जाता है। सेनहाइज़र के प्रमुख और फ्लैगशिप मोमेंटम 4 वायरलेस के साथ अपने ऑडियो अनुभव को बेहतर बनाएं। प्रीमियम हेडफोन बेहतरीन डिटेल के साथ ब्रांड की खास साउंड क्वालिटी देते हैं। पूरे दिन आराम के लिए अल्ट्रा-सॉफ्ट इयर कुशन और हल्के, आरामदायक डिजाइन के साथ एडैप्टिव नॉइज़ कैसिलेशन, ट्रांसपेरेंसी मोड और 60 घंटे तक की बैटरी लाइफ़ का आनंद लें। स्मार्ट कंट्रोल ऐप आपको अपनी साउंड को पर्सनलाइज़ करने की सुविधा देता है, जबकि स्मार्ट पॉज और ऑटो ऑन/ऑफ़ जैसे आसान फ़ीचर्स हर

पल को सहज बनाते हैं। अमेज़न ग्रेट समर सेल के दौरान चुनिंदा बैंक कार्ड पर अतिरिक्त छूट के साथ 21,990 रुपये में उपलब्ध है। सेनहाइज़र एचडी 490 प्रो प्लस के साथ अपने ऑडियो प्रोडक्शन वर्कफ़्लो को बेहतर बनाएं। सटीकता और स्पष्टता चाहते हैं। ओपन-बैक डिज़ाइन के साथ, यह एक विस्तृत, नैचुरल साउंडस्केप और बहुत सटीक, बिना किसी बदलाव वाला ऑडियो देता है - जिससे कमियां को दूर करने और हर डिटेल पर पूरा कंट्रोल रखने में मदद मिलती है। एडवांस्ड डायनामिक ड्राइवर्स और एक नए लो-प्रीक्वेंसी सिलेंडर सिस्टम से लैस, यह पूरे स्पेक्ट्रम में टाइड, साफ़ बास और बैलेस्ट साउंड देता है।



मेसी के विश्वकप में 20 गोल



एम्बाप्पे पर बनाई बढ़त गोल्डन बूट की दौड़ में आगे

मियामी, एजेंसी। अर्जेंटीना के स्टार खिलाड़ी लियोनल मेसी ने फिर गोल किया और केप वर्डे के खिलाफ फीफा विश्व कप का लगातार आठवां मैच था जिसमें अर्जेंटीना के कप्तान ने कम से कम एक गोल दागा है। मेसी ने केप वर्डे के खिलाफ 29वें मिनट में विश्व कप के अपने करियर का 20वां गोल किया। वह विश्व कप के इतिहास में सर्वाधिक गोल करने वाले खिलाड़ियों की सूची में शीर्ष पर बने हुए हैं जबकि, फ्रांस के किलियन एम्बाप्पे उनसे दो गोल पीछे हैं।

मेसी ने दागा मौजूदा विश्व कप का सातवां गोल

इस साल टूर्नामेंट में मेसी का यह सातवां गोल था और गोल्डन बूट की दौड़ में एम्बाप्पे उनसे एक गोल पीछे हैं। पिछले आठ विश्व कप मैचों में मेसी 12 गोल कर चुके हैं। मेसी के साथ अर्जेंटीना और इंटर मियामी के लिए खेलने वाले रॉड्रीगो डि पॉल ने कहा, मेरे लिए मेसी की दोस्ती सबसे अहम चीज है और मैं खुशकिस्मत हूँ कि इन पलों में उसके साथ मैदान पर हूँ। मेसी ने मार्टिनेज के पास पर केप वर्डे के स्टार गोलकीपर वोजिन्हा को छकाते हुए यह गोल दागा। मेसी और एम्बाप्पे के अलावा नॉर्वे के एलिंग हालंद और इंग्लैंड के हैरी केन भी पांच-पांच गोल करके विश्व कप में सबसे ज्यादा गोल करने के गोल्डन बूट पुरस्कार की दौड़ में हैं। फ्रांस के उस्मान डेम्बेले, स्पेन के मिकेल ओयारजाबाल, ब्राजील के विनिशियस जुनियर और सेनेगल के इस्माइला सार ने चार-चार गोल किए हैं। सार दौड़ से बाहर हैं क्योंकि सेनेगल बाहर हो चुकी है।

कभी गोल्डन बूट नहीं जीत सके हैं मेसी

नॉर्वे, इंग्लैंड और फ्रांस अंतिम 16 में हैं। केप वर्डे को हराकर अर्जेंटीना भी अगले दौर में पहुंच चुका है। मेसी ने कभी गोल्डन बूट नहीं जीता। विश्व कप 2022 में सात गोल करके वह एम्बाप्पे से एक गोल पीछे रह गए थे, जबकि 2014 में चार गोल करके संयुक्त तीसरे स्थान पर थे। अगर टूर्नामेंट के बाद शीर्ष पर टाई रहता है तो फीफा पहले टाइब्रेकर के रूप में यह देखेगा कि कितने गोल में मदद की है और दूसरा टाइब्रेकर यह होगा कि मैदान पर किसने कम समय बिताया है। एम्बाप्पे गोल में सहायता के मामले में मेस्सी से 2-0 से आगे हैं।

विश्व कप से पहले भारत ने दिया बड़ा संदेश

फुल्टन बोले- गेम प्लान पर टिके रहे तो जीत हमारी होगी

नई दिल्ली, एजेंसी। एफआईएच प्रो लीग में कुल मिलाकर निराशाजनक अभियान के बावजूद आखिरी चरण में भारतीय टीम ने दमदार प्रदर्शन कर अपने इरादे साफ कर दिए। जर्मनी और नीदरलैंड जैसी मजबूत टीमों को हराने के बाद मुख्य कोच क्रेग फुल्टन का मानना है कि अगर टीम अपने गेम प्लान पर कायम रही तो दुनिया की किसी भी टीम को मात दे सकती है।

शैली के अनुसार खुद को ढाला और करीबी मुकाबलों में जीत हासिल की। उनके अनुसार यही अनुभव विश्व कप और एशियाई खेलों जैसे बड़े टूर्नामेंट में टीम के काम आएगा और टीम सही दिशा में आगे बढ़ रही है।

प्रो लीग भारत के लिए मुश्किल रही थी

राउरकेला में खेले गए घरेलू चरण में भारत को बेल्जियम और अर्जेंटीना के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा। इसके बाद होबार्ट चरण में टीम ने सुधार के संकेत दिए। स्पेन से शुरुआती हार के बाद भारत ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 2-2 और स्पेन के खिलाफ 1-1 से ड्रा खेला, हालांकि दोनों मुकाबलों के शूटआउट में हार मिली। अंतिम मैच में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 1-1 की बराबरी के बाद भारत ने शूटआउट 3-1 से जीत लिया। यूरोप चरण में भारतीय टीम का प्रदर्शन काफी बेहतर रहा। रॉटरडैम में भारत ने जर्मनी को 3-1 और नीदरलैंड को 3-2 से हराया। दुनिया की दो मजबूत रक्षात्मक टीमों के खिलाफ भारत ने चार मैचों में नौ गोल किए, जिनमें पांच फील्ड गोल और चार पेनल्टी कॉर्नर से आए। इसके बाद लंदन में पाकिस्तान और इंग्लैंड के खिलाफ चारों मुकाबलों में भारत निर्धारित समय तक अपराजित रहा।

हमनप्रीत सिंह ने भी बताया भरोसा होबार्ट चरण से बाहर रहने के बाद टीम की कप्तानी सभालने लौटे हमनप्रीत सिंह ने कहा कि शीर्ष रैंकिंग वाली टीमों को हराना हमेशा खास होता है और इससे पता चलता है कि टीम की मेहनत रंग ला रही है। उन्होंने कहा कि विश्व कप और एशियाई खेलों की तैयारी में टीम इन सकारात्मक पहलुओं को साथ लेकर आगे बढ़ेगी।

जर्मनी और नीदरलैंड पर जीत से बड़ा टीम का आत्मविश्वास?

मुख्य कोच क्रेग फुल्टन ने कहा कि प्रो लीग के दौरान टीम का आत्मविश्वास लगातार बढ़ा है। उन्होंने कहा कि जर्मनी और नीदरलैंड जैसी शीर्ष टीमों पर जीत और इंग्लैंड के खिलाफ कड़े मुकाबले ने साबित कर दिया कि भारतीय टीम अपने गेम प्लान पर अमल करे तो किसी भी टीम को चुनौती देने और हराने की क्षमता रखती है। उन्होंने इसे विश्व कप और एशियाई खेलों से पहले अच्छा संकेत बताया, हालांकि प्रदर्शन में निरंतरता बनाए रखने की जरूरत भी बताई।

टीम दबाव में पहले से ज्यादा मजबूत हुई

फुल्टन ने कहा कि टीम ने दबाव को परिस्थितियों में संयम बनाए रखा, अलग-अलग टीमों की खेल



पेनल्टी शूटआउट में मिश्र का कमाल ऑस्ट्रेलिया को हरा राउंड ऑफ-16 में

डलास, एजेंसी। फीफा विश्व कप 2026 के राउंड ऑफ 32 में मिश्र ने इतिहास रचते हुए ऑस्ट्रेलिया को पेनल्टी शूटआउट में 4-2 से हराकर पहली बार विश्व कप के नॉकआउट मुकाबले में जीत दर्ज की। निर्धारित समय और अतिरिक्त समय तक मुकाबला 1-1 की बराबरी पर रहा, जिसके बाद मैच का फैसला पेनल्टी शूटआउट से हुआ। मिश्र ने अपनी चारों पेनल्टी सफलतापूर्वक गोल में बदली, जबकि ऑस्ट्रेलिया के हैरी साउटर और लुकास हेरिंगटन अपने प्रयासों में चूक गए। मुकाबले की शुरुआत में ऑस्ट्रेलिया ने आक्रामक रुख अपनाया और क्रिस्टियन वोल्पाटो का लंबी दूरी का शॉट क्रॉसबार से टकराया। इसके कुछ ही मिनट बाद मिश्र ने 13वें मिनट में बढ़त बना ली। सेट पीस से बने मौके पर करीम हाफेज के क्रॉस को इमाम अशूर ने शानदार हेडर के जरिए गोल में बदल दिया। विश्व कप में अशूर का यह लगातार दूसरा गोल रहा। दूसरे हाफ में ऑस्ट्रेलिया ने बराबरी हासिल कर ली। 55वें मिनट में एडेन ओ'नील की फ्री-किक पर मिश्र के डिफेंडर मोहामेद हानी ने गेंद को क्लियर करने की कोशिश में अपनी ही टीम के गोल में पहुंचा दिया। इस आत्मघाती गोल के साथ स्कोर 1-1 हो गया और मुकाबला बेहद रोमांचक बन गया।

दोनों टीमों को मिले मौके

अतिरिक्त समय में मिश्र के पास मैच खत्म करने का सुनहरा अवसर था, लेकिन ऑस्ट्रेलिया के गोलकीपर पैट्रिक बीच ने रामी राबिया के दमदार हेडर पर शानदार एक हाथ से बचाव किया। इसके बाद मोहम्मद सलाह ने हैसम हसन के लिए मौका बनाया, लेकिन हैरी साउटर ने बेहतरीन ब्लॉक लगाकर ऑस्ट्रेलिया को बचा लिया। निर्धारित समय और अतिरिक्त समय में फैसला नहीं होने के बाद मैच पेनल्टी शूटआउट में पहुंचा। मिश्र ने अपनी सभी चार पेनल्टी सफलतापूर्वक गोल में बदली। स्टार खिलाड़ी मोहम्मद सलाह ने भी शानदार 'पानेका' शैली में पेनल्टी को गोल में बदल दिया। दूसरी ओर, ऑस्ट्रेलिया के हैरी साउटर और लुकास हेरिंगटन पेनल्टी चूक गए, जिससे मिश्र ने 4-2 से जीत दर्ज कर ली।

अल-नासर को मिला नया कोच, एंजे को मिली कमान

सऊदी अरब के दिग्गज क्लब अल-नासर ने ऑस्ट्रेलियाई कोच एंजे पोस्टेकोग्लू को अपनी पहली फुटबॉल टीम का नया मुख्य कोच नियुक्त किया है। क्लब ने शनिवार को इसकी आधिकारिक घोषणा करते हुए बताया कि पोस्टेकोग्लू के साथ दो साल का अनुबंध किया गया है। एंजे पोस्टेकोग्लू पुर्तगाली कोच जॉर्ज जीसस की जगह लेंगे। क्लब ने अपने आधिकारिक बयान में कहा, 'एक नए अध्याय की शुरुआत। एंजे पोस्टेकोग्लू को अल-नासर की पहली फुटबॉल टीम का मुख्य कोच नियुक्त किया गया है। उनका अनुबंध दो सीजन के लिए है। हम उन्हें और उनके सहयोगी स्टाफ को क्लब के साथ सफल सफर की शुभकामनाएं देते हैं।' पोस्टेकोग्लू के सामने सबसे बड़ी चुनौती पांच बार के बैलन डी'ऑर विजेता क्रिस्टियानो रोनाल्डो के साथ टीम को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने की होगी। इसके अलावा वह सादियो माने, किंग्सले कोमन और जोआओ फेलिक्स जैसे स्टार खिलाड़ियों को भी कोचिंग देंगे। इस समय 41 वर्षीय क्रिस्टियानो रोनाल्डो पुर्तगाल की ओर से फीफा विश्व कप 2026 में खेल रहे हैं। उन्होंने क्रोएशिया के खिलाफ राउंड ऑफ 32 मुकाबले में पेनल्टी के जरिए बराबरी का गोल दागा था। हालांकि बाद में उन्हें मैदान से बाहर बुला लिया गया और गौकालो रामोस ने विजयी गोल कर टीम को बढ़त दिलाई।

नोवाक जोकोविच ने रचा इतिहास

जोकोविच ने विंबलडन पुरुष एकल में रोजर फेडरर के 105 जीत के रिकॉर्ड की बराबरी की

नई दिल्ली, एजेंसी। सात बार के विंबलडन चैंपियन नोवाक जोकोविच ने तीसरे दौर में फ्रांस के आर्थर रेंदरकनेच को कड़े मुकाबले में 7-5, 6-4, 1-6, 7-6(4) से हराकर प्री-क्वार्टर फाइनल (चौथे दौर) में जगह बना ली। इस जीत के साथ जोकोविच ने विंबलडन पुरुष एकल में रोजर फेडरर के 105 जीत के रिकॉर्ड की बराबरी कर ली।

फेडरर की बराबरी, अब सिर्फ एक खिलाड़ी आगे

39 वर्षीय सर्बियाई दिग्गज अब विंबलडन में पुरुष एकल के इतिहास में सबसे ज्यादा 105 मैच जीतने वाले खिलाड़ियों की सूची में रोजर फेडरर के साथ संयुक्त रूप से शीर्ष पर पहुंच गए हैं। पूरे इतिहास में उनसे आगे सिर्फ महिला टेनिस की दिग्गज मार्टिना नवरातिलोवा हैं, जिन्होंने विंबलडन में 120 एकल मुकाबले जीते हैं।

जोकोविच बोले- इतिहास बनाया मेरे लिए सम्मान की बात

जीत के बाद जोकोविच ने कहा कि इस खेल में इतिहास रचना उनके लिए गर्व और सम्मान की बात है। उन्होंने कहा, 'इस खेल में इतिहास बनाया मेरे लिए बहुत बड़ा सम्मान और सौभाग्य है। खासकर विंबलडन में, क्योंकि बचपन से यही मेरा सपना रहा है। मैं 105 या 106 जीत के बारे में नहीं सोच रहा, मेरा पूरा ध्यान हर मैच जीतने पर है।' उन्होंने मुस्कुराते हुए कहा, 'आज मैं सामान्य से ज्यादा दबाव में था। मुझे पता था कि मुकाबला आसान नहीं होगा। मैं खुश हूँ कि इसे जीत पाया। अब मैं चाहता हूँ कि 106वीं जीत के लिए मेरा मुकाबला रोजर फेडरर से ही हो जाए।'

रेंदरकनेच ने दी कड़ी टक्कर

दूसरे दौर में स्टेफानोस सित्सिपास को सीधे सेटों में हराने वाले जोकोविच इस बार अपनी सर्वश्रेष्ठ लय में नजर नहीं आए। फ्रांस के आर्थर रेंदरकनेच ने पहले दो सेट गंवाने के बाद जोरदार वापसी करते हुए तीसरा सेट 6-1 से अपने नाम किया। चौथे सेट में भी दोनों खिलाड़ियों के बीच लंबी और रोमांचक रैलियां देखने को मिलीं। रेंदरकनेच ने कई शानदार सर्विस और वॉली से दर्शकों को प्रभावित किया, लेकिन टाई-ब्रेक में जोकोविच के अनुभव ने बाजी पलट दी।

अब चौथे दौर में रोमन सफियुलिन से मुकाबला

अब जोकोविच का सामना चौथे दौर में क्वालिफायर रोमन सफियुलिन से होगा। सफियुलिन ने तीसरे दौर में ब्राजील के जोआओ फोन्सेका को 6-3, 6-3, 6-3 से हराकर अंतिम-16 में जगह बनाई। चोटों से जूझने वाले सफियुलिन ने इस साल विंबलडन से पहले दूर स्तर पर एक भी मैच नहीं जीता था।

विंबलडन में सबसे ज्यादा एकल मैच जीत

मार्टिना नवरातिलोवा	120 जीत
रोजर फेडरर	105 जीत
नोवाक जोकोविच	105 जीत



आखिरी दिन प्रज्ञानंद ने मारी बाजी, लगातार तीन जीत के दम पर संयुक्त नंबर-1 बने भारतीय स्टार

जैग्रेब (क्रोएशिया)। भारतीय ग्रैंडमास्टर आर प्रज्ञानंद ने ग्रैंड चेस टूर के क्रोएशियाई चरण के रैपिड सेक्शन के अंतिम दिन शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने आखिरी दिन लगातार तीन मैच जीतकर कुल 12 अंकों के साथ फ्रांस के फिरीज्जा अल्लोरेजा के साथ संयुक्त रूप से पहला स्थान हासिल कर लिया है। दूसरे दिन के खेल के बाद प्रज्ञानंद थोड़ा पिछड़ गए थे, लेकिन उन्होंने आखिरी तीन दौर के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ खेल बचाकर रखा था। उन्होंने क्रोएशिया के इवान सारिक, रोमानिया के डीक बोडन-डेनियल और नीदरलैंड के अनीश गिरी को शिकस्त देकर अल्लोरेजा की बराबरी की।

इस प्रतियोगिता के रैपिड सेक्शन में फ्रांस के मैक्सिम वाचिएर-लाग्रेव और उज्बेकिस्तान के नोदिरबेक अब्दुसतोरोव ने



भी बेहतरीन अंत किया। ये दोनों खिलाड़ी 11 अंकों के साथ शीर्ष पर मौजूद दोनों लीडर्स के बेहद करीब बने हुए हैं। वहीं, भारत के विश्व चैंपियन डी गुकेश और जर्मनी के विसेंट कीमर भी 10-10 अंकों के साथ उनके ठीक पीछे मजबूती से डटे हुए हैं। बिन्दु सेक्शन में अभी 18 दौर के

मुकाबले खेले जाने बाकी हैं। फिलहाल, अनीश गिरी आठ अंकों पर हैं और वह डीक बोडन-डेनियल तथा नीदरलैंड के जॉर्डन वैन फोरेस्ट से एक पूरा अंक आगे हैं। इसके विपरीत, इवान सारिक के खाते में केवल दो अंक हैं और वह अंक तालिका में सबसे आखिरी स्थान पर हैं।

प्रज्ञानंद ने आखिरी तीन राउंड में विपक्षी दिग्गजों को कैसे मात दी

प्रज्ञानंद के लिए दिन की शुरुआत बेहद सकारात्मक रही। टूर्नामेंट में संघर्ष कर रहे इवान सारिक के खिलाफ शुरुआती चालों के उनके लिए गर्व और सम्मान की बात है। उन्होंने कहा, 'इस खेल में इतिहास बनाया मेरे लिए बहुत बड़ा सम्मान और सौभाग्य है। खासकर विंबलडन में, क्योंकि बचपन से यही मेरा सपना रहा है। मैं 105 या 106 जीत के बारे में नहीं सोच रहा, मेरा पूरा ध्यान हर मैच जीतने पर है।' उन्होंने मुस्कुराते हुए कहा, 'आज मैं सामान्य से ज्यादा दबाव में था। मुझे पता था कि मुकाबला आसान नहीं होगा। मैं खुश हूँ कि इसे जीत पाया। अब मैं चाहता हूँ कि 106वीं जीत के लिए मेरा मुकाबला रोजर फेडरर से ही हो जाए।'

वापसी नहीं कर सके। दिन के आखिरी मैच में प्रज्ञानंद ने आम तौर पर मजबूत माने जाने वाले अनीश गिरी के खिलाफ आक्रामक रुख अपनाया। उन्होंने कैटलन ओपनिंग के जरिए एक प्यादा जीता और फिर बेहतरीन टैक्टिकल सूझबूझ दिखाते हुए मैच को कुशलता से समाप्त किया। यह मुकाबला महज 34 चालों में ही खत्म हो गया।

विश्व चैंपियन डी गुकेश के लिए यह दिन कुछ अलग साबित हुआ

प्रज्ञानंद के विपरीत, सबसे कम उम्र के विश्व चैंपियन डी गुकेश के लिए यह दिन थोड़ा अलग और मिलाजुला रहा। वह अपने तीनों मुकाबले ड्रां ही खेल सके, जिसके कारण वह शीर्ष रेस में थोड़े पीछे रह गए। अब्दुसतोरोव, कीमर और अल्लोरेजा इन तीनों ही खिलाड़ियों ने गुकेश के साथ अंक बांटे।

रैपिड सेक्शन के 9 दौर के बाद क्या है अंक तालिका की स्थिति

पहला-दूसरा स्थान: फिरीज्जा अल्लोरेजा (फ्रांस), आर प्रज्ञानंद (भारत) - 12 अंक प्रत्येक तीसरा-चौथा स्थान: मैक्सिम वाचिएर-लाग्रेव (फ्रांस), नोदिरबेक अब्दुसतोरोव (उज्बेकिस्तान) - 11 अंक प्रत्येक पांचवां-छठा स्थान: डी गुकेश (भारत), विसेंट कीमर (जर्मनी) - 10 अंक प्रत्येक सातवां स्थान: अनीश गिरी (नीदरलैंड) - 8 अंक आठवां-नौवां स्थान: डीक बोडन-डेनियल (रोमानिया), जॉर्डन वैन फोरेस्ट (नीदरलैंड) - 7 अंक प्रत्येक दसवां स्थान: इवान सारिक (क्रोएशिया) - 2 अंक

एसआईआर पर भाजपा का हमला

बेंगलुरु, एजेंसी। कर्नाटक में विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान को लेकर सियासी विवाद गहरा गया है। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने कांग्रेस सरकार पर गंभीर आरोप लगाते हुए दावा किया है कि मतदाता सूची में कथित तौर पर बांग्लादेशी नागरिकों के नाम जोड़ने की साजिश रची जा रही है। विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष आर. अशोक ने आरोप लगाया कि निर्वाचन आयोग के स्पष्ट दिशा-निर्देशों के बावजूद बूथ लेवल अधिकारी घर-घर जाकर सत्यापन करने के बजाय सार्वजनिक स्थानों और धार्मिक स्थलों के बाहर मतदाता पंजीकरण फॉर्म वितरित कर रहे हैं।

भाजपा का आरोप है कि यह पूरी प्रक्रिया वोट बैंक की राजनीति से प्रेरित है और इसके जरिए अवैध रूप से मतदाता सूची का विस्तार किया जा रहा है। पार्टी ने इस मामले की शिकायत केंद्रीय निर्वाचन आयोग और राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी से करने की घोषणा की है। साथ

बांग्लादेशी नागरिकों के नाम जोड़ रही कांग्रेस



ही, नियमों का उल्लंघन करने वाले अधिकारियों के खिलाफ आपराधिक मामला दर्ज कर उनकी गिरफ्तारी की मांग भी की है। भाजपा ने राज्य सरकार पर राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े मुद्दों की अनदेखी करने का आरोप लगाते हुए कहा कि स्ट्रुक् अभियान केवल भारतीय नागरिकों के लिए है और इसकी निष्पक्षता से कोई समझौता नहीं होना चाहिए।

कांग्रेस पर वोट बैंक की राजनीति का आरोप

उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि येलहंका के एक क्षेत्र में वर्ष 2002 की मतदाता सूची का रिकॉर्ड अब तक ऑनलाइन अपलोड नहीं किया गया है और कुछ खास समुदायों को निशाना बनाया जा रहा है। भाजपा नेता ने कांग्रेस पर एसआईआर को लेकर दोहरा रवैया अपनाने का आरोप लगाते हुए कहा कि एक ओर पार्टी सार्वजनिक रूप से इस अभियान का विरोध कर रही है, वहीं दूसरी ओर लोगों से सरकारी गारंटी योजनाओं का लाभ लेने के लिए एसआईआर के तहत पंजीकरण कराने को कह रही है। उन्होंने कहा कि एसआईआर केवल भारतीय नागरिकों पर लागू होता है। किसानों को पानी की कमी के बीच फसल बोने को लेकर मुख्यमंत्री की कथित सलाह पर प्रतिक्रिया देते हुए अशोक ने कहा कि किसानों को ऐसी सलाह की जरूरत नहीं है। उन्होंने कहा कहा यदि सरकार में साहस है तो उसे कर्नाटक के किसानों को सलाह देने के बजाय तमिलनाडु सरकार से खेती नहीं करने के लिए कहना चाहिए था। उन्होंने आरोप लगाया कि मेकेदातु संतुलन जलाशय परियोजना का तमिलनाडु द्वारा विरोध किए जाने के बावजूद मुख्यमंत्री ने उसके खिलाफ कोई बयान नहीं दिया।

सक्षिप्त समाचार

हिमाचल में डीए देने की तैयारी, 700 करोड़ का लोन ले रही सुक्खू सरकार

शिमला, एजेंसी। हिमाचल प्रदेश में इस समय कर्मचारियों को कम से कम डीए की एक किश्त मिलने की चर्चाएं हैं. इन्हीं चर्चाओं के बीच सुखविंदर सिंह सुक्खू के नेतृत्व वाली राज्य की कांग्रेस सरकार ने 700 करोड़ रुपए का कर्ज लेने की अधिसूचना जारी की है. कर्ज की ये रकम 13 साल के लिए ली जा रही है. इस संदर्भ में राज्य सरकार के वित्त विभाग के प्रधान सचिव देवेश कुमार की तरफ से अधिसूचना जारी कर दी गई है. इसे लेकर केंद्र सरकार की सहमति ली गई है और ये कर्ज विकास कार्यों के लिए है.



हालांकि ये तकनीकी शब्दावली है, लेकिन ये अनुमान लगाया जा रहा है कि सुक्खू सरकार कर्मचारियों के डीए को लेकर कोई सुख की खबर दे सकती है. यदि कर्मचारियों को कम से कम तीन फीसदी डीए की एक किश्त देने की मंशा हो तो ये रकम (700 करोड़ रुपए) पर्याप्त है.

कब खजाने में आएगा पैसा?

राज्य सरकार के खजाने में ये रकम आठ जुलाई को आ जाएगी. लोग की इस रकम का ब्याज साल में दो बार चुकाया जाएगा. ये ब्याज की किश्तें जनवरी व जुलाई में दी जाएंगी. उल्लेखनीय है कि राज्य सरकार ने इससे पहले भी जून महीने में 700 करोड़ रुपए का कर्ज लिया था. वो कर्ज दो किश्तों में लिया गया था. पहली किश्त के तौर पर चार सौ करोड़ रुपए व दूसरी किश्त के रूप में 300 करोड़ रुपए का लोन लिया गया था. अब जुलाई माह में फिर से लोन की अधिसूचना जारी की गई है. इस बार सात सौ करोड़ रुपए का लोन एक ही किश्त में है. पिछला लोन 24 जून को राज्य सरकार के खजाने में आ गया था. उल्लेखनीय है कि राज्य सरकार पर कर्मचारियों को डीए की कम से कम एक किश्त देने का भारी दबाव है. हिमाचल इस समय एक लाख करोड़ रुपए से अधिक के कर्ज के बोझ तले दबा हुआ है. कर्मचारियों की भारी-भरकम देनदारियां सिर पर हैं. सरकार को हर महीने वेतन व पेंशन के लिए कम से कम 22 करोड़ रुपए का खर्च करना पड़ता है. राज्य की अपनी आय के संसाधन अपेक्षाकृत कम हैं. ऐसे में डीए आदि की देनदारी के लिए सरकार को कर्ज पर ही निर्भर रहना पड़ता है.

काशी विश्वनाथ मंदिर गेट पर सिपाही की कार्बाइन से अचानक चली गोली

वाराणसी, एजेंसी। वाराणसी के श्री काशी विश्वनाथ मंदिर के गेट नंबर चार पर शनिवार को इट्यूटी पर तैनात एक सिपाही की कार्बाइन से अचानक गोली चल गई। गोली सड़क पर लगी



और गिट्टियां छिटककर पास में मौजूद दो दुकानदारों और एक अन्य व्यक्ति को लग गई। तीन लोग जखमी हो गए जिन्हें अस्पताल ले जाया गया है। फिलहाल सभी लोग खतरे से बाहर बताए जा रहे हैं। बताया जा रहा है जिस सिपाही की कार्बाइन से गोली चली वह मंदिर की सुरक्षा इट्यूटी पर तैनात था। घटना के बाद मौके पर मौजूद पुलिसकर्मियों ने तत्काल कार्रवाी को उपाचार के लिए कबीरचौरा मंडलीय अस्पताल पहुंचाया। पुलिस के अनुसार निक्की गुप्ता, रामबाबू और विकास यादव के हाथ और पैर में हल्की चोटें आई हैं और उनकी हालत खतरे से बाहर है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार गोली चलने की आवाज सुनते ही मंदिर परिसर और आसपास मौजूद लोगों में कुछ देर के लिए अफरा-तफरी मच गई।

तमिलनाडु में मंत्री की जनता से अपील, मंदिरों में गड़बड़ियों की दें सूचना



चेन्नई, एजेंसी। तमिलनाडु के मंत्री एस. रमेश ने शुक्रवार को जनता से अपील की कि वे विभाग के प्रशासनिक नियंत्रण वाले मंदिरों में अनियमितताओं, नौकरी के बदले पैसे लेने और अन्य गलत कामों की रिपोर्ट करें। मंत्री ने हाल ही में तिरुचेदूर के एक मंदिर में निरीक्षण के दौरान भवतों को जल्दी दर्शन कराने के लिए मंदिर के कर्मचारियों से जुड़े अवैध लेन-देन को उजागर किया था। उन्होंने लोगों से कहा कि वे अपनी शिकायतें सबूत के साथ भेजें। रमेश ने कहा, ‘ मैं आपको बताना चाहता हूं कि मेरा कार्यालय और मैं इन शिकायतों पर तुरंत कार्रवाई करूंगा। ’

भीषण गर्मी के बावजूद भी नहीं रुकेगा जश्न, ट्रंप देंगे संबोधन

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका अपने 250वें स्वतंत्रता दिवस का ऐतिहासिक जश्न मना रहा है। हालांकि वॉशिंगटन और पूर्वी अमेरिका के कई हिस्सों में भीषण गर्मी को देखते हुए कार्यक्रमों के समय में बदलाव किया गया है। इसके बावजूद सैल्यूट टू अमेरिका में राष्ट्रपति ट्रंप का संबोधन, सैन्य प्रदर्शन और भव्य आतिशबाजी तय कार्यक्रम के अनुसार ही होगा। वहीं, ट्रंप ने स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्यापर देशवासियों को संदेश देते हुए अमेरिका के इतिहास, उपलब्धियों और भविष्य की योजनाओं पर भी जोर दिया।

आयोजकों ने बताया कि वॉशिंगटन में सक्रिय हीट एडवाइजरी को देखते हुए सैल्यूट टू अमेरिका समारोह के कार्यक्रमों में बदलाव किया गया है। इसका मकसद लोगों को अत्यधिक गर्मी से बचना है। ग्रेट अमेरिकन स्टेट फेयर और फीफा फैन जोन अब दोपहर 12 बजे से खुलेंगे और कार्यक्रम समाप्त होने तक खुले रहेंगे। वॉशिंगटन मॉन्यूमेंट परिसर को भी पहले की तुलना में देर से खोला जाएगा ताकि लोगों को लंबे समय तक धूप में इंतजार न करना पड़े। आयोजकों ने साफ कहा कि समारोह जारी रहेगा, लेकिन लोगों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता रहेगी। पूरे आयोजन स्थल पर मुफ्त पेयजल वितरण केंद्र बनाए गए हैं। पानी भरने (रिफिल) के स्टेशन लगाए गए हैं। लोगों को गर्मी से बचाने के लिए कूलिंग टेंट तैयार किए गए हैं। वातानुकूलित (एयर कंडीशंड) बसों की व्यवस्था की गई है। 15 एयर कंडीशंड मंडप बनाए गए हैं, जहां लोग आराम कर सकेंगे। अतिरिक्त मेडिकल टीम और चिकित्सा सहायता तैनात की गई है। धुंध वाले कूलिंग क्षेत्र (मिस्टिंग एरिया) और



अमेरिकी सेना के हेलीकॉप्टर, वायुसेना के लड़ाकू और बमवर्षक विमान उड़ान भरेंगे। मरीन कॉर्पस और अमेरिकी नौसेना के विमान भी हिस्सा लेंगे। महाहूर एरोबेटिक टीम ब्लू एंजेल्स और थंडरबर्ड्स प्रदर्शन करेंगी। एफ-22 रैप्टर, बी-1 बमवर्षक और एयर फोर्स वन भी फ्लाईपास्ट में शामिल होंगे। सैल्यूट टू अमेरिका’ का मुख्य कार्यक्रम शुरू होगा।



को तीन दिन बढ़ाने की मांग करते हुए तर्क दिया कि गोयल और चौधरी के मोबाइल फोन से बरामद डाटा में संकेतिक भाषा में बातचीत शामिल थी। इस बातचीत को समझने के लिए उनकी हिरासत में पृष्ठछाछ आवश्यक है।

अभियोजन पक्ष ने अदालत को सूचित किया कि पुलिस ने उस स्थान पर पंचनामा किया था, जहां गोयल ने कथित तौर पर मुंबई जाते समय अग्रवाल का पासपोर्ट ठिकाने लगाया था।

जांच करने वालों ने उस जगह का पंचनामा भी किया

सरकारी वकील राजश्री विरकूड ने कहा कि जांच करने वालों ने उस जगह का पंचनामा भी किया, जहां गोयल और चौधरी ने कथित तौर पर अग्रवाल की हत्या की रिहर्सल की थी। उन्होंने बताया कि पुलिस ने गोयल का एक और मोबाइल फोन बरामद किया है। उसे फरेंसिक जांच के लिए भेजा गया है। पहले जब किए गए फोन से डाटा निकाला जा चुका है। जांच करने वालों को फारेंसिक रिपोर्ट मिल गई है। बरामद चैट में कोड वाली भाषा है, जिसमें निकनेम और इमोजी शामिल हैं।

नेतन्याहू के निशाने पर थे ईरानी वार्ताकार ? न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट पर आ गया इस्साइल का बयान

तेल अवीव, एजेंसी। इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के कार्यालय ने उस मीडिया रिपोर्ट को सिर्रे से खारिज कर दिया है, जिसमें दावा किया गया था कि अमेरिका को आशंका थी कि इस्राइल ईरान के वरिष्ठ वार्ताकारों को निशाना बना सकता है। प्रधानमंत्री कार्यालय ने इस रिपोर्ट को फेक न्यूज और हकीकत से पूरी तरह अलग बताते हुए कहा कि इसमें किए गए दावे वास्तविकता पर आधारित नहीं हैं। इस बयान के बाद एक बार फिर मध्य पूर्व की कूटनीतिक हलचल और इस्राइल-ईरान संबंध चर्चा के केंद्र में आ गए हैं।



मामला उस रिपोर्ट से जुड़ा है, जिसमें दावा किया गया कि इस साल इस्लामाबाद वार्ता के दौरान अमेरिकी अधिकारियों को यह आशंका थी कि इस्राइल ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची और ईरानी संसद के अध्यक्ष मोहम्मद बाघेर गालिबाफ को निशाना बना सकता है। रिपोर्ट के अनुसार कुछ मौजूदा और पूर्व अमेरिकी अधिकारियों का मानना ​​था कि 8 अप्रैल के युद्धविराम के बाद के हफ्तों में इस्राइल ऐसी योजना पर विचार कर सकता था। इसी आशंका के चलते अमेरिका ने कथित तौर पर क्षेत्र के कुछ देशों के माध्यम से तेहरान तक अप्रत्यक्ष संदेश पहुंचाया, ताकि ईरानी नेतृत्व को संभावित खतरे से आगाह किया जा सके। हालांकि रिपोर्ट में इन दावों को अधिकारियों के हवाले से पेश किया गया था। इन दावों पर प्रतिक्रिया देते हुए इस्राइल के प्रधानमंत्री कार्यालय ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर स्पष्ट शब्दों में कहा कि ईरानी वार्ताकारों को लेकर प्रकाशित रिपोर्ट पूरी तरह झूठी है। प्रधानमंत्री कार्यालय ने लिखा, ‘ हमेशा की तरह ईरानी वार्ताकारों को लेकर प्रकाशित ताजा खबर फेक न्यूज है। यह वास्तविकता की पूरी तरह मनगढ़ंत कहानी है। ’

सिंधु के पानी के लिए बौखलाया पाकिस्तान, दाने-दाने को होने वाला है मोहताज ?

इस्लामाबाद, एजेंसी। सिंधु के पानी के लिए पाकिस्तान की बौखलाहट बढ़ती जा रही है। पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत ने सिंधु जल संधि को निलंबित कर दिया था। अगल-अगल जगह गुहार लगाने के बाद भी पाकिस्तान को कोई मदद नहीं मिली। भारत अपने रुख पर अड़ा रहा। अब इसकी लेकर पाकिस्तान की बेचैनी इतनी बढ़ चुकी है कि वहां के नेता भारत को गौदड़ भभकिया देने पर उतर आए हैं।

ऐसे में सवाल उठता है कि आखिर सिंधु जल संधी क्या है? इसे लेकर क्यों विवाद हो रहा है? भारत ने क्या रुख अपनाया? पाकिस्तान कहां-कहां गुहार लगा चुका है? पाकिस्तान में पानी को लेकर क्या हालात हैं? पाकिस्तान के जलवायु परिवर्तन मंत्री मुसादिक मलिक ने हाल ही में कहा कि सिंधु जल संधि के तहत पाकिस्तान के हिस्से के पानी पर दावा करने वाले हाथ काट दिए जाएंगे। इससे पहले पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ भी कह चुके हैं कि यदि देश की जल सुरक्षा को खतरा हुआ तो पाकिस्तान भारत के खिलाफ सैन्य कार्रवाई तक कर सकता है।

वहीं, पाकिस्तान के सूचना मंत्री अताउल्लाह तरार ने दावा किया कि सिंधु जल संधि अब भी प्रभावी है और भारत द्वारा इसे निलंबित करने के फैसले को किसी भी अंतरराष्ट्रीय मंच पर स्वीकार

नहीं किया गया है। पाकिस्तान के पीपुल्स पार्टी के अध्यक्ष बिलावल भुट्टो ने परमाणु सिद्धांत का हवाला देते हुए कहा कि अगर उसके जल अधिकारों को कमजोर करने या पानी रोकने की

उल्लंघन किया है। भारत के प्रतिनिधि पी हरीश ने कहा कि भारत हमेशा एक जिम्मेदार देश की तरह व्यवहार करता रहा, जबकि पाकिस्तान ने आतंकवाद को बढ़ावा देकर संधि की मूल भावना



कोशिश की गई, तो इसे देश के ‘राष्ट्रीय अस्तित्व’ पर हमला माना जाएगा और इसके जवाब में उचित राष्ट्रीय प्रतिक्रिया दी जाएगी। संयुक्त राष्ट्र में भी भारत ने सिंधु जल संधि को लेकर पाकिस्तान के आरोपों का जवाब दिया। भारत ने कहा कि 1960 में संधि लागू होने के बाद से पाकिस्तान ने तीन युद्ध और हजारों आतंकी हमलों के जरिए इस समझौते की भावना का लगातार

को कमजोर किया। भारत ने यह भी दोहराया कि सीमा पर आतंकवाद पर विश्वसनीय और स्थायी कार्रवाई होने तक सिंधु जल संधि को निलंबित रखने का फैसला जारी रहेगा। भारत और पाकिस्तान के बीच में सिंधु जल संधि पर 19 सितंबर 1960 को कराची में हस्ताक्षर हुए थे। समझौता सिंधु नदी और इसकी सहायक नदियों के पानी के इस्तेमाल को लेकर हुआ था।